06 page 01 bng_Layout 2 5/6/2024 12:45 AM Page 1

शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 06 मई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-126

इटावा में आयोजित जनसभा में मोदी ने भाजपा प्रत्याशियों के लिए मांगा समर्थन

चायवाले ने तोड़ दी शाही परिवार की कुप्रथा

सपा-कांग्रेस अपने बच्चों के लिए लड़ रहे तो मोदी-योगी आपके बच्चों के भविष्य के लिए खप रहे

विपक्ष पर साधा निशाना कहा -परिवारवादियों की विरासत गाड़ी, बंगला और राजनीतिक रसूख

मोदी की विरासत गरीब का पक्का घर, शौचालय, बिजली, गैस, नल, मुफ्त राशन, मुफ्त इलाज

आप सांसद नहीं भारत की सरकार चुनेंगे, आपका एक वोट मोदी को सशक्त बनाएगा

इटावा, 05 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को समाजवादी पार्टी के गढ़ इटावा में एक जनसभा के दौरान परिवारवाद पर तीखा हमला करते हुए कहा कि एक चायवाले ने शाही परिवार के किसी वारिस के ही पीएम और सीएम बनने की कुप्रथा को तोड़ दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को इटावा में आयोजित जनसभा के माध्यम से एक साथ तीन लोकसभा क्षेत्रों इटावा, मैनपुरी और कन्नौज के मतदाताओं को संबोधित किया और भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में मतदान की अपील की। इस दौरान पीएम मोदी के निशाने पर सपा और कांग्रेस गठबंधन रहा। उन्होंने कहा कि मोदी अपने 10 साल के कार्यकाल के बाद फिर एक बार आपसे आशीर्वाद मांगने आया है। आप सबने मेरी मेहनत देखी है, ईमानदारी से आप लोगों की सेवा करना, ये मेरा धर्म रहा है। अब मोदी भारत के लिए आने वाले 5 साल ही नहीं 25 साल का रास्ता बना रहा है। भारत एक हजार साल के लिए सशक्त हो, मोदी उसकी नींव तैयार कर रहा है। मोदी ये सब क्यों कर रहा है, क्योंकि मोदी रहे या न रहे देश हमेशा रहेगा। दूसरी तरफ ये सपा और कांग्रेस वाले क्या कर रहे हैं, ये चुनाव लड़ रहे हैं अपने भविष्य के लिए, अपने बच्चों के भविष्य के लिए। वहीं मोदी-योगी खप रहे हैं आपके बच्चों के लिए, आपके बच्चों का भविष्य बनाने के लिए।

भारत की सुरक्षा, विकास और विश्वास का प्रतीक है मोदी का परिवार: सीएम योगी

इटावा, 05 मई (एजेंसियां)। देश में एक परिवार ऐसा है, जो अपने स्वार्थ के लिए भारत की सुरक्षा में सेंध लगाता है। नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करता है। भ्रष्टाचार ही इनका संस्कार है। यह गरीब कल्याणकारी योजनाओं से गरीबों को वंचित करने का कार्य करते हैं। वहीं दूसरी ओर भारत की सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि के लिए काम करने वाला भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में मोदी का परिवार है। देश की विरासत, विकास और विश्वास का प्रतीक मोदी का परिवार एक बार फिर भाजपा सरकार के निर्माण की दिशा में तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है।

धर्मावरम में गरजे अमित शाह

तेलुगु भाषा को खत्म करना चाहती है जगन सरकार

धर्मावरम(आंध्र प्रदेश) , 05 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को आंध्र प्रदेश के धर्मावरम में कहा कि जगन मोहन रेड्डी की सरकार तेलुगु भाषा को खत्म करना चाहती है। उसकी जगह अंग्रेजी को प्राथमिक शिक्षा में लाना चाहती है। उन्होंने आगे कहा कि हमें अमरावती को फिर से आंध्र प्रदेश की राजधानी बनाना है। जगन मोहन रेड्डी की सरकार वादा खिलाफी की सरकार है। उन्होंने जो भी वादा किया, उसे कभी पूरा नहीं किया। उन्होंने भ्रष्टाचार, लूट और माफियाओं के कारण आंध्र प्रदेश की स्थिति को खराब किया है।

शाह ने आगे कहा कि जगन मोहन रेड्डी ने विकास की गाड़ी को पटरी से उतार दिया है। आंध्र प्रदेश में विकास शून्य है, निवेश स्थिर है और बेरोजगारी अपने चरम पर है। बुनियादी परियोजनाएं रुकी हुई हैं, लेकिन भू-माफियाओं का काम जोरों पर चल रहा है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश की संस्कृति का सम्मान करना और उसे बढ़ावा देना हमारा कर्तव्य भी है और मिशन भी। हम भगवान तिरूपति बालाजी से जुड़ी हर चीज की पवित्रता बहाल करेंगे। हमारे गठबंधन का लक्ष्य आंध्र प्रदेश में गुंडागर्दी, बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और भूमि माफियाओं के खतरे को खत्म करना है।

शाह ने कहा कि इस समय आंध्र प्रदेश में लोकसभा और विधानसभा दोनों चुनाव हो रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि देश में आम चुनाव के पहले दो चरणों में नरेंद्र मोदी शतक लगा चुके हैं। अब पीएम मोदी 400 से ज्यादा सीटें हासिल करने की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

अमित शाह ने बताया कि वह राज्य में भ्रष्टाचार, अपराध, माफिया के खिलाफ भाजपा, टीडीपी और जनसेना गठबंधन की लड़ाई को ताकत देने के लिए आंध्र प्रदेश में थे। भाजपा नेता ने कहा कि राज्य में गुंडे, अपराधी, भ्रष्टाचार और रेत माफियों के राज को खत्म करने के लिए उन्होंने गठबंधन बनाया है।

गृह मंत्री ने कहा कि जनता तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए तैयार है। उन्होंने आगे कहा कि न तो राहुल गांधी और न ही इंडी गठबंधन के कोई नेता देश का नेतृत्व करने के लिए उपयुक्त हैं।

निज्जर हत्याकांड : जयशंकर की कनाडा पीएम ट्रूडो को खरी-खरी

भारत पर आरोप लगाना कनाडा की राजनीतिक मजबूरी

भुवनेश्वर, 05 मई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि खालिस्तान समर्थक आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या पर कनाडा में जो कुछ भी हो रहा है वह उनकी आंतरिक राजनीति के कारण है। इस हत्याकांड का भारत से कोई लेना-देना नहीं है। जयशंकर ने जस्टिन ट्रूडो द्वारा भारत की आलोचना पर पूछे गए सवाल पर यह टिप्पणी की।

पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, खालिस्तान समर्थकों का एक वर्ग कनाडा के लोकतंत्र का इस्तेमाल कर वहां एक लॉबी बना रहा है। वह एक वोट बैंक बन गया है। कनाडा में सत्तारूढ़ पार्टी के पास संसद में बहुमत नहीं है और कुछ दल खालिस्तान समर्थक नेताओं पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा, हमने उन्हें कई बार समझाया है कि वे ऐसे लोगों को वीजा, वैधता या राजनीतिक स्थान न दें जो भारत-कनाडा रिश्ते के लिए भी समस्या पैदा कर रहे हैं। लेकिन कनाडा ने कुछ नहीं किया।

नेपाल में 100 रुपए के नोट पर भारतीय क्षेत्रों के साथ नया नक्शा छापने के फैसले पर जयशंकर ने कहा, काठमांडो का यह फैसला एकतरफा है। दोनों देशों में सीमा पर वार्ता जारी है। हमने नक्शा संबंधी रिपोर्ट देखी है। नेपाल यथास्थिति को नहीं बदल सकता है। जयशंकर ने कहा कि ओडिशा को ऐसी उर्जावान और प्रतिबद्ध सरकार की जरूरत है जो केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के साथ एक साझेदार की तरह काम करे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्राकृतिक और मानव संसाधनों से समृद्ध राज्य विकास में पिछड़ रहा है। विदेश मंत्री ने कहा, ओडिशा के पास जितने संसाधन हैं, उतना विकास नहीं किया है। राज्य में विनिर्माण का ज्यादा विकास नहीं हुआ है।

हिंदू-मुस्लिम को बांटने की कोशिश कर आग से खेल रही कांग्रेस : राजनाथ

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि राहुल गांधी में कोई आग नहीं है, लेकिन कांग्रेस चुनावी फायदे के लिए हिंदू-मुस्लिम को बांटने की कोशिश करके आग से जरूर खेल रही है। कांग्रेस धार्मिक आधार पर तनाव पैदा करके सामाजिक सौहार्द बिगाड़ रही है। मुस्लिमों को केवल वोट बैंक के रूप में देखती है।

राहुल में आग नहीं पर कांग्रेस सामाजिक सौहार्द बिगाड़ रही

एक साक्षात्कार में रक्षा मंत्री ने राहुल गांधी और कांग्रेस के अलावा लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत, चीन से सीमा विवाद, पाकिस्तान के आतंकवाद और पीओके पर कब्जे को लेकर भी बात की। उन्होंने दावा किया कि जम्मू कश्मीर में जल्द ही हालात पूरी तरह सामान्य हो जाएंगे, साथ ही वहां विधानसभा चुनाव भी होंगे, हालांकि इसका समय गृह मंत्रालय तय करेगा।

राजनाथ ने कहा कि मेरा कांग्रेस के लिए एक सुझाव है कि राजनीति केवल सरकार बनाने के लिए नहीं की जानी चाहिए। राजनीति का मकसद राष्ट्र निर्माण होना चाहिए। हमारी सरकार तीसरी बार आती है तो समान नागरिक संहिता (यूसीसी) और एक देश एक चुनाव लागू करेंगे। राजनाथ सिंह ने कांग्रेस के वेल्थ डिस्ट्रीब्यूशन योजना को देश के लिए घातक बताया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की योजनाओं से देश की अर्थव्यवस्था के लिए विनाशकारी परिणाम होंगे। इससे मंदी आएगी और निवेशकों का भारत पर से भरोसा उठ जाएगा। अर्जेंटीना और वेनेजुएला ने इसे लागू किया और विनाशकारी परिणाम भुगतने पड़े।

राजनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर देश को भरोसा है। उन्हें विश्वास है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) 400 सीटों को पार कर जाएगा और भाजपा को 370 से अधिक सीटें मिलेंगी। ये अनुमान जमीनी स्थिति के विस्तृत जायजा लेने के बाद लगाए गए हैं।

राजनाथ ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में हमारी सीटें बढ़ेंगी और हमें तमिलनाडु में कुछ सीटें मिलेंगी। केरल में भी हमारा खाता खुलेगा।

हम आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में अच्छी संख्या में सीटें जीत रहे हैं। हम ओडिशा, झारखंड और असम में अपनी सीटें बढ़ाएंगे। हम छत्तीसगढ़ में जीत हासिल कर रहे हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने 80 बार संविधान संशोधन पेश किए। उन्होंने इमरजेंसी के दौरान प्रस्तावना में बदलाव किया। भाजपा सरकार संविधान में कभी बदलाव नहीं करेगी और न ही आरक्षण खत्म करेगी। कांग्रेस लोगों में डर पैदा करने और वोट बैंक की राजनीति के लिए गलत खबरें फैला रही हैं।

राजनाथ ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में जमीनी स्थिति में काफी सुधार हुआ है। एक समय आएगा जब यहां अफ्सपा (सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम) की जरूरत नहीं होगी। हालांकि मामला गृह मंत्रालय के अधीन है, इसलिए निर्णय भी उन्हें ही लेना है। मेरा मानना है कि वहां जल्द ही विधानसभा चुनाव होंगे। लेकिन अभी कोई तय समय नहीं बताया जा सकता।

राजनाथ ने कहा- पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) पर भारत को हमले की जरूरत नहीं है। वहां के लोग खुद भारत में शामिल होना चाहते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि पीओके हमारा था, है और हमारा ही रहेगा।

मुझे लगता है कि भारत को कुछ नहीं करना पड़ेगा। जिस तरह से जम्मू-कश्मीर में जमीनी हालात बदले हैं। आर्थिक प्रगति हो रही है और शांति लौटी है। मुझे लगता है कि पीओके के लोगों की ओर से मांग उठेगी कि वे भारत के साथ रहना चाहते हैं।

तीसरे चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार थमा

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार का शोर रविवार की शाम पांच बजे थम गया। चुनाव आयोग तीसरे चरण की वोटिंग को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा है। चुनाव के वोटों की गिनती चार जून को की जाएगी। तीसरे चरण के चुनाव में गृह मंत्री अमित शाह, ज्योतिरादित्य सिंधिया, शिवराज सिंह चौहान, दिग्विजय सिंह, डिंपल यादव, सुप्रिया सुले समेत कई दिग्गजों का फैसला होगा।

अब तक देश में लोकसभा के पहले चरण में 19 अप्रैल को 21 राज्यों की 102 सीटों पर मतदान हुआ। फिर 26 अप्रैल को दूसरे चरण में 88 सीटों पर मतदान हुआ।

यह चुनाव विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने वाला : नड्डा

सूरजपुर, 05 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि यह चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के सपने को पूरा करने के संकल्प का चुनाव है। श्री नड्डा रविवार को यहां के हाईस्कूल मैदान में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सबले बढ़िया छत्तीसगढ़ से अपना भाषण शुरू किया। उन्होंने कहा कि मैंने आपसे वादा मांगा था और आपने मेरी बात मानी। विधानसभा चुनावों में भाजपा जीती और मजबूत सरकार बनाई। उन्होंने कहा, आप लोगों ने पहले से ही मन बना लिया है। आप लोगों ने पहले से भी निर्णय कर दिया है। यह चुनाव श्री मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के सपने को पूरा करने के संपकल्प का चुनाव है।

श्री नड्डा ने कहा, भाजपा ने जो कहा वो किया। श्री मोदी ने कहा बदलाव लाओ और उन्होंने वो किया। जनजाति के नाम पर पहले राजनीति होती थी। आपकी तस्वीर और तकदीर बदलने के लिए कोई काम नहीं होता था। इसके लिए श्री मोदी ने काम किया है। श्री मोदी ने आदिवासियों का बजट तीन गुना बढ़ा दिया है। एकलव्य स्कूल के बजट 21 गुना बढ़ा दिया गया है। इसके लिए पूरी ताकत लगा दी गई है। इज्जत घर बनाने का काम भी श्री मोदी ने किया। सरगुजा और जशपुर से नक्सलवाद खत्म हुआ है।

हर दिन घोटाला हुआ करता था। आज गरीब की चिंता और सुनवाई हो रही है। महिला को ताकत मिल रही है। युवा आगे बढ़ रहे हैं। देश 10 साल में काफी आगे बढ़ गया है।

श्री नड्डा ने कहा कि कांग्रेस कहती थी कुछ नहीं बदलेगा, सब ऐसा ही रहेगा, सब ऐसे ही चलेगा। अब विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने का समय आ गया है। 10 साल पहले वोट बैंक की राजनीति होती थी, धर्म और जाति की राजनीति होती थी। समाज को बांटने तोड़ने का काम किया जाता था लेकिन श्री मोदी ने 10 साल में राजनीति की परिभाषा बदल डाली। आज विकासवाद की राजनीति करनी है। उन्होंने सबका साथ सबका विकास का मंत्र दिया। भाजपा नेता ने कहा कि आज दवा बनाने में भारत दूसरे नंबर पर खड़ा है। आदिवासी भाई आज मोबाइल का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिसमें लिखा है मेड इन इंडिया।

राधिका खेड़ा ने कांग्रेस से दिया इस्तीफा, कहा-

कांग्रेस की नजर में रामलला के दर्शन करना महापाप

_रायपुर, 05 मई (एजेंसियां)।_ तीसरे चरण के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस की नेशनल मीडिया कोऑर्डिनेटर राधिका खेड़ा ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर लिखा कि आज अत्यंत पीड़ा के साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्याग पत्र दे रही हूं। साथ ही अपने पद से इस्तीफा दे रही हूं। हां मैं लड़की हूं और लड़ सकती हूं और वही अब मैं वहीं कर रहीं हूं। अपने और देशवासियों के न्याय के लिए मैं निरंतर लड़ती रहूंगी।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट कर तीन पेज का इस्तीफा लिखा है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को तीन पेज के लिखे

इस्तीफा पत्र में कहा कि आदिकाल से स्थापित सत्य है कि धर्म का साथ देने वालों का विरोध होता है। हिरण्यकशिपु से लेकर रावण और कंस तक इसका उदाहरण है। वर्तमान में प्रभु श्रीराम का नाम लेने वालों का कुछ लोग इसी तरह से विरोध कर रहे हैं। हर हिंदू के लिए प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली पवित्रता के साथ बहुत मायने रखती है और रामलला के दर्शन मात्र से जहां हर हिंदू अपना जीवन सफल मानता है। वहीं कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं। मैंने जिस पार्टी को अपने 22 साल से ज्यादा दिए, जहां एनएसयूआई से लेकर आईसीसी के मीडिया विभाग में पूरी ईमानदारी से काम किया।

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 25^0

सूखा राहत के मुद्दे पर कर्नाटक की कांग्रेस सरकार अभी भी गहरी नींद में : आर अशोक

सूरज की तपिश से किसान बेहाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विपक्ष के नेता आर.अशोक ने कहा कि सूखा राहत के मुद्दे पर कर्नाटक की कांग्रेस सरकार अभी भी गहरी नींद में है। मल्लेश्वरम में भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार कहती थी कि पैसा आते ही किसानों को दे दिया जाएगा। लेकिन पैसा आए कई दिन बित जाने के बाद भी नहीं दिया गया। सूरज की तपिश से किसान बेहाल हैं। राज्य सरकार अलग राजनीति कर रही है।

उन्होंने राज्य सरकार पर एक निर्दयी कसाई होने का आरोप लगाया जो किसानों की दुर्दशा पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देता। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि किसान बिना चारे के मवेशियों को कसाइयों को बेचने की स्थिति में आ रहे हैं। ये सरकार एक तरह का पाखंड कर रही है। हालाँकि, उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि किसानों की दुर्दशा पर प्रतिक्रिया देने की गंभीरता कहीं नहीं दिख रही है। सिद्धरामैया जलते घर में आग लगाने का काम कर रहे हैं। उनके नाम पर अभी तक एक पैसा भी जारी नहीं किया गया है। वह सूखाग्रस्त क्षेत्रों की घोषणा में भी देरी कर रहे थे। उन्होंने शिकायत की कि साढ़े तीन माह बाद सूखा राहत की घोषणा की गयी। अब भले ही केंद्र सरकार ने पैसा जारी कर दिया है, लेकिन किसानों को नहीं दिया गया है।

खजाना खाली है। इसलिए इस पैसे का इस्तेमाल गारंटी के लिए किया जा रहा है। दो-तीन माह से दो हजार का भुगतान नहीं हुआ है।

कांग्रेस की मजबूरी है कि वह इस पैसे का इस्तेमाल एक बार जारी कर राजनीति करने के लिए करे। वे बिना पूंजी के डींगें हांक रहे हैं। राज्य में 900 से अधिक किसानों ने कर्ज लेने और फसल न काटने के कारण आत्महत्या कर ली है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि सरकार ने मुआवजा देने की अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई है। उन्होंने सवाल किया कि गारंटी के नाम पर आप कब तक किसानों और जनता को धोखा देंगे। उन्होंने कहा कि वह सिद्धरामैया को पत्र लिखकर केंद्र के धन का उपयोग करने का आग्रह करेंगे। जिला प्रभारी मंत्री के नेतृत्व में तत्काल टास्क फोर्स का गठन किया जाए। विधायक के नेतृत्व वाली टास्क फोर्स को तुरंत चालू करने का आदेश दें।

राज्य भर में चारे की कमी है। घास भी नहीं उगा सकते। कई बोरवेल सूख गए हैं। बिना बिजली के बोरवेल से पानी न मिल पाने की दुर्दशा है। राज्य सरकार को इस गंभीरता को समझना चाहिए। उन्होंने शीघ्र गौशालाएं खोलने की मांग की। उन्होंने मांग की कि प्रदेश की जनता को हिसाब दिया जाए कि कितनी गौशालाएं खोली गई हैं।

कर्नाटक अश्लील वीडियो कांड

तीन और पीड़ित एसआईटी के पास पहुंचे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जैसे ही विशेष जांच दल ने जद (एस) के मौजूदा सांसद और हासन से उम्मीदवार प्रज्वल रेवन्ना की विदेश में तलाश तेज कर दी है, वैसे ही रविवार को अश्लील वीडियो कांड के तीन और पीड़ितों ने एसआईटी से संपर्क किया। एचडी रेवन्ना की गिरफ्तारी के बाद पीड़ितों ने एसआईटी से संपर्क किया। सूत्रों ने कहा कि अधिकारी जल्द ही अपने बयान दर्ज कर सकते हैं। इस संबंध में अभी और जानकारी सामने आना बाकी है। सूत्रों ने कहा कि एसआईटी की एक टीम प्रज्वल रेवन्ना की गतिविधियों के बारे में एकत्रित जानकारी के आधार पर पहले ही एक विदेशी स्थान पर पहुंच चुकी है और स्थानीय एजेंसियों और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के समन्वय से उसे गिरफ्तार करेगी। ट्रैक किया गया स्थान बुडापेस्ट, हंगरी है। सूत्रों ने बताया कि प्रज्वल रेवन्ना अक्सर अपना स्थान बदलता रहता था। सूत्रों ने यह भी कहा कि प्रज्वल रेवन्ना रविवार को मेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतर सकते हैं। हालांकि, एसआईटी सूत्रों ने कहा कि उनके पास यह भी जानकारी है कि प्रज्वल रेवन्ना लोकसभा चुनाव के बाद ही वापस आएंगे और भ्रामक जानकारी फैलाई जा रही है।

एसआईटी ने भी कोई जोखिम न लेते हुए देश के सभी हवाईअड्डों पर हाई अलर्ट रखा है। प्रज्वल रेवन्ना द्वारा कथित तौर पर यौन उत्पीड़न की शिकार अपहृत बुजुर्ग महिला के आधार पर एसआईटी के एक और एफआईआर दर्ज करने की भी संभावना है। एच.डी.रेवन्ना के एक फार्महाउस से बचाए जाने के बाद वह एसआईटी के साथ हैं। बचाई गई महिला से जुड़े कथित वीडियो से पता चलता है कि महिला के जोर-जोर से रोने और बार-बार ऐसा कृत्य न करने का अनुरोध करने के बावजूद, प्रज्वल रेवन्ना ने कथित तौर पर उसका यौन उत्पीड़न किया। वीडियो में दिखाया गया है कि महिला उसके पैर पकड़ने की कोशिश कर रही है और उससे कह रही है कि उसने खाना बनाया है और उसके परिवार के सदस्यों को खिलाया है और उसे उसके साथ ऐसा नहीं करना चाहिए। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो से लोगों में आक्रोश फैल गया। दूसरी एफआईआर में, दूसरी पीड़िता, जो जद (एस) से जुड़ी एक स्थानीय नेता है और शादीशुदा भी है, ने अपना भयावह अनुभव सुनाया। आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) में दर्ज कराई गई शिकायत में पीड़िता ने कहा कि उसने शिकायत करने की हिम्मत नहीं की क्योंकि प्रज्वल रेवन्ना ने उसे बलात्कार का वीडियो वायरल करने की धमकी दी थी। प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ पहली एफआईआर राज्य महिला आयोग द्वारा अग्रेषित शिकायत पर आधारित है।

शूले में बाल संस्कार शिविर आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री संस्कार महिला मंडल शूले और क्रांति बहू मंडल के संयुक्त तत्वावधान में दस दिवसीय संस्कार जैन बाल धार्मिक शिविर का आयोजन श्री महावीर जैन स्थानक भवन, अशोक नगर में किया गया। श्री कर्नाटक स्वाध्याय संघ का विशेष मार्गदर्शन मिला। इसमें अनेक बालक बालिकाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। प्रति दिन दो घंटे धार्मिक कक्षा के साथ साथ नैतिक संस्कार के लिए एक सामूहिक क्लास भी रखी गई। बच्चों के अध्यापन कार्य में तारा सांखला, शीतल गादिया, सिमरण और नेहा मरलेचा का सहयोग रहा।

बाल शिविर के समापन समारोह में कर्नाटक स्वाध्याय संघ के वरिष्ठ सुश्रावक मिठालाल मकाणा मौजूद थे। मुख्य अतिथि के रूप में देवराज चोपड़ा, इंदरचंद भंसाली, शांतिलाल चोपड़ा, महेंद्र मेहता, महावीर चोपड़ा, मनोहर लाल बंब, महेन्द्र चोपड़ा, प्रेमा चोरड़िया, ललीता, मरलेचा आदि उपस्थित थी। बहू मंडल के मंगलाचरण से शुभारंभ हुआ। शिविर के अध्यापकों ने शिविर की महत्ता पर प्रकाश डाला। मास्टर निदेश गादिया आदि शिविरार्थी ने अपने अनुभव सुनाए। कार्यक्रम का संचालन तारा सांखला और शीतल गादिया ने किया। शिविर के अंत में कर्नाटक स्वाध्याय संघ द्वारा प्रभावना दी गई।

रेवन्ना अश्लील वीडियो मामला : कांग्रेस ने पीएम मोदी शाह पर हमला बोला, 10 सवालों के जवाब मांगे

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में एनडीए उम्मीदवार और हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े कथित अश्लील वीडियो मामले पर विवाद के बीच, कांग्रेस पार्टी ने रविवार को एक ताजा हमला किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से 10 सवालों के जवाब मांगे। बेलगावी में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान, कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी और जनता दल (सेक्युलर) के नेता सामूहिक बलात्कारी को बचा रहे हैं।

सुरजेवाला ने यह भी दावा किया कि प्रधान मंत्री मोदी को मामले की जानकारी थी, लेकिन फिर भी उन्होंने जद (एस) के साथ गठबंधन किया। इस मामले में हमारा संदेश स्पष्ट और सरल है। नरेंद्र मोदी और जद (एस) नेता एक सामूहिक बलात्कारी को बचा रहे हैं, जबकि प्रधानमंत्री को पता था कि उनकी पार्टी का उम्मीदवार और एक सहयोगी हजारों महिलाओं का सिलसिलेवार दुराचारी है। सुरजेवाला ने कहा, दिसंबर 2023 में एक भाजपा नेता ने सभी सबूतों के साथ पीएम मोदी और अमित शाह से संपर्क किया। ऐसे में उन्होंने जनता दल (सेक्युलर) से हाथ क्यों मिलाया?

उन्होंने उन्हें भाजपा और जनता दल का उम्मीदवार क्यों बनाया? पीएम मोदी ने हासन का दौरा क्यों किया और हाथ उठाकर कहा कि प्रज्वल रेवन्ना की जीत से उन्हें और ताकत मिलेगी? मोदी, अमित शाह, बीजेपी और जेडीएस ने प्रज्वल रेवन्ना के बारे में यह सच्चाई क्यों छिपाई? जब प्रज्वल रेवन्ना भारत से बाहर भागने की कोशिश कर रहा था, तो क्या मोदी के विदेश मंत्रालय या पासपोर्ट नियंत्रण बोर्ड को नहीं पता था कि एक सामूहिक बलात्कारी देश से भाग रहा है? मोदी और अमित शाह ने उसे भागने की अनुमति क्यों दी? एसआईटी ने उसे वापस लाने के लिए सीबीआई और मोदी सरकार को लिखा, चाहे वह जहां भी हो, मोदी या अमित शाह ने जवाब क्यों नहीं दिया? मुख्यमंत्री ने प्रज्वल रेवन्ना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने के लिए मोदी को लिखा, यह अभी तक क्यों नहीं किया गया? इसके अलावा हमारी एसआईटी ने सीबीआई को पत्र लिखकर अनुरोध किया कि वह इंटरपोल से ब्लू-कॉर्नर नोटिस जारी करने के लिए कहे ताकि हमें पता चल सके कि वह कहां है। मोदी ने ऐसा क्यों नहीं किया? अगर कोई सामूहिक बलात्कारी देश छोड़कर भाग जाता है, तो उसे वापस लाने की जिम्मेदारी किसे लेनी चाहिए? अगर यह केंद्र सरकार है, तो मोदी और अमित शाह सिद्धरामैया और डीके शिवकुमार पर आरोप लगाने के अलावा क्या कर रहे हैं? वे सच क्यों नहीं बता रहे हैं? आखिर प्रधानमंत्री मोदी प्रज्वल रेवन्ना से सवाल पूछने से इतना क्यों डरते हैं? केंद्र सरकार इन 10 सवालों का जवाब दे। सुरजेवाला ने आगे कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीड़ितों के लिए न्याय की मांग की है और इसे सुनिश्चित करने के लिए सीएम को पत्र लिखा है। इससे पहले कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा एसआईटी प्रक्रिया के अनुसार काम कर रही है। मैं इससे ज्यादा खुलासा नहीं कर सकता क्योंकि मेरे पास भी हर चीज के बारे में जानकारी नहीं है। मामले की गंभीरता को देखते हुए हमने एक एसआईटी का गठन किया है और उन्हें न्याय देने की पूरी आजादी दी है। उन्होंने कहा (प्रज्वल रेवन्ना को) ब्लू-कॉर्नर नोटिस पहले ही जारी किया जा चुका है। वह जहां भी होगा, वे उसका पता लगाएंगे और उसके बाद, प्रक्रियात्मक तौर पर जो भी आवश्यक होगा, एसआईटी उसे यहां लाने के लिए करेगी।

वर्तमान जीवन शैली में धन और धर्म का संतुलन जरूरी: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। साध्वी श्री सिद्ध प्रभा जी का रविवार को तुमकुरु रोड स्थित भिक्षु धाम में मंगल पदार्पण हुआ। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित व्यक्तिव विकास कार्यशाला धन और धर्म पर साध्वी सिद्ध प्रभा जी ने श्रावक जीवन में धन को अर्जन करने में प्रमाणिकता रखने के प्रेरणा दी। धर्म ज्ञान दर्शन और तप की निष्पति है। संयममय जीवन जीना धन और धर्म के मर्म में संतुलन कर सकता है। साध्वी आस्था प्रभा जी ने गीतिका के माध्यम से कार्यशाला में उपस्थित लोगों को प्रेरणा प्रदान की।

साध्वी मलय यशा जी ने कहानी के माध्यम से सुखी जीवन में संतोष का महत्व बताया। साध्वी दीक्षा प्रभा जी ने जरूरत, आराम और विलासिता में फर्क बताते हुए, विलासिता को छोड़ने की प्रेरणा दी। इस कार्यशाला का शुभारंभ युवक परिषद अध्यक्ष राकेश पोखरणा के स्वागत वक्तव्य के साथ हुआ। राकेश ने कहा की युवा धन के पीछे जाते है तो धर्म छूटता है, और धर्म के पीछे जाते है तो धन। इस अवसर पर अभातेयुप परिवार से राकेश दक, विकास बांठिया, प्रबंध मंडल से प्रवीण गन्ना, रौनक चौरडिया, पवन बैद, निवर्तमान अध्यक्ष श्रेयांस गोलछा, कार्यकारिणी सदस्य आशीष सिंघी, पंकज कोचर, बेंगलूरु के स्थानीय संस्थाओं के पदाधिकारी गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मंत्री कमलेश चोपड़ा ने किया। आभार सहमंत्री संजय भटेवरा ने किया। साध्वी सिद्ध प्रभा जी विजयनगर में चातुर्मास हेतु लगभग 2 माह में 1100 किमी की पाद यात्रा कर भिक्षु धाम पहुंचे। सभा अध्यक्ष प्रकाश गांधी, महिलामंडल अध्यक्ष मंजू गादिया, कोठारी और गादिया परिवार के सदस्यों ने साध्वी सिद्ध प्रभा के भिक्षु धाम, बेंगलूरु पहुंचने पर अभिनंदन किया। स्वागत के कार्यक्रम में अरविंद कोठरी, गौतम डोसी, मानव कोठारी, कोठरी परिवार, गादिया परिवार के सदस्यों ने गीत की प्रस्तुति दी। अभिनंदन के कार्यक्रम का संचालन महिलामंडल उपाध्यक्षा सुमित्रा बरडिया ने किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *अलसूर का सुप्रसिद्ध फूल पालकी उत्सव रविवार को संपन्न हुआ। स्थानीय भाषा में पू पालकी वार्षिक उत्सव में अलसूर एवं आसपास के सौ से ज्यादा मंदिरों की प्रतिमाएं फूलों से कलाकारी के साथ आकर्षक रूप से सजे अपने अपने रथों में विराजमान हो कर वाद्य यंत्रों के साथ नगर परिक्रमा करते हैं। स्थानीय सुप्रसिद्ध सोमेश्वर स्वामी मंदिर एवं नगर देवी केम्पम्मा मंदिर के तत्वावधान में आयोजित इस पालकी उत्सव को देखने हजारों की संख्या में दर्शनार्थी आते हैं। शनिवार मध्य रात्रि से प्रारम्भ यह उत्सव रविवार दोपहर तक चल। अनेक समाज सेवी संस्था एवं समाज सेवी परिवार शीतल जल, छाछ, गुड़ पानी, आइस क्रिम, नाश्ता एवं अन्न दान सेवा से जगह जगह स्टाल लगा कर भक्तों की सेवा करते हैं। दूर दूर से आकर आकर्षक सामग्रियों के साथ विक्रेता भी स्टाल लगाते हैं। तेज गर्मी के बावजूद हजारों की संख्या में भक्तों ने अपने इष्ट देवता के दर्शन किये।*

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्रीमुनेश्वरा देवस्थाना ट्रस्ट बापूजी नगर एवं स्वामी विवेकानंद युवक संघ के संयुक्त तत्वावधान में बापूजी नगर में आयोजित अन्नामा देवी पूजा महोत्सव के प्रसंग पर पौराणिक नाटक कुरुक्षेत्र का मंचन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां की विशेष पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया।*

कांग्रेस ने किया संविधान का अपमान: सीटी रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और राज्य के पूर्व मंत्री सीटी रवि ने कांग्रेस पर संविधान का अपमान करने का आरोप लगाया है। दावणगेरे में रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा उसे देखकर मुझे एक बंदर की कहानी याद आती है जिसने बकरी खाने के बाद उसका मुंह पोंछ दिया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा किये गये सभी गलत कामों का ठीकरा भाजपा के सिर पर फोड़ने की नाकाम कोशिश की गई।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वह नेता हैं जिन्होंने देश को आर्थिक बदहाली से बाहर निकाला और देश को मुश्किलों से बचाया। उन्होंने कोविड, रूस-यूक्रेन युद्ध की कठिनाइयों से बचकर भारत को वैश्विक सम्मान दिलाया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने भारत के अंदर सांस्कृतिक पुनरुत्थान को मान्यता दी है। मोदी गारंटी ने जिंदगी बदल दी है। मोदी की गारंटी इसे मांगने की स्थिति से देने की स्थिति में ले जाने की है। उन्होंने कहा कि हमने विकास, अंत्योदय के साथ-साथ सुधार, संरक्षण, समृद्धि और सांस्कृतिक पुनरुत्थान की अवधारणा पर योजना बनाई है। जन धन 45 करोड़ गरीबों को बैंकिंग में लाने के लिए जिम्मेदार है। स्वच्छ भारत ने मानसिकता और स्थिति बदल दी है। 14 करोड़ गरीबों को खुले में शौच से मुक्ति मिली और वे शौचालय का उपयोग करने लगे। उन्होंने कहा, उज्वला गैस कनेक्शन से धुआं मुक्त रसोई का निर्माण हुआ। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन योजना के तहत हमने 17 करोड़ घरों को नल के पानी से जोड़ा है। उन्होंने बताया कि भाजपा जनता के सामने 3 मुद्दे रखकर वोट मांग रही है। हम अपनी पार्टी की नीति, पार्टी नेतृत्व और अपनी नीति बता रहे हैं। देश पहले, सबका साथ, सबका विकास हमारी नीति है। गरीबों को सशक्त बनाना हमारी नीति है। उन्होंने बताया कि हमारी नीति प्रशासन में संविधान की इच्छा को लागू करना और अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। कर्नाटक में बीजेपी-जेडीएस पार्टियों ने मिलकर चुनाव लड़ा है। प्रधानमंत्री ने कर्नाटक में 2 चरण के चुनाव के लिए 10 क्षेत्रों में कुल 9 सभाएं और रोड शो किया है। 92 साल के दिग्गज नेता पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा अपने स्वास्थ्य और उम्र के बीच भी चुनाव प्रचार में पूरी तरह जुटे रहे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस चुनाव के मद्देनजर 7 प्रचार बैठक की तो राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा ने 4 प्रचार बैठकों में हिस्सा लिया। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, जयशंकर, निर्मला सीतारमण, अश्विन वैष्णव ने अलग-अलग तरीके से बैठकों में हिस्सा लिया है।

एचडी रेवन्ना की गिरफ्तारी का मामला

मामले में किसी प्रकार से नहीं करेंगे हस्तक्षेप: सीएम सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक बड़े घटनाक्रम में, जद-एस सांसद प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े सेक्स वीडियो घोटाले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने शनिवार को बेंगलूरु में पीपुल्स रिप्रेजेंटेटिव कोर्ट द्वारा पीड़ित अपहरण मामले में अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद उनके पिता और जद-एस विधायक एच.डी.रेवन्ना को गिरफ्तार कर लिया। एच.डी. रेवन्ना को उनके पिता और पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी.देवेगौड़ा के बेंगलूरु के पद्मनाभनगर इलाके में स्थित आवास से हिरासत में लिया गया। सबसे पहले, उन्हें आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के परिसर में एसआईटी कार्यालय ले जाया गया। प्रारंभिक

पूछताछ के बाद, पूर्व जद-एस मंत्री को मेडिकल जांच के लिए बॉरिंग अस्पताल ले जाया गया। घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मीडियाकर्मियों से कहा कि वह इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कानून के मुताबिक कार्रवाई शुरू की जानी चाहिए। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा हम इस मामले से जुड़ी किसी भी चीज में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। उन्हें कानून के तहत अदालत से सुरक्षा मिलनी चाहिए। शिवकुमार ने यह भी कहा कि कार्यवाही को पूर्व सीएम एचडी कुमारस्वामी द्वारा सुझाए गए तरीके से चलने दें। कुमारस्वामी ने एक कन्नड़ कहावत का हवाला देते हुए कहा था कि जो लोग अपराध करते हैं उन्हें सजा मिलनी चाहिए। सूत्रों ने बताया कि एक महिला के अपहरण से जुड़े मामले में अदालत द्वारा उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के तुरंत बाद एसआईटी अधिकारी पूर्व प्रधानमंत्री के आवास पर पहुंचे। इससे पहले शनिवार को एसआईटी ने अपहृत महिला को एच.डी.रेवन्ना के निजी सहायक (पीए) राजशेखर के मैसूरु जिले के कालेनहल्ली गांव में स्थित फार्महाउस से ढूंढ निकाला। अदालत में विशेष लोक अभियोजक बी.एन. जगदीश ने कहा कि मामला एक गरीब महिला की जान बचाने का है। जगदीश ने तर्क दिया कि एच.डी. रेवन्ना तीन बार नोटिस दिए जाने के बाद भी अधिकारियों के सामने नहीं आए। एच.डी.रेवन्ना की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुथी डी. नाइक ने तर्क दिया कि उनके मुवक्किल के खिलाफ एकमात्र आरोप यह है कि उन्होंने पीड़िता को अपने आवास पर बुलाया था। इसके अलावा, एच.डी.रेवन्ना की भूमिका को साबित करने के लिए कुछ भी नहीं है। इस मामले में उन्होंने तर्क दिया कि यह बयान मामले के एक आरोपी द्वारा दिया गया था, जिसके साथ उनके मुवक्किल का कोई संबंध नहीं है। उन्होंने यह भी दावा किया कि एसआईटी ने जानबूझकर आईपीसी की धारा 364ए जोड़ी है, जिसमें आजीवन कारावास और मृत्युदंड का प्रावधान है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनके मुवक्किल की जमानत याचिका खारिज हो जाए।

जेडीएस के वरिष्ठ नेता ने दिया संकेत

पिता की गिरफ्तारी के बाद प्रज्वल रेवन्ना के आत्मसमर्पण करने की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के बेटे और जद(एस) विधायक एच.डी.रेवन्ना की गिरफ्तारी के बाद पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने संकेत दिया कि कर्नाटक में सेक्स वीडियो कांड के मुख्य आरोपी प्रज्वल रेवन्ना के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण करने की संभावना है। जद (एस) नेता और पूर्व मंत्री सी.एस. पुट्टाराजू के अनुसार, हासन से मौजूदा जद (एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना के भारत आने और आत्मसमर्पण करने की संभावना है। हालांकि, पुट्टाराजू ने यह खुलासा नहीं किया कि कथित तौर पर देश से भाग चुके प्रज्वल रेवन्ना कब भारत आएंगे और आत्मसमर्पण करेंगे। रेवन्ना कानून का पालन करेंगे और आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करेंगे। इस बीच, एसआईटी ने कथित तौर पर हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में प्रज्वल रेवन्ना की गतिविधि पर नजर रखी है। एसआईटी प्रज्वल रेवन्ना की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए उसके खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी करने के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के साथ समन्वय कर रही है।

सूरज की बढ़ती गर्मी के कारण आसमान छूती सब्जियों की कीमतें

लोगों की जेब पर पड़ रहा असर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सूरज की बढ़ती गर्मी और भूजल में भारी गिरावट के कारण सभी सब्जियों की कीमतें बढ़ गई हैं, जिससे उपभोक्ता नाराज हैं। सब्जियों की लगातार बढ़ती कीमत ने लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी में उथल-पुथल मचा दी है। व्यापारियों का कहना है कि बारिश शुरू होने तक कीमतों में यह कटौती देखने को नहीं मिलेगी, लेकिन यह मुश्किल हो गई है।

उपभोक्ता एक किलो के बदले आधा किलो सब्जी खरीदने की स्थिति में पहुंच चुके हैं। राजधानी बेंगलूरु में रामनगर, मगदी, तुमकुरु, बेंगलूरु ग्रामीण इलाके, होसकोटे, नंदागुड़ी, कनकपुरा सहित विभिन्न स्थानों से सब्जियों की आपूर्ति काफी कम हो गई है। भारी बारिश, भूजल स्तर में गिरावट, ट्यूबवेलों के सूखने से सब्जी की फसल की पैदावार कम हो गई है। इसलिए सप्लाई कम हो गई है। सब्जियां दावणगेरे और समर्थक राज्यों से आ रही हैं और परिवहन की लागत उपभोक्ताओं के लिए कीमत को और अधिक बोझ बना रही है। मूल्य वृद्धि का असर थोक बाजार पर भी पड़ा है। फलियों को उगने के लिए बहुत अधिक पानी की आवश्यकता होती है। वर्तमान सूखे की स्थिति में फलियाँ अधिक विकसित नहीं हो सकतीं। इस तरह कीमत 200 रुपये तक बढ़ गई है। साग-सब्जी, मूली, फूलगोभी की कीमतें बढ़ रही हैं। फिलहाल इनकी कीमत करीब 60 रुपये प्रति किलो है और आने वाले दिनों में इसके और बढ़ने की संभावना है। इस बीच, खुदरा विक्रेता थोक बाजार से सब्जियां लाकर बेचने से कतरा रहे हैं। मूल्य वृद्धि के कारण उपभोक्ता खरीदारी करने को इच्छुक नहीं हैं। क्योंकि लाई गई सब्जियां सूख जाएंगी। इसलिए व्यापारी कह रहे हैं कि कुछ दिनों तक बिक्री न करना ही बेहतर है। बारिश शुरू होने के दो माह बाद ही दाम में कमी आ सकती है। कीमतों में बढ़ोतरी ने जितना उपभोक्ताओं को परेशान किया है, उतना ही खुदरा विक्रेताओं को भी चिंतित किया है। वर्तमान में बीन्स-180, रिंग बीन्स-140, प्याज-40, चुकंदर-80, भिंडी-80, फूलगोभी-80, इमली-80, टमाटर-40, आलू-50, मिर्च-90 और शिमला मिर्च-80 रुपए प्रति किलो बेचे जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया देश के बारे में नहीं सोचते: भाजपा विधायक

केवल गारंटी के मुद्दों में डूबे हुए

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा विधायक महेश तेंगिनाकाई ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को देश की परवाह नहीं है। वे केवल गारंटी के मुद्दों में डूबे हुए हैं। जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान भी वे सिर्फ राज्य के मुद्दों पर ही बात कर रहे हैं। वह बताएं कि कांग्रेस देश के लिए क्या करने जा रही है। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस में चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने राहुल का नाम लिया तो उन्हें वोट का नुकसान होगा। कांग्रेस ने कभी भी बहुमत पाने के लिए पर्याप्त सीटों पर चुनाव नहीं लड़ा। पिछले लोकसभा चुनाव में पार्टी लोकसभा में आधिकारिक विपक्षी दल बनने के लिए आवश्यक संख्या में सीटें नहीं जीत सकी। इस चुनाव में यह संख्या और घट जायेगी। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद कांग्रेस

का पतन हो जाएगा। महेश तेंगिनाकाई ने मांग की कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने पिछले एक साल में विकास परियोजनाओं के लिए कितना अनुदान जारी किया, इस पर एक श्वेत पत्र जारी किया जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेसियों को समझ नहीं आ रहा है कि उन्हें क्या बात करनी चाहिए। प्रज्वल रेवन्ना को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि दोषियों को कानून के मुताबिक सजा मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी समेत किसी पर एक भी दाग नहीं है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं है और देश की जनता के सामने मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री चुनने की स्पष्टता है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी द्वारा किए गए विकास कार्यक्रम के बारे में घर-घर घोषणापत्र और पुस्तिकाएं पहुंचाईं। उन्होंने कहा कि पार्टी के विधायकों और नेताओं ने अपने-अपने क्षेत्र में छोटी-छोटी बैठकें आयोजित कर इसकी जानकारी दी और मतदाताओं को समझाने का काम प्रभावी ढंग से किया। उन्होंने कहा कि अब सभी लोग वोटिंग बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं तक हर कोई उत्साहित है। राष्ट्रीय स्तर के नेता भाजपा अध्यक्ष जे.पी.नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल, पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र, बैराती बसवराज, बसवराज पाटिल यतनाल आदि ने इस क्षेत्र में दौरा और प्रचार किया है। इसे लोगों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला। यह विश्वास व्यक्त करते हुए कि केंद्रीय मंत्री और धारवाड़ लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार प्रह्लाद जोशी यह चुनाव चार लाख से अधिक मतों के अंतर से जीतेंगे, उन्होंने कहा कि दिंगलेश्वर स्वामीजी के विरोध का चुनाव पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

व्यापक अभियान चलाया

जोशी को महानगर समेत ग्रामीण इलाकों में भी भारी समर्थन मिला। नेताओं और कार्यकर्ताओं ने 26 जीपी निर्वाचन क्षेत्रों में व्यापक अभियान चलाया है। सभी ने उन्हें दिए गए लक्ष्य तक पहुंचने की पूरी कोशिश की है। उन्होंने कहा कि सभी समाजों ने भाजपा के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया है। देश की सभी जनता प्रधानमंत्री मोदी का परिवार है। हमारी पार्टी का नारा है हमारा परिवार, मोदी परिवार। इसलिए उन्होंने अनुरोध किया कि 7 को सभी नागरिक अपने पूरे परिवार के साथ मतदान केंद्र पर जाएं और मतदान करें। महेश तेंगिनाकाई ने सभी से अपील की कि वे मतदान के दिन जल्द से जल्द मतदान केंद्र पर जाएं और अपने अधिकारों का प्रयोग करें।

एसआईटी ने एचडी रेवन्ना से लंबी पूछताछ की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक महिला के अपहरण के मामले में शनिवार शाम गिरफ्तार किये गये विधायक एच.डी. रेवन्ना से रविवार को एसआईटी ने सीआईडी के एसआईटी कार्यालय में गहन पूछताछ की और मामले के बारे में पूछताछ कर जानकारी जुटाई जा रही है। मैसूरु जिला के.आर. नगर थाने में दर्ज एक महिला के अपहरण के मामले की जांच कर रहे एसआईटी के अधिकारी ने रेवन्ना से आखिर महिला का अपहरण क्यों किया गया? उनका अपहरण कर कहां रखा गया? क्या महिला के साथ मारपीट की गई थी, आदि सवाल पूछे। पुलिस ने इसी मामले के दूसरे आरोपी सतीश बाबू को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में सौंप दिया है।

होलेनरसीपुर टाउन थाने में दर्ज यौन उत्पीड़न के मामले की जांच के बाद रेवन्ना से कई जानकारी मिल रही है। आप इस महिला को कितने समय से जानते हैं? जब भवानी रेवन्ना घर पर नहीं थीं तो उनके साथ स्टोररूम और किचन में यौन उत्पीड़न किया गया?

आपके बेटे सांसद प्रज्वल रेवन्ना कहां रहते थे? क्या आप नहीं जानते कि उन्होंने क्या किया? एसआईटी अधिकारियों ने रेवन्ना से पूछा कि क्या उन्हें चुनाव के दौरान पेन ड्राइव बांटे जाने की जानकारी नहीं थी। एमपी के कार ड्राइवर कार्तिक की नौकरी छोड़ने की क्या वजह थी, क्या उन पर और उनके परिवार पर हमला हुआ था? एसआईटी के अधिकारियों ने उसके बारे में भी पूछताछ की है। बताया जा रहा है कि रेवन्ना ने कुछ सवालों के जवाब तो दे दिए हैं, लेकिन कई सवालों के जवाब नहीं दिए हैं।

कानून से बड़ा कोई नहीं: पूर्व सीएम येदियुरप्पा

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यरो।

पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने रविवार को कहा कि देश के कानून से बड़ा कोई नहीं है। इसलिए कानून के मुताबिक जो होगा वो होगा। एक महिला के अपहरण और यौन शोषण मामले में एसआईटी द्वारा गिरफ्तार किए गए पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना और पेन ड्राइव मामले में आरोपी प्रज्वल रेवन्ना पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि सभी कार्रवाई कानून के मुताबिक की जाएगी। कानून से बड़ा कोई नहीं है। कुमारस्वामी ने खुद कहा है कि अगर उन्होंने कुछ गलत किया है तो उन्हें सजा मिलनी चाहिए। कानून के सामने झुकते हुए रेवन्ना ने एसआईटी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। उन्होंने कहा कि आगे कानूनी कार्यवाही होगी।

यह बेहद दुखद है कि पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा के साथ इस उम्र में दर्दनाक घटना घटी। सच्चाई जल्द से जल्द सामने आनी चाहिए। देवेगौड़ा को इस बारे में अधिक चिंता नहीं करनी चाहिए। येदियुरप्पा ने उनसे अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने का अनुरोध किया।

अशोक ने प्रज्वल रेवन्ना के चुनाव जीतने पर भी निलंबन वापस नहीं लेने का किया अनुरोध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान सभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि भले ही प्रज्वल रेवन्ना लोकसभा चुनाव जीतें, लेकिन हम पार्टी नेताओं से अपील करेंगे कि उन्हें कुछ समय के लिए जेडीएस से निलंबित करने के फैसले को रद्द न करें। यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि जेडीएस ने भी प्रज्वल रेवन्ना के मामले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें पहले ही पार्टी से निलंबित किया जा चुका है। हमारा उनसे अनुरोध है कि अगर वह हासन में जीत भी जाएं तो भी निलंबन आदेश वापस न लें। जब तक जांच पूरी न हो जाए और कोर्ट का फैसला न आ जाए, तब तक निलंबन का मामला वापस न लिया जाए। उन्होंने कुमारस्वामी से इस रुख से पीछे न हटने की अपील की। पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना की गिरफ्तारी की प्रक्रिया कानून के मुताबिक की गई है। एसआईटी ने उन्हें सुनवाई में शामिल होने के लिए नोटिस जारी किया था। आखिरकार उन्होंने एसआईटी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया क्योंकि अदालत ने उन्हें अंतरिम अग्रिम जमानत नहीं दी। सब कुछ कानून के मुताबिक किया गया। मैं पुलिस कार्रवाई का स्वागत करता हूं। इस मामले का परिणाम पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है। पीड़ितों को न्याय दिलाने के बजाय कांग्रेसी मुनाफा कमाने में लगे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मतदाता उनकी असली पूंजी को जानते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कांग्रेस क्या गारंटी देती है, वे किसी भी कारण से दोहरे अंक को पार नहीं करेंगे। बीजेपी-जेडीएस गठबंधन ज्यादा सीटें जीतेगा। उन्होंने भविष्यवाणी की कि नतीजे कांग्रेस के लिए निराशा का स्रोत होंगे।

रामलला की प्रतिमा के समक्ष पीएम मोदी ने किया दंडवत प्रणाम, उतारी आरती

* अयोध्या में मोदी के भव्य रोड शो में उमड़ी भारी भीड़
* संतो-महंतों और बटुको ने शंखध्वनि से की प्रधानमंत्री की अगवानी

अयोध्या, 05 मई (एजेंसियां)।

भगवान राम की नगरी अयोध्या में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भव्य रोड शो के दौरान लोगों की भारी भीड़ उमड़ी और यात्रा मार्ग जयश्री राम और मोदी-मोदी के नारों से गुंजायमान हो गया। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनवरी में रामलला के प्राणप्रतिष्ठा के बाद दूसरी बार राममंदिर में आकर भगवान राम के बालरूप की पूजा अर्चना की। उन्होंने रामलला की प्रतिमा के समक्ष दंडवत प्रणाम किया । इसके बाद उनका काफिला रोड शो के आरंभ स्थल सुग्रीव किला पर पहुंचा जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और इस सीट से तीसरी बार भाजपा की ओर से प्रत्याशी बनाये गये लल्लू सिंह के साथ साथ बाकी मंत्रीगणों ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

मुलाकात के बाद श्री मोदी फूलों से सजी खुली गाड़ी पर मुख्यमंत्री और अयोध्या से भाजपा उम्मीदवार के साथ सवार हुए। तीनों ने हाथ में कमल का निशान लिया और इस दौरान मौजूद लोगों ने जमकर नारेबाजी की। इसके बाद रोड शो का शुभारंभ हुआ । दो किलोमीटर लंबे रोड शो के लिए मार्ग को 40 ब्लॉकों में बांटा गया और जगह जगह सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। संतो - महंतों और बटुको ने शंखध्वनि ने प्रधानमंत्री की अगवानी की। रोड शो सुग्रीव किला से रामपथ पर हनुमानगढ़ी, तुलसी उद्यान होते हुए लता चौक पर पहुंचा ।

इस दौरान बड़ी संख्या में लोग प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए सड़क के दोनों ओर काफी समय पहले से ही आकर खड़े हो गये। प्रधानमंत्री को देखने के लिए लालायित लोगों में युवाओं के साथ साथ महिलाओं और बच्चों में भी गजब का उत्साह देखने को मिला। मोदी के काफिले के साथ साथ लोग ढोल-नगाड़े बजाते हुए यात्रा मार्ग पर चले। यात्रा मार्ग के दोनों ओर जुटे लोगों के हुजूम के हाथों मोबाइल और बैनर नजर आये। सभी इस नजारे को अपने मोबाइल में कैप्चर करने का लालायित दिखे तो मैं हूं मोदी का परिवार और मंदिर निर्माण के लिए धन्यवाद जैसे बैनर लेकर लोग प्रधानमंत्री को अपने अपने तरीके से धन्यवाद देते भी नजर आए।

प्रधानमंत्री के काफिले के आगे भगवा साफा धारण किये भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं का काफिला भी चला। इस शो में लगभग एक लाख लोग शामिल हुए और यात्रा मार्ग के दोनों ओर मौजूद इमारतों तथा घरों से लोगों ने प्रधानमंत्री के काफिले पर फूलों की बारिश भी की। लगभग पूरा यात्रा मार्ग प्रधानमंत्री के पोस्टर और कटआउट से पटा हुआ नजर आया।

रोड शो के लिए अयोध्या को बेहद सुंदर तरीके से सजाया गया साथ ही प्रशासन ने सुरक्षा की चाकचौबंद व्यवस्था की। इससे पहले प्रधानमंत्री के राममंदिर में आगमन से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर में पहुंचकर रामलला विराजमान के समक्ष माथा टेका और सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

यह चुनाव श्रीराम विरोधियों को सबक सिखाने का है: यादव

राजगढ़, 05 मई (एजेंसियां)।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि यह चुनाव श्रीराम विरोधियों को सबक सिखाने का है। डॉ यादव ने राजगढ़, राघौगढ़ और ब्यावरा विधानसभा में रोड शो के बाद जनसभाओं को संबोधित किया। मुख्यमंत्री गुना और सागर में भी चुनावी सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस 70 सालों तक श्रीराम मंदिर के निर्माण में अड़ंगे लगाती रही। ये सनातन धर्म और सनातन संस्कृति की विरोधी है। इस बार का चुनाव भाजपा और कांग्रेस का चुनाव नहीं है, बल्कि इन राम विरोधियों और सनातन धर्म के बीच का चुनाव है। इस चुनाव में इन राम विरोधियों को सबक सिखाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार का चुनाव खास है। इसमें राजगढ़ का चुनाव तो सबसे खास है, क्योंकि राजगढ़ का चुनाव एक तरफ और पूरे देश का चुनाव एक तरफ है। इस बार पूरे देश की नजर राजगढ़ के चुनाव पर टिकी हुई है। राजगढ़ में भी मुकाबला श्रीराम विरोधी व आतंकवादियों को सम्मान देने वाले मिस्टर बंटाढार और सनातन की रक्षा, विकास का है। मिस्टर बंटाढार ने 10 साल तक प्रदेश में सरकार चलाई, लेकिन मध्यप्रदेश का पूरी तरह से बट्टा बैठा दिया। उन्होंने मध्यप्रदेश को बर्बाद कर दिया, लेकिन बाद में भाजपा की सरकार ने प्रदेश को विकास की राह पर लाकर खड़ा किया।

डॉ यादव ने कहा कि जैसे रामायण काल में लक्ष्मण रेखा खीचीं हुई थी, लेकिन इसके बाद भी सीता माता का अपहरण हो गया था। राजगढ़ में भी लक्ष्मण रेखा खीचीं हुई है और यहां पर एक बाबा वेश बदलकर, सनातन धर्म का चोला ओढ़कर, पैदल चलकर, भांति-भांति के रंग बदलकर वोट मांगने आएंगे, लेकिन उनके जाल में नहीं फंसना है। उनकी बातों में नहीं आना है।

उन्होंने ने कहा कि वर्ष 2014 में जब देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आंधी थी उस समय कांग्रेस ने राहुल गांधी को लांच किया था, लेकिन राहुल गांधी उस आंधी में उड़ गए। इसके बाद उन्हें 2019 में फिर से रिलांच किया गया, लेकिन इस बार भी अमेठी से उड़ गए। अब तो राहुल गांधी वहां से मैदान छोड़कर ही भाग गए और केरल में जाकर रूके, लेकिन अब वहां से भी भागकर वापस रायबरेली आ गए हैं। योद्धा तो वह होता है जो मैदान में डटकर मुकाबला करे। हार-जीत तो होती है, लेकिन हार से पहले ही भागने वाला तो भगोड़ा ही कहलाता है।

डॉ यादव ने कहा कि भाजपा ने हमेशा से सबका साथ और सबका विकास किया है। कांग्रेस तो केवल एक ही परिवार का विकास करती रही, लेकिन भाजपा ने हर वर्ग को मौका दिया। हमारे भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाज-पेई ने गांव-गांव में प्रधानमंत्री सड़क देने का काम किया था। कांग्रेस के लोग उस समय कह रहे थे, गांव में सड़क की क्या जरूरत है। वहां बैलगाड़ी चलती है। उनको बैलगाड़ी का सिस्टम मालूम नहीं है। उन्होंने गांव देखा नहीं है।

देशभर में जीएसटी लगता है, तेलंगाना में आरआर टैक्स लगता है :अमित शाह

निजामाबाद, 05 मई (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह रविवार को तेलंगाना के निजामाबाद पहुंचे। चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने विरोधियों पर जमकर हमला बोला. शाह ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर बनना चाहिए था या नहीं? कांग्रेस राहुल बाबा की पार्टी 70 साल से राम मंदिर के मुद्दे को अटका कर रखा था। पीएम मोदी ने 5 साल में केस भी जीता, भूमिपूजन भी किया और प्राण प्रतिष्ठा कर जय श्री राम कर दिया। उन्होंने कहा कि देशभर में जीएसटी लगता है, लेकिन यहां तेलंगाना में आरआर टैक्स यानी राहुल-रेवन्ना टैक्स लगा रहे हैं लगता है।

अमित शाह ने कहा कि ये लोग मजलिस और ओवैसी से डरते हैं.राम मंदिर उद्घाटन के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस, राहुल गांधी और सोनिया जी को निमंत्रण भेजा था, लेकिन वोट बैंक से डरते हैं इसलिए वो नहीं गए। हम इन वोट बैंक से नहीं डरते हैं। हमने राम मंदिर भी बनवाया और सोने का सोमनाथ मंदिर भी बनाया।

उन्होंने कहा कि मोदी जी की सरकार आई तो उरी, पुलवामा में हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक की। पाकिस्तान में घुसकर आतंकवाद का सफाया किया। देश में नकस्लवाद खत्म हो गया है, करीब-करीब हर जगह खत्म हो गया। सिर्फ छत्तीसगढ़ में कुछ जगह बचा है। तीसरी बार मोदी जी को पीएम बनाइये तो नक्सलवाद का भी हर जगह से सफाया कर देंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि खरगे जी कश्मीर के बारे में झूठ बोलते हैं। वो तेलंगाना की जनता को जानते नहीं है। मोदी जी ने अनुच्छेद 370 हटाया। राहुल बाबा कहते थे मत हटाओ, कश्मीर में खून की नदियां बह जाएंगी। 370 हटे हुए पांच साल हो गए हैं खून की नदियां तो छोड़ो किसी की कंकड़ चलाने की हिम्मत नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कहती है कि हम आएंगे तो 370 को वापस लाएंगे। मैं कहना चाहता हूं राहुल बाबा न आपको आना है न धारा 370 हटेगी। शाह ने कहा कि जो मुस्लिम आरक्षण कांग्रेस पार्टी ने किया है, वह संवैधानिक नहीं है। मैं आज यहां से घोषणा करके जाता हूं कि तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी आते ही हम मुस्लिम आरक्षण समाप्त कर आदिवासी और दलितों का आरक्षण बढ़ाएंगे। शाह ने कहा कि कांग्रेस वालों ने एस,एसटी और ओबीसी का हक काटकर मुस्लिमों को दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, कांग्रेस ने तेलंगाना राज्य को अपना निजी एटीएम बना लिया है। वे तेलंगाना में आरआर टैक्स यानी राहुल-रेवन्ना टैक्स लगा रहे हैं, जिसके जरिए वे हर दिन मनी लॉन्ड्रिंग कर रहे हैं। बीजेपी हर चुनाव में तेलंगाना में अपना वोट शेयर लगातार बढ़ा रही है। हमने 2014 में केवल 1 सीट और 2019 में 4 सीटें जीतीं, लेकिन 2024 में तेलंगाना की 10 सीटों पर कमल खिलेगा।

कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता हताश और निराश चुनावी मैदान से भाग रहे प्रत्याशी: शर्मा

ग्वालियर, 05 मई (एजेंसियां)।

मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने आज कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि इस चुनाव में कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता हताश और निराश है, उसके प्रत्याशी चुनावी मैदान छोड़ कर भाग रहे हैं।श्री शर्मा यहां पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव के पहले और दूसरे चरण के बारे में जो फीडबैक मिला है, उसके अनुसार मतदान का प्रतिशत कुछ कम रहा है। लेकिन इसकी वजह यह है कि कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता निराशा में हैं। उन्हें लगने लगा है कि सरकार भाजपा की बनेगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। इसलिए वो इतने निराश हैं कि उन्होंने वोट डालना और डलवाना भी उचित नहीं समझा। उनके नेता और कार्यकर्ता निराश हैं तथा प्रत्याशी मैदान छोड़कर भाग रहे हैं।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अगले दो चरणों के चुनाव के लिए भाजपा और अधिक ताकत से यह प्रयास कर रही है कि समाज के सभी वर्गों के लोग अधिक से अधिक मतदान करें। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों पर ऐतिहासिक बहुमत से जीत हासिल करेगी। हम छिंदवाड़ा भी जीतेंगे और राजगढ़ में मिस्टर बंटाढार की जमानत जब्त होगी।श्री शर्मा ने कहा कि रोहित वेमुला के मामले को लेकर कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी ने किस तरह की नौटंकी की थी, पूरा देश जानता है। अब तेलंगाना पुलिस ने जांच के आधार पर यह माना है कि रोहित वेमुला अनुसूचित जाति का व्यक्ति था ही नहीं। इससे साफ हो गया है कि कांग्रेस दलितों की भावनाओं से खेलना चाहती है। उन्होंने कहा कि रोहित वेमुला मामले में कांग्रेस ने समाज में वैमनस्यता फैलाने का षड़यंत्र रचा है, इसका खुलासा तेलंगाना पुलिस की जांच में हो चुका है। इस मामले को लेकर देश और पूरे दलित समाज को भ्रमित करने, गुमराह करने का पाप किया है। कांग्रेस देश में जातियों के नाम पर बंटवारा कर राज करना चाहती है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में आने पर मुस्लिमों को आरक्षण देने का वादा किया है। कांग्रेस ऐसा करके कर्नाटक की कहानी पूरे देश में दोहराना चाहती है। वह दलितों और ओबीसी समाज का आरक्षण छीन कर उनके हितों पर डाका डालना चाहती है। श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस की इस हथकंडेबाजी से हमारे दलित और ओबीसी समाज को घबराने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की गारंटी है कि एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण कोई छीन नहीं सकता।

श्री शर्मा ने कहा कि हाल ही में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने श्रीमती इमरती देवी के प्रति जिस तरह के शब्दों का प्रयोग किया है, उन्हें कहने में भी शर्म आती है। श्री शर्मा ने कहा कि लड़की हूं, लड़ सकती हूं का नारा देने वाली कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के मुंह से जीतू पटवारी के बयान को लेकर एक शब्द नहीं निकला। लेकिन भाजपा और मातृशक्ति ने यह तय किया है कि नारी शक्ति के प्रति कांग्रेस का यह रवैया अब चलने नहीं देंगे। आने वाली 7 और 13 तारीख को कमल का बटन दबाकर कांग्रेस पर इतने जोर से रस चढ़ाना है कि रस की बात करने वाले कांग्रेसी याद रखेंगे।

देहरादून में कोकीन सप्लाई करने आई केन्या की युवती गिरफ्तार

देहरादून, 05 मई (एजेंसियां)।

उत्तराखंड के देहरादून में होटल में हो रहे एक पार्टी में नशीला पदार्थ कोकीन आपूर्ति करने आई केन्या निवासी एक युवती को पुलिस ने शनिवार देर रात गिरफ्तार कर लिया तथा उसके पास से लगभग 21 लाख रुपये की कोकीन जब्त की। पुलिस के मुताबिक केन्या की युवती से बरामद कोकीन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 21 लाख रुपए है। विदेशी युवती वर्ष 2018 में टूरिस्ट वीजा पर भारत आई थी।

देहरादून के पुलिस अधीक्षक (नगर) प्रबोध कुमार ने रविवार को बताया कि रात्रि में थाना राजपुर पुलिस द्वारा मसूरी रोड पर चेकिंग के दौरान बास्क रेस्टोरेंट के पास से एक विदेशी महिला रेजिना वावेरू नजेरी पुत्री वावेरु, आयु 35 वर्ष, मूल पता केन्या, वर्तमान निवासी 920 सैक्टर 42, फरीदाबाद (हरियाणा) और देहरादून में अस्थाई पता दो बच्ची रोड, निकट सिद्धार्थ लॉ कालेज, रायपुर को हाई प्रोफइल ड्रग कोकीन के साथ गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि अभियुक्ता के कब्जे से 31 ग्राम अवैध कोकीन तथा 16,500 रुपए की नगदी बरामद हुई। उन्होंने बताया कि युवती से बरामद कोकीन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 21 लाख रुपए है। उन्होंने बताया कि इसके विरूद्ध थाना राजपुर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21/29 के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है।

उल्लेखनीय है कि पूर्व में दून पुलिस द्वारा राजपुर, प्रेमनगर तथा दिल्ली से कोबरा गैंग के सरगना तथा विदेशी महिला तस्कर सहित अन्य नशा तस्करों को भारी मात्रा में हाई प्रोफाइल ड्रग्स के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। श्री कुमार ने अभियुक्त के हवाले से बताया कि वह दिल्ली में कोबरा गैंग के सम्पर्क में आई तथा उसके बाद से कोबरा गैंग के लिये काम करने लगी। वह डिमांड के हिसाब से कोकीन को दिल्ली से देश के अलग-अलग हिस्सों में अपने एजेंटों व पैडलरों को सप्लाई करती है।

उक्त कोकीन की सप्लाई शहर में आयोजित होने वाली बडी-बडी पार्टियों, कालेज, शिक्षण संस्थानो में अध्ययनरत छात्रों व अन्य स्थानों पर डिमाण्ड के हिसाब से की जाती है, जिसमें अभियुक्ता द्वारा अपना कमीशन अलग से लिया जाता है।

अभियुक्ता द्वारा आज भी उक्त बरामद कोकिन को बास्क रेस्ट्रोरेन्ट मसूरी रोड में विदेशी लोगो द्वारा आयोजित की गई पार्टी में सप्लाई करना था, जिसे वह दिल्ली से देहरादून लेकर आयी थी, इसी दौरान पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

यौन शोषण के आरोपी प्रज्वल को वापस लाने के लिए इंटरपोल से मदद की गुहार

बेंगलुरु, 05 मई (एजेंसियां)।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने रविवार को कहा कि यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहें हासन लोकसभा सीट से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार प्रज्वल रेवन्ना को वापस लाने के लिए ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी करने के साथ ही इंटरपोल से भी सहायता मांगी गई है। डॉ. परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से कहा कि एक विशेष जांच दल (एसआईटी) को श्री रेवन्ना(33) पर लगाये गये यौन शोषण के आरोपों की जांच का काम सौंपा गया है और वह उनको भारत वापस लाने की दिशा में आवश्यक कदम सुनिश्चत करेगा। उन्होंने कहा, ब्लू कॉर्नर नोटिस पहले ही जारी किया जा चुका है। इंटरपोल श्री रेवन्ना पता लगाने के लिए सभी देशों को सूचना भेजेगा।

उन्होंने मामले की जांच में एसआईटी के प्रयासों की सराहना की और इस बात पर जोर दिया कि टीम ने प्राप्त शिकायतों के आधार पर कानूनी प्रोटोकॉल का सावधानीपूर्वक पालन किया है। उन्होंने यौन शोषण के आरोपों से संबंधित अपहरण के एक मामले में श्री रेवन्ना के पिता एचडी रेवन्ना की हाल ही में हुई गिरफ्तारी की ओर इशारा किया।

जनता दल (सेक्युलर) (जेडीएस)विधायक रेवन्ना पर छेड़छाड़ और अपहरण का आरोप है।

आरएसएस समर्थक पुलिस अधिकारी ने की हेमंत करकरे की हत्या: कांग्रेस नेता

कोल्हापुर, 05 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने रविवार को सनसनीखेज आरोप लगाते हुए दावा किया कि महाराष्ट्र के पूर्व आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) प्रमुख और आईपीएस अधिकारी हेमंत करकरे की हत्या पाकिस्तानी आतंकवादी अजमल कसाब ने नहीं बल्कि आरएसएस समर्थक एक पुलिस अधिकारी ने गोली मारकर की थी।उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि जो गोली हेमंत करकरे को लगी, वह कसाब की बंदूक से नहीं, बल्कि आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) समर्थक की बंदूक से चली थी, हालांकि, यह सबूत तत्कालीन सरकारी वकील उज्ज्वल निकम ने अदालत में छिपा दिया था।

उन्होंने आगे कहा, भाजपा ने इस लोकसभा चुनाव में ऐसे वकील को टिकट दिया, जो गद्दार है। श्री वडेट्टीवार ने कहा कि सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी एमएस मुशरिफ ने भी अपनी किताब में इसका जिक्र किया है और अगर यह सच है तो यह देशद्रोह का मामला है।

वोट की राजनीति करना ही जेएमएम-कांग्रेस का उद्देश्य रह गया है: सुदेश महतो

रांची, 05 मई (एजेंसियां)।

झारखंड में आजसू पार्टी के अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि चुनाव और वोट की राजनीति करना ही जेएमएम-कांग्रेस का उद्देश्य रह गया है। श्री कुमार महतो ने आज हरमू स्थित केंद्रीय कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में कहा कि जेएमएम- कांग्रेस की सरकार के साढ़े चार साल होने को हैं। इस दौरान राज्य ने बहुत कुछ खोया और सहा। अब वादाखिलाफी सरकार की विदाई का वक्त आया है। इस दौरान मैट्रिक्स क्रॉप केअर प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक नवीन कुमार, निदेशक सतेंद्र कुमार नारायण समेत कई युवाओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।श्री महतो ने कहा कि सरकारी संरक्षण में खनिज संपदाओं का दोहन बदस्तूर जारी है। और इसने इतिहास बना दिया है। सरकार के पास युवाओं के नियोजन, सूखे खेतों में सिंचाई का प्रबंध करने के लिए कोई प्लान नहीं है। जिसका परिणाम है जनता, किसान, युवा सभी असहाय महसूस कर रहे हैं। राज्य में चौतरफा निराशा है। मौके पर पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाले नवीन कुमार और उनके समर्थकों का स्वागत करते हुए केंद्रीय अध्यक्ष ने कहा कि जीवन में एक सफल मुकाम हासिल करने के बाद वापस जमीन से जुड़कर काम करने की इच्छाशक्ति बहुत कम लोगों में होती है। नवीन के हमारे साथ जुड़ने से पार्टी में एक नवीन सोच का पदार्पण हुआ है।पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाले नवीन कुमार ने कहा कि जब सामाजिक जीवन में आने का निश्चय किया तो सबसे पहले आजसू का नाम जेहन में आया।

क्षेत्र-जाति नहीं राष्ट्र के निर्माण का है लोकसभा चुनाव: तोमर

मुरैना, 05 मई (एजेंसियां)।

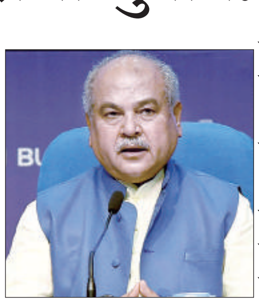

मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने आज कहा कि पंचायत, नगर पालिका और विधानसभा चुनाव क्षेत्र के विकास की दिशा तय करने वाले होते है, जबकि लोकसभा चुनाव राष्ट्र के निर्माण की दिशा को तय करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने व्यक्तित्व और कृतित्व से दुनिया में भारत का मान बढ़ाया है।

श्री तोमर, मुरैना संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी शिवमंगल सिंह तोमर के समर्थन में सुमावली विधानसभा क्षेत्र के गलेथा एवं अंबाह विस के धनेटा गांव में जन चौपाल कार्यक्रमों में उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। श्री तोमर ने कहा कि कांग्रेस एडजस्टमेंट की राजनीति करती थी। केन्द्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद श्री मोदी ने दुनिया के देशों के सामने यह साबित किया कि वे वही करेंगे जो देशहित में होगा। यही वजह है कि आज दुनिया भर के देश भारत का लोहा मान रहे है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस के शासन में आतंकवाद चरम पर था। हालात यह थे कि कश्मीर में तिरंगा नहीं फहरा सकते थे, आतंकी आकर तिरंगा को रौंदते और पाकिस्तान का झण्डा फहराकर चले जाते थे। जिसकी वजह सेना के हाथ बंधे होना था। श्री मोदी ने सेना को खुली छूट देकर एक गोली का जबाव दस गोली से देने कहा। नतीजा आज कश्मीर में तिरंगा फहरा रहा है और आतंकी घुटने टेकने पर मजबूर है। श्री तोमर ने कहा कि किसी भी विजय के पीछे संघर्ष और तपस्या होती है, चुनाव में जितना पसीना बहता है, वो विजय के नाम से परिणाम बनकर निकलता है।

सीएम योगी की अपील : आतंकवादियों की समर्थक सपा को कतई वोट न दें

सीएम योगी ने मिश्रिख लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी अशोक रावत के लिए की जनसभा

हरदोई, 05 मई (एजेंसियां)। अपने शासनकाल में समाजवादी पार्टी आतंकवादियों के मुकदमों को वापस लेने में रूचि लेती थी। इन लोगों ने अयोध्या, रामपुर में सीआरपीएफ कैंप, काशी में संकटमोचन मंदिर, लखनऊ, अयोध्या और वाराणसी की कचहरी पर हमला करने वाले आतंकियों के मुकदमों को वापस लेने का प्रयास किया था, तब माननीय हाईकोर्ट ने कहा था कि आज आतंकियों के मुकदमे वापस ले रहे हो, कल इन्हें पद्म पुरस्कार से नवाजोगे। सरकार का यह कृत्य खतरनाक व निंदनीय है। कोर्ट ने सपा को कंडम किया था। सीएम ने अपील की कि आतंकवादियों की समर्थक सपा और राम का अपमान करने वालों को वोट नहीं देना है।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। सीएम योगी ने मिश्रिख से भाजपा सांसद व प्रत्याशी अशोक रावत के लिए रविवार को मल्लावां, हरदोई में जनसभा कर वोट देने की अपील की। सीएम ने भीषण गर्मी में पहुंचे लोगों का अभिवादन किया और कहा कि विधानसभा चुनाव और 2019 में महागठबंधन के बाद भी भाजपा प्रत्याशियों को आमजन का आशीर्वाद प्राप्त हुआ था।

सीएम ने जनता से अनुरोध किया कि नए भारत के निर्माण में हम भी सहभागी बनें। दो चरणों के चुनाव ने साबित कर दिया कि अबकी बार-400 पार का लक्ष्य प्राप्त होगा और इसमें सबसे बड़ा योगदान उत्तर प्रदेश का होगा। 10 वर्ष में देश में व्यापक परिवर्तन हुआ है, इसलिए आमजन फिर से पीएम मोदी को चुनना चाहता है। हरदोई व लखनऊ के बीच 1000 एकड़ क्षेत्रफल में नए अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त पीएम श्री टेक्सटाइल्स पार्क बनने जा रहा है। इसमें हजारों युवाओं को नौकरी मिलेगी।

एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज का उपहार भी इस जनपद को प्राप्त हो चुका है।

सीएम योगी ने कहा कि नए भारत में नई विकास यात्रा चल रही है। 1947 तक जितने हाइवे बने, मोदी जी के नेतृत्व में उससे दोगुने हाइवे 10 वर्ष में बन गए हैं। दोगुने एयरपोर्ट बन गए हैं। कांग्रेस ने सिर्फ एक एम्स बनाया, छह एम्स अटल जी और 15 एम्स मोदी जी ने बनवाए। दस वर्ष में दोगुने विश्वविद्यालय बन गए। यह विकास की नई गाथा है। सीएम ने कहा कि सपा शासन में यह क्षेत्र हो या अन्य क्षेत्र, लोग भूख से मरते थे। पाकिस्तान का राग अलापने वालों को बताना चाहिए कि वहां के 23-24 करोड़ लोगों को दो जून की रोटी नहीं मिल रही है और यहां 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन मिल रहा है। सबसे अधिक शौचालय, पीएम आवास हरदोई व सीतापुर में बने हैं। बचे लोगों को भी पांच वर्ष में आवास मिलेगा।

सीएम योगी ने कहा कि एक तरफ मोदी के नेतृत्व में नया भारत है, जिसमें सुरक्षा, सम्मान, गरीब कल्याण व आस्था का सम्मान भी है। डबल इंजन सरकार में अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो चुका है। जो लोग पांच- सात साल पहले गए होंगे, अब जाने पर उन्हें नई अयोध्या के दर्शन होंगे। 500 वर्ष बाद अयोध्या में रामलला ने होली भी खेली और जन्मोत्सव भी मनाया। सूर्य तिलक से भगवान राम का अभिषेक भी हुआ। अब भारत में विकास, विरासत व जनविश्वास भी है। समृद्धि के लिए नए कार्य हो रहे हैं। गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण तेजी से चल रहा है, जिस दिन यह बन जाएगा, हरदोई का कायाकल्प हो जाएगा और इसकी गिनती विकसित जनपद में होगी। लाखों नौजवानों को नौकरी व रोजगार मिलेगा।

सीएम ने कहा कि कांग्रेस, सपा-बसपा शासन में गरीब भूखों मरता था। ठंड में ठिठुरता था, स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में दम तोड़ता था। इनकी संवेदना गरीब के प्रति नहीं होती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि जब इन्हें लगा कि जनता बैरंग करने जा रही है तो इन लोगों ने सेंध लगानी शुरू कर दी है। यह अपने घोषणा पत्र में कहते हैं कि गठबंधन सरकार आएगी तो पिछड़ी, अनुसूचित जाति-जनजाति के आरक्षण में से एक हिस्सा मुसलमानों को दे देंगे। यह कतई स्वीकार नहीं है। इन पार्टियों ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का अपमान किया है। पीएम मोदी ने तीन करोड़ ड्रोन दीदी बनाने का लक्ष्य दिया है। यह कार्य भी प्रारंभ हो गया है। हम इन्हें लखपति दीदी बनाएंगे।

जनसभा में योगी सरकार के मंत्री नितिन अग्रवाल, रजनी तिवारी, विधायक आशीष सिंह आशु, रामपाल वर्मा, अलका सिंह अर्कवंशी, माधवेंद्र प्रताप सिंह, श्याम प्रकाश, प्रभाष कुमार, राहुल बच्चा सोनकर, विधान परिषद सदस्य अशोक अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती वर्मा, भाजपा के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

महाकुंभ-2025

महाकुंभ में श्रद्धालुओं की राह आसान करेगा गंगा पथ

प्रयागराज, 5 मई (एजेंसियां)। प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ को दिव्य, भव्य और नव्य स्वरूप देने के लिए योगी सरकार कई नए कदम उठा रही है। इसी के तहत गंगा तट पर 95 करोड़ से गंगा पथ का निर्माण किया जा रहा है। इससे यहां आने वाले 41 करोड़ से अधिक पर्यटकों और श्रद्धालुओं को जाम की समस्या से निजात मिलेगी।

सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता दिनेश तिवारी ने बताया कि राजधानी लखनऊ के गोमती रिवर फ्रंट की तर्ज पर प्रयागराज में भी गंगा किनारे लगभग 12 किलोमीटर गंगा पथ का निर्माण कराया जा रहा है। यह महाकुंभ-2025 से पहले बनकर तैयार हो जाएगा। इससे कुंभ क्षेत्र में भीड़ को व्यवस्थित करने में यह काफी मददगार साबित होगा। सिंचाई विभाग की तरफ से इसका निर्माण किया जा रहा है। श्रद्धालुओं की सहूलियत के लिए गंगा नदी के दोनों किनारों पर सात खंडों में रिवर फ्रंट की तर्ज पर सड़क बनाई जा रही है। गंगा पथ आम सड़कों से बिलकुल अलग होगी। इसका निर्माण इंटर लाकिंग, बोल्डर क्रेट से किया जा रहा है, जिसमें स्लोप पिचिंग का कार्य भी होगा। इस सड़क को आदर्श सड़क के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके किनारे बेंच लगाई जाएगी। कई जगह जगह पर सेल्फी प्वाइंट का भी निर्माण होगा।

गंगा किनारे रसूलाबाद घाट से नागवासुकी मंदिर तक, सूरदास से छतनाग तक, कर्जन ब्रिज के समीप महावीर पुरी तक का निर्माण कार्य अभी चल रहा है। गंगा के दोनों किनारे पर इन सड़कों का निर्माण हो रहा है।

इंडी गठबंधन बनने के बाद से ही विवादों में हैं: योगी

इंडी गठबंधन के नेता अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए लगातार दे रहे विवादास्पद बयान

लखनऊ, 05 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को हरदोई और इटावा में जनसभा से पहले अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडी गठबंधन पर जमकर हमला किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इंडी गठबंधन बनने के बाद से ही विवादों में है। यही वजह है कि इनके नेताओं के लगातार विवादास्पद बयान सामने आ रहे हैं। यह इनके लिये नई बात नहीं है। यही इनका चरित्र है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इंडी गठबंधन स्वार्थ का गठबंधन है। जो बयान भारत के दुश्मनों को अच्छे लगे, जिससे देश में विखंडन की स्थिति पैदा हो। यह लोग अपने स्वार्थ के लिए लगातार ऐसे विवादास्पद बयान दे रहे हैं। इसके जरिए राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय अखंडता को अपूर्णीय क्षति भी पहुंचा रहे हैं। इनका एक

परिवार पर आधारित पार्टियों का करेक्टर है। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और समाजवादी पार्टी के बयान आतंकवाद को प्रश्रय, राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ और भारत के बहादुर जवानों की शहादत को अपमानित करने वाले हैं। यह केवल चुनाव में ही नहीं, बल्कि हमेशा ऐसे बयान देते हैं। इनके बयान देशद्रोही तत्वों के दुस्साहस को बढ़ाता है। यह देश में अनावश्यक माहौल खराब करने का कुत्सित प्रयास है। इंडी गठबंधन का यह कृत्य अत्यंत निंदनीय है। इनका किसी भी नेता पर कोई नियंत्रण नहीं है। यही वजह है कि यह स्वार्थ के लिए अपनी मर्जी से अनाप शनाप भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जम्मू कश्मीर विकास की एक नई धारा के साथ जुड़ करके बेहतरीन लोकतांत्रिक माहौल की ओर जा रहा है। यहां पहले जो परिवारवादी सत्ता हावी थी, आज उसके दिन लद चुके हैं। वर्तमान में जनता के प्रतिनिधि सही मायने में चुने जा रहे हैं। इसका उदाहरण पंचायत चुनाव में देखने को मिला है। इसकी वजह से इनके पैरों के नीचे की जमीन खिसक चुकी है। इससे ये लोग हतास-निराश हैं और इस तरह के बयान दे रहे हैं। इनके इन बयानों से कंगाल पाकिस्तान खुश होता है, इसलिए वह इंडी गठबंधन से जुड़े राहुल गांधी समेत अन्य नेताओं के समर्थन में बयान देता है।

योगी के हौसले से फीका हुआ मौसम का ताप

तीसरे चरण में प्रदेश सरकार के दो मंत्री मैदान में, दोनों के लिए भी योगी ने खूब किया प्रचार

लखनऊ, 05 मई (एजेंसियां)। कहीं 40 तो कहीं 45 डिग्री तापमान, कहीं इससे भी अधिक। फिर भी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व भाजपा के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ ने आसमां के ताप को सहकर आमजन के बीच पहुंचते हुए एनडीए गठबंधन के प्रत्याशियों का हौसला बढ़ा रहे हैं। 27 मार्च से शुरू हुआ योगी आदित्यनाथ का जनसंवाद निरंतर जारी है। तीसरे चरण का चुनाव सात मई को होना है। इस चरण में केंद्रीय मंत्री, योगी सरकार के दो मंत्री, भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारी समेत पांच सीटों पर नए प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इन सभी के लिए जनता के बीच पहुंचकर योगी आदित्यनाथ ने कमल खिलाने की अपील करते हुए तीसरी बार पीएम मोदी को सत्ता सौंपने का आह्वान किया। वहीं उप्र के बाहर भी मांग के अनुरूप अन्य राज्यों में वे प्रचार करने पहुंचे। तीसरे चरण की हर सीट पर योगी आदित्यनाथ ने एक बार नहीं, बल्कि कई बार संवाद स्थापित किया।

तीसरे चरण में उत्तर प्रदेश की दस सीटों पर चुनाव है। इनमें से पांच सीटों पर भारतीय जनता पार्टी ने इस बार नए प्रत्याशियों पर दांव लगाया है। 2019 में बरेली से संतोष गंगवार, बदायूं से संघमित्रा मौर्य, हाथरस से राजवीर सिंह दिलेर व फिरोजाबाद से चंद्रसेन जादौन ने जीत हासिल की थी। मैनपुरी में मुलायम सिंह यादव के निधन के उपरांत उप-चुनाव हुआ था, जिसमें सहानुभूति की लहर में फिर सपा प्रत्याशी को जीत मिली थी। इस बार भाजपा ने बरेली से छत्रपाल सिंह गंगवार, मैनपुरी से जयवीर सिंह, हाथरस से अनूप प्रधान वाल्मीकि, फिरोजाबाद से विश्वदीप सिंह, बदायूं से दुर्विजय सिंह शाक्य को मैदान में उतारा है। वहीं आगरा, एटा, फतेहपुर सीकरी और आंवला में विजयी सांसदों को फिर से मैदान में भेजा गया है, जबकि संभल से 2019 में भाजपा प्रत्याशी रहे परमेश्वर लाल सैनी को इस बार भी टिकट थमाया है। सीएम ने तीसरे चरण की इन सभी सीटों पर हर प्रत्याशियों के लिए खूब प्रचार किया।

उत्तर प्रदेश की हर सीट पर योगी आदित्यनाथ धुआंधार प्रचार कर रहे हैं। सात मई को तीसरे चरण में होने वाले मतदान में कई बड़े चेहरे भी भाजपा की तरफ से मैदान में हैं। इनमें केंद्रीय मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल आगरा, भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर फतेहपुर सीकरी से भाग्य आजमा रहे हैं। वहीं योगी सरकार के दो मंत्री भी इस चरण में जनता के बीच हैं। जयवीर सिंह मैनपुरी व अनूप प्रधान वाल्मीकि हाथरस सीट से लोकसभा चुनाव-2024 में चुनाव मैदान में हैं। इन सभी नेताओं के लिए भी योगी आदित्यनाथ ने प्रबुद्ध सम्मेलन, जनसभा से लेकर रोड शो तक निकाला।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को यहां की कानून व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन के लिए समृद्धि का पर्याय माना जाता है। बुलडोजर बाबा के रूप में विख्यात योगी आदित्यनाथ को पूरे देश में लोगों का स्नेह प्राप्त होता है। लोकसभा चुनाव-2024 के मद्देनजर योगी आदित्यनाथ अब तक महाराष्ट्र, जम्मू, उत्तराखंड, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल व छत्तीसगढ़ में भी रैली कर चुके हैं। इनमें से छत्तीसगढ़ की बिलासपुर-कोरबा, मध्य प्रदेश की गुना और महाराष्ट्र की सोलापुर, सांगली व हातकणंगले सीट पर सात मई को वोट डाले जाएंगे।

राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अपमान करने वाले सपा के गुंडों पर एफआईआर

मैनपुरी, 05 मई (एजेंसियां)। मैनपुरी में राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर अराजकता और उपद्रव करने के साथ ही प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करने वाले सपाई गुंडों पर मैनपुरी कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं, इस घटना से आक्रोशित लोगों ने रविवार सुबह महाराणा प्रताप चौक पर धरना दिया और अराजक सपाइयों के साथ ही सपा के लोकसभा प्रभारी और विधान सभा प्रभारी की गिरफ्तारी की मांग की। दरअसल, शनिवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मैनपुरी में अपनी पत्नी और सपा प्रत्याशी डिंपल यादव के समर्थन में रोड शो किया था। रोड शो के दौरान ही सपा के कार्यकर्ताओं ने महाराणा प्रताप चौक पर अभद्र नारे लगाए। रोड शो के बाद ये सपाई गुंडे स्वदेश और स्वधर्म के लिए लड़ने वाले राष्ट्र नायक महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर भी चढ़ गए और वहां उन्होंने प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ की। आरोप है कि महाराणा प्रताप की प्रतिमा के हाथ में मौजूद भाले को टेढ़ा कर दिया गया, जबकि उनके हाथ में सपा का झंडा भी पकड़ा दिया गया। यही नहीं, सपाइयों ने यहां सीएम और पीएम को गालियां भी दीं। राष्ट्र नायक महाराणा प्रताप की प्रतिमा के इस अनादर और अपमान पर मैनपुरी समेत पूरे प्रदेश के लोगों में आक्रोश है। वहीं, सीएम योगी ने भी इस घटना की निंदा की है और कहा कि सपा और कांग्रेस से राष्ट्रनायकों के सम्मान की उम्मीद नहीं की जा सकती। ये दोनों पार्टियां सिर्फ आतंकियों और माफिया का महिमामंडन ही कर सकती हैं।

शनिवार को हुई इस घटना के बाद रविवार को सैकड़ों लोगों ने महाराणा प्रताप चौक पर धरना दिया और नारेबाजी की। उन्होंने मांग की कि लोकसभा प्रभारी और विधानसभा प्रभारी समेत सपा के उन सभी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया जाए, जिन्होंने देश के नायक महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनादर किया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए 90 से 100 सपाइयों के खिलाफ धारा 147, 188, 295-ए, 504 और 171 एच में मुकदमा दर्ज कर लिया है। स्थानीय लोगों ने कहा कि एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मैनपुरी में अपने रोड शो की समाप्ति पर इसी स्थान पर महाराणा प्रताप की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर भारत के गौरव का मान बढ़ाया था, वहीं दूसरी ओर माफिया की कब्र पर जाकर फातिहा पढ़ने वाले अखिलेश और उनके गुंडे राष्ट्रनायक का अपमान कर रहे हैं। रोड शो के दौरान

अखिलेश की मौजूदगी में ही सपाई गुंडों ने प्रतिमा के पास अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था और बाद में उन्होंने प्रतिमा पर चढ़कर गुंडई की और हिंदुआ सूर्य का अपमान किया। इन गुंडों ने प्रतिमा के भाले को टेढ़ा कर दिया और सपा का झंडा फहरा दिया। यही नहीं, सपा के गुंडों पर प्रतिमा के पास पेशाब करने का भी आरोप है। स्थानीय लोगों ने साफ कहा कि माफिया और गुंडों का सम्मान करने वाली सपा के द्वारा राष्ट्र नायक महाराणा प्रताप का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मैनपुरी ही नहीं, इस घटना का आक्रोश पूरे प्रदेश और सोशल मीडिया पर भी दिख रहा है। सोशल मीडिया यूजर्स इस घटना के लिए अखिलेश यादव पर निशाना साध रहे हैं और उनसे सार्वजनिक रूप से माफी की मांग कर रहे हैं। वहीं, सीएम योगी की महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते और सैफई ब्रांड सपाई गुंडों द्वारा प्रतिमा के अपमान का वीडियो भी खूब साझा किया जा रहा है। एक यूजर ने लिखा कि सैफई ब्रांड समाजवादी पार्टी के लफंगे सपाइयों ने हिंदुआ सूर्य, राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा पर चढ़कर उनका अपमान किया। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री योगी जी ने मैनपुरी में रोड शो की समाप्ति के बाद राष्ट्रनायक की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की थी। फर्क साफ है। इसी तरह, डॉ रिचा सिंह ने लिखा, मैनपुरी में अखिलेश के रोड शो के बाद महाराणा प्रताप जी की मूर्ति से छेड़छाड़ की गई, उनकी तलवार तोड़ने का प्रयास, उनके भाले पर सपा का झंडा लहराकर योगी-मोदी को गालियां दी गईं। आ रहे हैं अखिलेश नारा नहीं, धमकी बन गया है। अरुण राणा ने लिखा, मैनपुरी में सपा समर्थकों द्वारा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा का निरादर करना अत्यंत निंदनीय है। सभी आरोपियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

माफिया, दंगाइयों और आतंकी तत्वों को प्रश्रय और राष्ट्रनायकों का अपमान ही विपक्ष की नीति

लखनऊ, 05 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस घटना पर दुख जताया है और विश्वास दिलाया है कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। सीएम योगी ने कहा कि माफिया, दंगाइयों और आतंकी तत्वों को ये लोग प्रश्रय देते हैं, प्रोत्साहित करते हैं, महिमामंडन करते हैं और दूसरी ओर राष्ट्रनायकों का अपमान करते हैं। उन्होने कहा कि यही प्रदेश है जब समाजवादी पार्टी ने 2012 में सत्ता में आने पर अयोध्या में रामजन्मभूमि, काशी में संकटमोचन मंदिर, लखनऊ की कचहरियों के साथ ही रामपुर में सीआरपीएफ कैंप पर हमला करने वाले आतंकियों के मुकदमों को वापस लेने का कुत्सित प्रयास किया था। हाल ही में एक कुख्यात माफिया की मौत होती है तो उसके घर पर संवेदना व्यक्त करने के लिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष खुद जाते हैं। अयोध्या में रामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान रामभक्तों के साथ इनका बर्ताव कैसा था, प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कल्याण सिंह की मृत्यु पर समाजवादी पार्टी का आचरण कैसा था और शनिवार को राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप की मूर्ति के साथ जिस प्रकार का अपमानजनक और अवमाननापूर्ण व्यवहार समाजवादी पार्टी के नेताओं का था वो अत्यंत निंदनीय है। मैं इस कृत्य की भर्त्सना करता हूं। यह व्यवहार केवल समाजवादी पार्टी का ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र में राहुल गांधी का भी रहा था, जब वहां एक समर्थक ने उन्हें छत्रपति शाहू जी महाराज की मूर्ति देने का प्रयास किया तो उन्होंने लेने से इंकार कर दिया। स्पष्ट है कि ये राष्ट्रनायकों का सम्मान नहीं, बल्कि आतंकियों का महिमामंडन करेंगे, पाकिस्तान का महिमांडन करेंगे, माफिया और आपराधिक पृवृत्ति के लोगों का महिमांडन करेंगे, जो बेटी और व्यापारी की सुरक्षा के लिए समस्या बने हुए हैं। देश की जनता देख रही है और जनता जनार्दन चुनाव में इनको सही जवाब देगी। सीएम योगी ने साफ कहा कि जब कोई नेता बेशर्मी का चोला ओढ़ लेता है और स्वार्थ की राजनीति करता है, उसका स्वार्थ उसके परिवार तक सीमित होता है तो इस प्रकार के दृश्य सामने आते हैं।

रोज दौड़ लगाइए अच्छी सेहत पाइए

फिट रहने के लिए दौड़ना सबसे अच्छा व्यायाम है, अन्य व्यायाम की तुलना में दौड़ने के लिए किसी खास तकनीक की भी आवश्यकता नहीं होती। इससे ना केवल वजन नियंत्रित होता है बल्कि आप पर उम्र का असर भी देर से दिखाई देता है। आज की आरामतलब जीवनशैली में लोगों के पास व्यायाम के लिए समय नहीं। दौड़ने से ना केवल मांस पेशियां मजबूत होती हैं, बल्कि शरीर भी फिट रहता है।

दौड़ने के फायदे

तनावमुक्ति का साधन: तनाव को हम आधुनिक जीवनशैली से अलग नहीं कर सकते। शायद आपने पहले भी तनावमुक्ति के कई साधन अपनाये हों। इस बार प्रतिदिन कुछ देर तक दौड़ कर देखें। दौड़ना मानसिक रूप से आपको काफी राहत पहुंचाने का काम करता है।

स्वस्थ त्वचा चाहिए: दौड़ने से शरीर में रक्त संचार ठीक प्रकार से होता है और झुर्रियां देर से पड़ती हैं। वर्क आउट से तनाव कम होता है और आपकी त्वचा में भी चमक आती है।

प्रतिरोधी क्षमता: नियमित रूप से दौड़ लगाने वालों को एलर्जी, ठंड और खांसी जैसी सामान्य बीमारियां कम होती हैं। नियमित रूप से दौड़ लगाने से हमारा इम्यून सिस्टम बेहतर होता है, जिससे हम कई संभावित बीमारियों के खतरे से बचे रहते हैं।

वजन घटाये: अगर आप वजन घटाना चाहते हैं, तो दौड़ने से अच्छा और कुछ नहीं। दौड़ना एक बहुत अच्छा व्यायाम है, क्योंकि इससे काफी कैलोरी बर्न होती है। लेकिन, चोट से बचने के लिए जरूरी है कि आप धीरे-धीरे दौड़ना शुरू करें।

हड्ड़ियां बनाये मजबूत: नियमित रूप से दौड़ लगाने से हड्डियों और मांसपेशियां मजबूत बनती हैं। इससे हड्डियों संबंधित बीमारियों जैसे ऑस्टियोपोरोसिस और अर्थराइटिस होने का खतरा काफी कम हो जाता है। इसके साथ ही दौड़ने से टांगों और कूल्हों की हड्डियों का घनत्व भी बढ़ता है।

दिल बनाये मजबूत: दौड़ने से हमारे शरीर में रक्त प्रवाह सुधरता है, इससे हमारे दिल की सेहत पर अच्छा असर पड़ता है। इसके साथ ही दौड़ने से रक्तचाप भी कम होता है जिससे ह्रदय संबंधी कई रोग होने का संभावित खतरा भी कम हो जाता है।

ऊर्जा बढ़ाये: सुबह उठते ही आपको थकान होने लगती है। ऐसा लगता है कि जैसे आपके शरीर में बिलकुल भी ऊर्जा नहीं है। तो, आपको दौड़ने को अपने रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाना चाहिए। इससे आपकी ऊर्जा का स्तर बढ़ेगा और आप दिन भर अधिक क्षमता से काम कर पाएंगे।

हाजमा सुधारे: दौड़ लगाने से हमारी पाचन क्रिया पर सकारात्मक असर पड़ता है। इससे हमारा हाजमा सही रहता है। दौड़ लगाने से आपकी कैलोरी बर्न होती है, जिससे आपको अधिक भूख लगती है। ऐसे में इस बात का ध्यान रखें कि आप इस दौरान हैल्थी स्नैक्स का सेवन करें।

दौड़ना सभी उम्र के लोगों के लिए अच्छा व्यायाम है, तो क्यों ना चिर-युवा दिखने के लिए इस आसान व्यायाम को अपनायें। अगर आपको पहले से कोई स्वास्थ्य समस्या है, तो एक बार चिकित्सक से संपर्क ज़रूर कर लें।

अस्थमा के लिए घरेलू उपचार

इसमें सांस का फूलना,सांस लेने में परेशानी या फिर संक्रमण होना है। इस रोग के लिए आप दवाइयों के अलावा घरेलु नुस्खा अपना कर इससे राहत पा सकते हैं। जिससे आप इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। **सामग्री**-1 स्पून अदरक का रस,1 स्पून शहद, 1 स्पून अनार का जूस, **इस्तेमाल का तरीका** : एक बाऊल में अदरक,शहद और अनार का जूस मिलाकर मिश्रण तैयार कर लें। इस मिक्सचर का टीस्पून दिन में 2 बार सेवन से करें।

वजन कम करेगा कैस्टर ऑयल...

ट्रेडमिल पर चलना या दौड़ लगाना बढ़ते वजन को कम करने का सबसे अच्छा जरिया है, पर यदि इसका उपयोग करने से कोई परेशानी हो रही हो तो इसका उपयोग बंद कर देना चाहिए, क्योंकि ट्रेडमिल पर चलने से कभी-कभी थकान के साथ ही कमर दर्द की समस्या भी होने लगती है। इसका उपचार कराने के बाद भी यह ठीक नहीं हो पाती, पर इस बात से घबराने की आवश्यकता नहीं है। इस समस्या को दूर करने का सबसे अच्छा उपचार है कैस्टर ऑयल यानी अरंडी का तेल। यह तेल न केवल दर्द को कम करने में मदद करता है बल्कि बढ़ते वजन को कम करने में भी अहम भूमिका निभाता है। कैस्टर ऑयल वजन घटाने के लिए एक कारगर उपाय है, तो जानें वजन को कम करने में किस प्रकार से सहायक होता है कैस्टर ऑयल।

खान-पान में सुधार

यदि कैस्टर ऑयल का इस्तेमाल केवल वजन को घटाने के लिए करना चाहते है तो आपको बता दें कि वजन को नियंत्रित करने के लिए अपनी जीवन शैली के साथ ही अपने खान-पान में भी सुधार लाना होगा। क्योंकि शरीर के अंदर की मजबूती के लिए उचित खान-पान का होना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही अरंडी का तेल इस्तेमाल करेंगी तो यह आपके फैट को कम करने में सहायक साबित होगा।

निश्चित खुराक

अरंडी के तेल का उपयोग करने के कई तरीके हैं। इसका उपयोग सेवन करके या इसे शरीर में लगाकर, दोनों ही तरीकों से कर सकते हैं, पर इसका उपयोग करते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि ज्यादा मात्रा में इस तेल का उपयोग करना शरीर के लिए नुकसान दायक भी हो सकता है। इसलिए इसकी एक निश्चित खुराक को ही लेना जरूरी है।

कैसे करें सेवन

यदि आप सुबह का नाश्ता लेने जा रहे हों तो उस दौरान आप 2-3 चम्मच अरंडी के तेल यानी कैस्टर ऑयल को भी ले सकते हैं। यह आपके शरीर को तरोताजा बनाए रखने के साथ ही भूख को भी कम करता है। यह आपकी पाचन क्रिया को बेहतर बनाकर कब्जियत की समस्या को दूर करने में भी मदद करता है। इसका उपयोग करने से एक सप्ताह के अंदर ही इसके सही परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

त्वचा में उपयोग

शरीर में जमे फैट्स को कम करने के लिए कैस्टर ऑयल सबसे अच्छा उपचार है, इसका उपयोग करने के लिए आप एक चम्मच अरंडी के तेल को गर्म करके अपने पेट की मालिश करें। पेट पर मालिश करने से उस क्षेत्र का जमा फैट कम होने लगेगा। इसके साथ ही त्वचा में पड़ने वाले खिंचाव के निशान और लटकती त्वचा को रोकने के लिए भी आप इस तेल का उपयोग कर सकते है। कैस्टर ऑयल पेट की त्वचा में कसाव लाने के साथ गर्भावस्था के दौरान पेट में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स को भी दूर करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

अतिरिक्त फायदे

कैस्टर ऑयल का उपयोग शरीर के वजन को घटाने के अलावा और भी कई समस्याओं के निदान के लिए किया जा सकता है। अरंडी के तेल का सेवन एक सप्ताह निरंतर करने से ही यह पेट की सफाई कर शरीर के अंदर के विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। इससे पेट पूरी तरह से साफ हो जाता है और यह पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है।

बीमारियों से बचाव

कैस्टर ऑयल का उपयोग करने से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है, जिससे हमें बाहरी संक्रमण से लड़ने की ताकत मिलती है। इससे हमारा शरीर कई तरह की बीमारियों से लड़ने में सक्षम हो जाता है। यह बाहरी संक्रमण से त्वचा एवं शरीर की रक्षा करता है। कैस्टर ऑयल हमें प्रकृति से मिला एक ऐसा औषधिय वरदान है जो हमें कई रोगों से छुटकारा दिलाता है, पर इसका उपयोग करने से पहले आप एक बार अपने चिकित्सक से परामर्श अवश्य करें जिससे आपको किसी भी प्रकार की एलर्जी न हो।

ऑफिस में रहते हुए भी कर सकते हैं योग

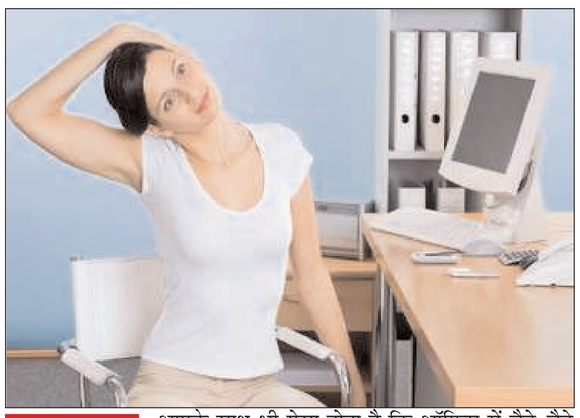

क्या आपके साथ भी ऐसा होता है कि ऑफिस में बैठे-बैठे आपकी पीठ अकड़ जाती है? क्या कुर्सी पर बैठे-बैठे आपके पैर भी सुन्न हो जाते हैं? क्या कुछ घंटे काम करने के बाद आपको भी सुस्ती लगने लगती है? अगर आप भी आठ से दस घंटे ऑफिस की कुर्सी पर बैठकर बिताते हैं तो आपके लिए ये योगासन बहुत फायदेमंद रहेंगे।

ये कुछ ऐसे आसन हैं जिन्हें आप अपनी सीट पर बैठे-बैठे कर सकते हैं। इसके लिए आपको बहुत ज्यादा जगह की जरूरत नहीं। इन आसनों को करने से कुछ ही दिनों में आपको नियमित रूप से होने वाली बहुत सी समस्याओं से आराम मिल जाएगा।

ऑफिस में कर सकते हैं ये योगासन -

» ऑफिस में 7-8 घंटे की ड्यूटी के दौरान 2 बार गर्दन, कंधों, कुहनियों, हाथों, कमर, घुटनों, पैरों, पंजों आदि की सूक्ष्म क्रियाएं कर लें। इन्हें दाएं से बाएं और बाएं से दाएं घुमाएं।

» अपनी सीट पर ही खड़े होकर ताड़ासन करें।

» जब भी थकान लगे, अपनी सीट पर ही आंखें बंद करें और लंबी-गहरी सांस लें और छोड़ें। 2-3 मिनट में भी मन शांत हो जाएगा।

धोने से पहले अपनाएं ये तरीके, कपड़े रहेंगे एक दम नए

गर्मी के मौसम में पसीने की वजह से गहरे रंग के कपड़ों को भी रोजाना धोना पड़ता है। वैसे तो सभी महिलाएं कपड़ों के लिए बढ़िया डिट्रजैंट का ही इस्तेमाल करती हैं लेकिन फिर भी कई बार हल्के रंग के कपड़े अच्छी तरह साफ नहीं हो पाते और कई बार तो बार-बार धोने की वजह से कपड़े पुराने लगने लगते हैं। ऐसे में उनकी चमक बनाए रखने के लिए डिट्रजैंट के साथ कुछ ऐसी चीजों का भी इस्तेमाल करना चाहिए जिससे कपड़ों की खूबसूरती बरकरार रहे।

1. नमक: जींस या गहरे रंग के कपड़ों को धोने के लिए उन्हें नमक के पानी में 1 घंटे तक भिगो कर रखें और इसके बाद डिट्रजैंट से साफ करें। इससे जींस जैसे भारी कपड़े आसानी से साफ होंगे और उनका रंग भी नहीं निकलेगा।

2. काली मिर्च : कई बार मशीन में कपड़े धोते समय गहरे रंग के कपड़े अपना रंग छोड़ देते हैं जिससे दूसरे कपड़े खराब हो जाते हैं। ऐसे में मशीन में डिट्रजैंट के साथ 2 चम्मच काली मिर्च भी डालें।

3. सेंधा नमक : कॉटन के कपड़ों को जब पहली बार धोया जाए तो उनमें से रंग निकलता है और फेड होने की वजह से वे जल्दी पुराने लगने लगते हैं। ऐसे में उन्हें धोने से पहले पानी में सेंधा नमक और सोडा मिलाकर कुछ देर के लिए भिगो दें और उसके बाद इन्हें साफ करें।

4. अमोनिया और बेकिंग सोडा : सफेद कपड़ों को हमेशा नया बनाए रखने के लिए पानी में थोड़ा-सा अमोनिया, बेकिंग सोडा और सफेद सिरका मिलाएं और 15 मिनट के लिए कपड़ों को भिगोकर रख दें। इसके बाद इन्हें डिट्रजैंट से साफ करें।

5. नींबू : हल्के रंग के कपड़ों पर अक्सर पसीने के दाग रह जाते हैं जो धोने के बाद भी नहीं जाते। ऐसे में उन्हें धोने से पहले दाग पर नींबू का रस लगाएं।

6. सिरका : कपड़ों को हमेशा के लिए नया बनाए रखने के लिए उन्हें हर बार धोने से पहले सिरके और नींबू वाले पानी में भिगोएं। इसके बाद डिट्रजैंट से साफ करें।

...ताकि आपका बच्चा खुशी से जाए स्कूल

गर्मियों की छुट्टियां खत्म ही होने वाली हैं। जाहिर है, बच्चों को फिर से स्कूल जाने के लिए तैयार करना होगा। अब इतने दिन मौज-मस्ती करने के बाद बच्चों का स्कूल जाने का मन शायद ही करें। ऐसे में, आपके लिए उन्हें स्कूल के लिए तैयार करने का टास्क टफ हो जाता है। लेकिन आप थोड़ी सी होशियारी दिखाकर बच्चों को बढ़िया से स्कूल अटैंड करने के लिए तैयार कर सकती हैं।

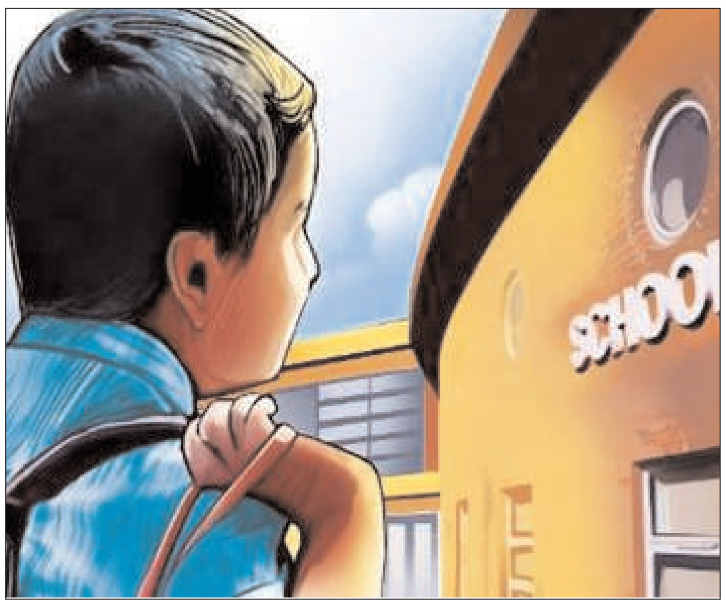

» स्कूल के लिए बच्चे के अंदर एक्साइटमेंट पैदा करने की कोशिश करें। आप उसे इनकरेज कर सकती हैं। उसे समझाएं कि स्कूल में फिर से वह क्ले मेकिंग से कुछ क्रिएटिव कर पाएगा या फिर कुछ फन गेम्स इंजॉय करेगा। सिंगिंग और डांसिंग जैसी ऐक्टिविटीज के बारे में उससे डिस्कस करें।

» आप उसे स्कूल की अच्छी कहानियां भी बता सकती हैं। छुट्टियों से पहले उसे स्कूल में क्या-क्या अच्छा लगा था। वह सब याद दिलाएं। एक प्राइवेट स्कूल से जुड़ी कॉर्डिनेटर रचना का कहना है कि उन्हें वहां की अच्छी बातों के बारे में बताएं। ईटिंग, प्ले और फन के बारे में बच्चों को बताएंगे, तो वे एक्साइटेड फील करेंगे।

» बच्चे से स्कूल में बने उसके फ्रेंड्स के बारे में बात करें। हालांकि, वह छुट्टियों में भी अपने फ्रेंड्स के कॉन्टेक्ट में रहा होगा, लेकिन कुछ ऐसे भी होंगे जिससे उनकी बात नहीं हुई होगी। उसे बताएं कि वह दोबारा उनकी कंपनी एंजॉय कर पाएगा।

» स्कूल जाने से पहले ही आप उसके साथ क्वॉलिटी टाइम बिताना शुरू कर दें। अगर उसे कहीं घूमाना हो या कुछ खास खाने का मन हो, तो उसे जरूर बनाकर खिलाएं। उसे लगेगा कि आपने अपना प्रॉमिस पूरा किया और वह आपकी बात मान पाएगा।

» उसे स्कूल एटिकेट्स के बारे में एक बार फिर से समझा सकती हैं। वहीं, उसकी स्कूल से रिलेटेड सभी चीजों को पहले से मैनेज कर लें। अगर स्कूल बैग, पेंसिल बॉक्स, वॉटर बॉटल या लंच बॉक्स जैसी चीजों की रिक्वायरमेंट हो, तो पहले ही रेडी कर लें।

इन आसान तरीकों से बचाएं पैसे

क्या आपको भी ऐसा महसूस होता है कि आपको पैसे को सही ढंग से मैनेज करना नहीं आता तो सबसे पहले सारी जानकारी जुटाएं और भविष्य के लिए बेहतर प्लैनिंग करें। तभी आप अपने कमाए हुए पैसे का सही उपयोग भी कर पाएंगी और बचत भी। इसके लिए अपनाएं कुछ टिप्स-

1. जानकारी जुटाएं

जब आप पैसा कमाना शुरू करें तभी से हर तरह की जानकारियां जुटाना शुरू कर दें कि आप अपने पैसे को कहां इन्वेस्ट कर सकती हैं। पैसे को कहीं भी निवेश करने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी हासिल करना बहुत जरूरी है।

2. बेस्ट ऑप्शन का पता लगाएं

जब एक बार आपने यह तय कर लिया कि आपको अपना पैसा कहां निवेश करना है तो अब व्यवस्थित और क्रम अनुसार निवेश शुरू करें। किसी एक स्कीम में पूरा पैसा निवेश करने से बेहतर है कि आप अपनी सेविंग्स को अलग-अलग जगहों पर लगाएं।

3. लाइफ की सही प्लैनिंग करें

सबसे पहले जीवन में अपने लक्ष्य और प्राथमिकताओं को तय करें। अगर आप रिटायरमेंट के बाद के जीवन के लिए बचत करना चाहते हैं तो अभी से अपने खर्चों पर संयम रखें और भोग विलासिता की चीजों पर नियंत्रण रखें।

रेसिपी

गाठिया

सामग्री

200 ग्राम बेसन
1 टीस्पून नमक
1 टीस्पून काली मिर्च
1 टीस्पून अजवाइन
1/4 टीस्पून बेकिंग सोडा
120 मि.ली तेल
पानी
तेल तलने के लिए

विधि

एक बाउल में 200 ग्राम बेसन, 1 स्पून नमक, 1 स्पून काली मिर्च, 1 स्पून अजवाइन और 1/4 स्पून बेकिंग सोडा डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब इसमें 120 मि.ली तेल डालें और अच्छे से मिला लें। अब इसमें पानी डालें और आटा तैयार कर लें। कुछ देर के लिए इसे ऐसे ही रहने दें। अब सेव मेकर लें और एक बड़ी होल्स डिस्क को इसमें फीट कर दें। सेव मेकर में थोड़ा सा तेल डालें। अब थोड़ा सा तैयार किया हुआ आटा लें और सेव मेकर में डालें। एक कड़ाही में तेल गर्म कर लें। अब गर्म तेल के ऊपर धीरे-धीरे सेव मेकर को दबाएं।इसे गोल्डन ब्राउन होने तक डीप फ्राई करें। फ्राई करने के बाद इसे एक पेपर में रखें और ठंडा होने दें। बाद में टुकड़ों में काट लें और डिब्बे में डाल लें।

गोभी सोया कोरमा

सामग्री

80 ग्राम सोया, गर्म पानी, 1 स्पून तेल, 150 ग्राम फूलगोभी , 1 स्पून तेल, 4 लौंग, 2 इलायची, 1/2 इंच दालचीनी का टुकड़ा, 1 तेज पत्ता, 70 ग्राम प्याज, 1 स्पून लहसुन, 170 ग्राम टमाटर, 1 स्पून हरी मिर्च, 1 स्पून अदरक, - 1 स्पून धनिया पाऊडर, 1/2 स्पून जीरा पाऊडर, 1/2 स्पून हल्दी, 1 स्पून लाल मिर्च, 1/2 स्पून नमक, 125 मि.ली पानी, 1/4 टीस्पून गरम मसाला

विधि

गर्म पानी में सोया को भिगोकर 10-15 मिनट के लिए रख दें।एक पैन में 1 टेबलस्पूव तेल डालक गर्म करें। अब इसमें फूलगोभी डालकर 5-10 मिनट के लिए पकाएं। बाद में इस एक साइड रख दें। अब एक कड़ाही में 1 टेबलस्पून तेल डालकर लौंग, इलायची, दालचीनी का टुकड़ा, तेज पत्ता और प्याज डालकर फ्राई करें। प्याज ब्राउन होने पर इसमें लहसुन और टमाटर डाल कर मिक्स करें।अब इसमें हरीमिर्च, अदरक, धनिया पाऊडर, जीरा पाऊडर, हल्दी, लालमिर्च और नमक डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इसमें 125 मि.ली पानी डालें और उबलने दें। अब इसमें सोया डाल कर अच्छे से मिक्स करें और 10-15 मिनट के लिए पकाएं। तैयार मिश्रण में फूलगोभी और गरम मसाला डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। इसे 5-6 मिनट पकाएं। गोभी सोया कोरमा तैयार है। इसे सर्व करें।

संपादकीय

'वोट जेहाद' के मायने

दुनिया के सबसे प्राचीन लोकतंत्र अमरीका और सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में आजकल जेहाद की गूंज है। संदर्भ और कारण अलग-अलग हैं। अमरीका के संदर्भ में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि अमरीका में जेहाद नहीं चाहिए। अमरीका में यूनिवर्सिटीज का इस्लामीकरण नहीं होना चाहिए। कुछ यूनिवर्सिटी ऐसी हैं, जिनके परिसरों में युवा शक्ति गाजा के फलस्तीनियों के पक्ष में आंदोलित हैं। वे हमास जैसे आतंकी संगठन के समर्थक या प्रतिनिधि हो सकते हैं। आश्चर्य है कि गाजा के मुसलमानों के हालात और इजरायल के हमलों पर अधिकतर इस्लामी देश अब खामोश हैं, लेकिन अमरीका की यूनिवर्सिटीज में आंदोलन जारी हैं। माइक पर नमाज पढ़ी जा रही है। परिसरों में नौजवानों ने तंबू तक गाड़ कर अवरोधक खड़े कर लिए हैं। यह अमरीका के लोकतंत्र की संस्कृति नहीं है। इन आंदोलनों को खत्म किया जाना चाहिए। हमने देखा है कि जब यूरोप ने जेहाद के लिए अपने दरवाजे खोले, तो क्या हुआ? पेरिस को देख लो। लंदन में देख लो। वे अब पहचानने लायक नहीं हैं। हम अमरीका के साथ ऐसा नहीं होने देंगे। हमारे पास अविश्वसनीय संस्कृति और परंपरा है। बहरहाल भारत में आम चुनाव का मौसम है। लोकसभा के लिए मतदान के चरण जारी हैं, लेकिन मारिया आलम खां ने 'वोट जेहाद' के जरिए मुसलमानों का आह्वान किया है। वह पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद की भतीजी हैं। सम्पन्न और शिक्षित परिवार से हैं। फिर भी इतनी सांप्रदायिक और देश-विरोधी सोच की हैं, उनका आह्वान सुनकर हैरानी हुई। जेहाद सिर्फ नारेबाजी तक सीमित नहीं था, बल्कि मारिया ने मौजूदा सत्ता के प्रति जिन शब्दों का इस्तेमाल किया है, वे बेहद नफरती और आपत्तिजनक भी हैं। सवाल है कि क्या भारत में हिंदू, मुसलमान, ईसाई, पारसी आदि के अलगाववादी आह्वानों पर ही चुनाव कराए जा सकते हैं? चुनाव आपसी समभाव, सौहार्द और भाईचारे के भाव के साथ नहीं हो सकते? भारत तो संवैधानिक तौर पर 'पंथनिरपेक्ष' देश है। दरअसल इस तरह जेहाद की बात करना आपराधिक मानसिकता है। मारिया जैसे लोग चाहते हैं कि एक-एक मुसलमान घर से निकले और अपने तय मुस्लिम उम्मीदवार के पक्ष में ही वोट सुनिश्चित करे। मुसलमानों को देश के संसाधनों पर भी पहला हक चाहिए। सरकारी नौकरियों, शिक्षा, स्वास्थ्य, सरकारी ठेकों, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भी आरक्षण चाहिए। कांग्रेस 2009 से अपने चुनाव घोषणा पत्रों में ऐसे आरक्षण या समान अवसर मुहैया कराने का आश्वासन देती आ रही है। उससे पहले भी ऐसी ही सोच रही होगी, लेकिन हमने खंगाल कर नहीं देखा। यह दीगर है कि मई, 2014 से कांग्रेस केंद्रीय सत्ता के बाहर है, लेकिन वह मुस्लिम अल्पसंख्यकों के पर्सनल लॉ, पोशाक, खान-पान और वक्फ के वर्चस्व को भी पूरी स्वतंत्रता दिए जाने की सुनिश्चित घोषणा कर चुकी है। क्या अब देश में 'शरिया कानून' भी लागू रहेगा? वोट के नाम पर जेहाद किस तरह होगा, किसी ने भी स्पष्ट नहीं किया। न सलमान खुर्शीद ने और न ही कांग्रेस ने 'वोट जेहाद' का खंडन किया है। जेहाद किस लोकतंत्र का हिस्सा या पर्याय है? हमने तो भारत में आतंकवाद के नाम पर भी जेहाद सुना है। देश के विभिन्न हिस्सों में जो आतंकी हमले किए गए हैं या जेहाद के नाम पर जो कत्लेआम, लहूलुहान जारी है, वह 'धर्मयुद्ध' किस तरह कहा या माना जा सकता है? मारिया के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करना ही पर्याप्त नहीं है। उनके खिलाफ देश-विरोधी गतिविधियों वाले कानून में मुकदमा चलाया जाना चाहिए। कभी 'लव जेहाद' सुनते हैं, तो कभी 'लैंड जेहाद' के नारे बुलंद किए जाते हैं। 'मुस्लिम आरक्षण' पर भी अदालतों के खिलाफ जेहाद बोला जा सकता है, क्योंकि सबसे ताजा स्थापना अदालत की ही है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता।

> अमरीका में यूनिवर्सिटीज का इस्लामीकरण नहीं होना चाहिए। कुछ यूनिवर्सिटी ऐसी हैं, जिनके परिसरों में युवा शक्ति गाजा के फलस्तीनियों के पक्ष में आंदोलित हैं। वे हमास जैसे आतंकी संगठन के समर्थक या प्रतिनिधि हो सकते हैं। आश्चर्य है कि गाजा के मुसलमानों के हालात और इजरायल के हमलों पर अधिकतर इस्लामी देश अब खामोश हैं, लेकिन अमरीका की यूनिवर्सिटीज में आंदोलन जारी हैं। माइक पर नमाज पढ़ी जा रही है। परिसरों में नौजवानों ने तंबू तक गाड़ कर अवरोधक खड़े कर लिए हैं। यह अमरीका के लोकतंत्र की संस्कृति नहीं है। इन आंदोलनों को खत्म किया जाना चाहिए। हमने देखा है कि जब यूरोप ने जेहाद के लिए अपने दरवाजे खोले, तो क्या हुआ? पेरिस को देख लो। लंदन में देख लो। वे अब पहचानने लायक नहीं हैं। हम अमरीका के साथ ऐसा नहीं होने देंगे। हमारे पास अविश्वसनीय संस्कृति और परंपरा है। बहरहाल भारत में आम चुनाव का मौसम है। लोकसभा के लिए मतदान के चरण जारी हैं, लेकिन मारिया आलम खां ने 'वोट जेहाद' के जरिए मुसलमानों का आह्वान किया है। वह पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद की भतीजी हैं।

देश में ऐसी 121 भाषाएं हैं जिन्हें क्षेत्रीय लोग स्थानीय स्तर पर लिखने व बोलने में प्रयोग करते हैं

भाषाओं को बचाने की भारतीय पहल

प्रमोद भार्गव

> पिछले 75 सालों में हमारी भाषाओं और बोलियों के साथ यही होता रहा है, परंतु अब नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी) को लागू करने की दिशा में उल्लेखनीय पहल करते हुए केंद्र सरकार नए सत्र से पांच नए उपाय करने जा रही है। इनमें बच्चों को मातृ, घरेलू और क्षेत्रीय भाषा में पाठ्य पुस्तकें पढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। इस लक्ष्यपूर्ति के लिए 52 प्रवेशिकाएं अर्थात पाठ्य-पुस्तकें तैयार की गई हैं। इनसे छात्र-छात्राओं से लेकर वयस्क तक वर्णमाला और दो अंकों तक गणित सीख सकेंगे। पहले चरण में 17 राज्यों की राजभाषा व स्थानीय भाषा में 52 पुस्तकें मैसूर के भारतीय भाषा संस्थान और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने तैयार की हैं।

कोई भी भाषा जब मातृभाषा नहीं रह जाती तो उसके प्रयोग की अनिवार्यता में कमी और उससे मिलने वाले रोजगार मूलक कार्यों में भी कमी आने लगती है। पिछले 75 सालों में हमारी भाषाओं और बोलियों के साथ यही होता रहा है, परंतु अब नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी) को लागू करने की दिशा में उल्लेखनीय पहल करते हुए केंद्र सरकार नए सत्र से पांच नए उपाय करने जा रही है। इनमें बच्चों को मातृ, घरेलू और क्षेत्रीय भाषा में पाठ्य पुस्तकें पढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। इस लक्ष्यपूर्ति के लिए 52 प्रवेशिकाएं अर्थात पाठ्य-पुस्तकें तैयार की गई हैं। इनसे छात्र-छात्राओं से लेकर वयस्क तक वर्णमाला और दो अंकों तक गणित सीख सकेंगे। पहले चरण में 17 राज्यों की राजभाषा व स्थानीय भाषा में 52 पुस्तकें मैसूर के भारतीय भाषा संस्थान और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने तैयार की हैं। देश में ऐसी 121 भाषाएं हैं जिन्हें क्षेत्रीय लोग स्थानीय स्तर पर लिखने व बोलने में प्रयोग करते हैं। जल्दी ही देश के बाकी राज्यों की आंचलिक भाषाओं में प्रवेशिका उपलब्ध करा दी जाएंगी। इन पाठ्य पुस्तकों का उपलब्ध होना न केवल विद्यार्थियों के लिए, बल्कि विलोपित हो रही मातृभाषाओं का अस्तित्व बचाए रखने की परिवर्तनकारी पहल है। यह पहल निर्बाध और भविष्यवादी शिक्षण परिदृश्य तैयार कर भारतीय भाषाओं में सीखने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देगी। इससे नई शिक्षा नीति का दृष्टिकोण साकार होगा और शालेय शिक्षा में महत्वपूर्ण बदलाव आएंगे। सरकार ने राष्ट्रीय विद्या समीक्षा केंद्र का राज्य इकाइयों व 200 डीटीएच चैनलों के साथ एकीकरण का निर्णय भी लिया है। इस हेतु सरकार ने 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए 22 क्षेत्रीय व प्रादेशिक भाषाओं में चैनल तैयार कर लिए हैं। ये बिना इंटरनेट चलेंगे। भविष्य में ये चैनल ओटीटी और यू-ट्यूब पर भी उपलब्ध होंगे। भारत में ऐसे हालात सामने भी आने लगे हैं कि किसी एक इनसान की मौत के साथ उसकी भाषा का भी अंतिम संस्कार हो जाए। 26 जनवरी 2010 को अंडमान द्वीप समूह की 85 वर्षीय बोआ के निधन के साथ ग्रेट-अंडमानी भाषा 'बो' भी

हमेशा के लिए विलुप्त हो गई। इस भाषा को जानने, बोलने और लिखने वाली वे अंतिम इनसान थीं। इसके पूर्व नवंबर 2009 में एक और महिला बोरो की मौत के साथ खोरा भाषा का अस्तित्व समाप्त हो गया था। नेशनल ज्योग्राफिक सोसायटी एंड लिविंग टंग्स इंस्टीट्यूट फॉर एंडेंजर्ड लैंग्वेजेज के अनुसार हरेक पखवाड़े एक भाषा की मौत हो रही है। सन् 2100 तक भूमण्डल में बोली जाने वाली सात हजार से भी अधिक भाषाओं का लोप हो सकता है। इस दायरे में आने वाली खासतौर से आदिवासी व जनजातीय भाषाएं हैं जो लगातार उपेक्षा का शिकार होने के कारण विलुप्त हो रही हैं। ये भाषाएं बहुत उन्नत हैं और पारंपरिक ज्ञान का भंडार हैं। भारत सरकार ने उन भाषाओं के आंकड़ों का संग्रह किया है जिन्हें 10 हजार से अधिक लोग बोलते हैं। 2001 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार ऐसी 121 भाषाएं और 234 मातृभाषाएं हैं। भाषा-गणना की ऐसी बाध्यकारी शर्त के चलते जिन भाषा व बोलियों को बोलने वाले लोगों की संख्या 10 हजार से कम है, उन्हें गिनती में शामिल ही नहीं किया गया। पूरी दुनिया में सात्ताईस सौ भाषाएं संकटग्रस्त हैं। इन भाषाओं में असम की 17 भाषाएं शामिल हैं। यूनेस्को द्वारा जारी एक जानकारी के मुताबिक असम की देवरी, मिसिंग, कछारी, बेइटे, तिवा और कोच राजवंशी सबसे संकटग्रस्त भाषाएं हैं। इन भाषा-बोलियों का प्रचलन लगातार कम हो रहा है। नई पीढ़ी के सरोकार असमिया, हिन्दी और अंग्रेजी तक सिमट गए हैं। इसके बावजूद 28 हजार लोग देवरीभाषी, मिसिंगभाषी साढ़े पांच लाख और बेइटेभाषी करीब 19 हजार लोग अभी बाकी हैं। इनके अलावा असम की बोडो, कार्बो, डिमासा, विष्णुप्रिया, मणिपुरी और काकबरक भाषाओं के जानकार भी लगातार सिमटते जा रहे हैं। वे ही भाषाएं बोलियों और लिपियों के रूप में जीवित रह सकती हैं जो उपयोग में बनी रहें। पूरी दुनिया में 15 हजार से अधिक भाषाएं दर्ज हैं, लेकिन आज उनमें से आधी से ज्यादा मर गई हैं। इसका कारण इन्हें उपयोग से वंचित कर देना है। कई लोग भाषाओं की विलुप्ति का कारण आक्रांताओं के हमलों को मानते हैं। भारत में भी इस स्थिति को भाषाओं की विलुप्ति का कारण माना गया, लेकिन यह तथ्य थोथा है। फ्रांस में भी यह भ्रम फैला हुआ है। फ्रेंच भाषियों को यह आशंका सता रही है कि वहां कीयुवा पीढ़ी अंग्रेजी के प्रति आकर्षित है, इसलिए वहां अंग्रेजी से मुक्ति के उपाय सुझाए जा रहे हैं। नाइजीरिया और केमरून की बिक्या भाषाएं प्रयोग में नहीं रहने के कारण लुप्त हुईं। इस भाषा को प्रचलन में बनाए रखने वाले एक-एक कर जब मरते चले गए तो उनके साथ भाषा भी काल में समाती चली गई। वर्तमान में विश्व की 90 प्रतिशत भाषाओं और बोलियों पर विलुप्ति का खतरा मंडरा रहा है। वैसे भाषाओं का मरना हर युग और हर देश में एक सिलसिला बना रहा है। भारत की सबसे प्राचीन ब्राह्मी लिपि को आज बांचने वाला कोई नहीं है। विकास के साथ जो भाषा जुड़ी होती है, उसकी जीवंतता बनी रहती है। आज अंग्रेजी जहां भाषाओं की विलुप्तता की दृष्टि से खलनायिका साबित हो रही है, वहीं इसके महत्व को एकाएक इसलिए नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि यह आधुनिक तकनीक के व्यावहारिक और व्यावसायिक उपयोग का विश्वव्यापी आधार बन गई है। दुनिया की युवा पीढ़ी विश्व समाज से जुडने के लिए अंग्रेजी की ओर आकर्षित है, लेकिन यदि अंग्रेजी इसी तरह पैर पसारती रही तो दुनिया में भाषाई एकरूपता छा जाएगी, जिसकी वटवृक्षी छाया में अनेक भाषाएं मर जाएंगी। भारत की तमाम स्थानीय भाषाएं व बोलियां अंग्रेजी के बढ़ते प्रभाव के कारण संकटग्रस्त हैं।

दृष्टि कोण

चुनावी समय में सोशल मीडिया बना चाणक्य

आज के समय में वही उम्मीदवार जनता का पसंदीदा बन जाता है जो सोशल मीडिया के माध्यम से जनता तक पहुंच बनाता है क्योंकि जो दिखाता है वही बिकता है, इसी बाजार की रणनीति को आज सभी राजनीतिक पार्टियां अपना रही हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि विज्ञापन को जांचने व परखने के लिए कई जांच एजेंसियां व प्रतियोगी कंपनियां अन्य कंपनियों के खिलाफ भ्रामकता के आधार पर कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकती हैं। इसका हालिया उदाहरण देखने को मिला कि सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि को भ्रामक विज्ञापन देने के लिए फटकार लगाई और इसके साथ-साथ इस कंपनी के खिलाफ याचिकाकर्ता इंडियन मेडिकल एसोसिएशन को भी आड़े हाथों लिया। कोर्ट ने एलोपैथी डॉक्टरों द्वारा मरीजों को कथित तौर पर महंगी और गैर जरूरी दवाएं लिखने पर नाराजगी जताई है। इस मुद्दे से कोर्ट का जनता के शरीर पर पडने वाले नकारात्मक असर का चिंतन तो उजागर होता है, लेकिन हर दिन सोशल मीडिया पर दिखाए जाने वाले कटेंट का लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर पडने वाले नकारात्मक प्रभाव की जिम्मेवारी कौन लेगा? इन दिनों चुनावी समय में तो हर राजनीतिक पार्टी स्वयं भी और इंफलुएंसर के माध्यम से देश के हर तबके तक पहुंचने के लिए प्रभावी सामग्री का प्रयोग अनिवार्य रूप से कर रही है। यह सामग्री कितनी सही है और कितनी गलत, इसके लिए न तो कोई सरकारी मशीनरी है और न ही कोई एजेंसी। हालांकि चुनाव आयोग सोशल मीडिया के माध्यम से चुनाव प्रसार संबंधित सामग्री को जांचने के लिए हर जिले व राज्य स्तर पर बनाए गए कंट्रोल रूम के माध्यम से मॉनिटरिंग कर रहा है, लेकिन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में सामग्री साधारण न होकर अब आर्टिफिशियल इंटेलिजैंस से भी बनाई जा रही है जिससे निपटना बेहद चुनौतीपूर्ण है। इसके अलावा चुनाव आयोग तो आचार संहिता लागू होने के बाद से ही एक्टिव हुआ है, लेकिन राजनीतिक पार्टियां पिछले एक साल से अपने प्रचार-प्रसार में जुट गई हैं। यह बात इससे सिद्ध होती है कि यह वर्ष शुरू होते ही चुनावों को देखते हुए देश की राजनीतिक पार्टियों ने पहले 2 से 3 महीनों में मेटा एवं गूगल विज्ञापन में 102.7 करोड़ खर्च कर दिए। वहीं भाजपा पिछले एक साल से सरल नाम की ऐप के जरिए जनता से संपर्क बनाने में लगी हुई है, जिसे लगभग 2.9 मिलियन लोग गूगल प्ले स्टोर के जरिए डाउनलोड कर चुके हैं। वहीं विपक्षी गठबंधन भी सामाजिक न्याय, किसान, युवा व बेरोजगारी जैसे मुद्दों को सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म से उठाकर बड़ा अभियान चला रहा है। लेकिन फिर सवाल सिर्फ इतना है कि इन पार्टियों द्वारा दी जा रही सूचना कितनी विश्वसनीय है? सोशल मीडिया के प्रति दीवानगी इतनी है कि डिजिटल सलाहकार फर्म केपियोस के मुताबिक दुनिया भर में 520 करोड़ लोग सोशल मीडिया की अलग-अलग साइट्स का प्रयोग करते हैं जिनकी संख्या सालाना 3 से 4 प्रतिशत बढ़ रही है। वहीं हमारे देश में आईआईएस रोहतक के एक अध्ययन के मुताबिक लगभग 62 प्रतिशत युवा जानकारी के लिए सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म उपयोग करते हैं जिनमें से एक पुरुष औसतन स्क्रीन पर 6 घंटे 45 मिनट और महिला 7 घंटे 5 मिनट व्यतीत करती है। यानी कि सोशल मीडिया ही सूचना का मुख्य स्त्रोत बन चुका है। इस संदर्भ में सूचना का प्रवाह और उसकी संरचना मानवीय व्यवहार पर प्रभाव डाल रही है। चुनावी समय में पार्टियां अन्य समय से दुगनी रफ्तार के साथ अपने ऑनलाइन सामग्री के माध्यम से जनता को जोडने की कोशिश करती हैं। जिस पार्टी की गति जितनी नवनीतम और तेज होती है वो उसी गति से नए वोटर व समर्थन हासिल करने में कामयाब हो जाती है। खास बात यह है कि इन सोशल मीडिया साइट्स के मालिक इस समय में नियंत्रण करने के बजाय मूकदर्शक बन जाते हैं क्योंकि यह समय पैसा बनाने का है। इस बिंदु पर न तो कोई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय कानून उन्हें नियंत्रण कर सकने में सक्षम है। इस मौके का फायदा उठाकर पार्टियां अनियंत्रित तरीके से नियोजित वर्ग में किसी भी तरीके से अपनी पहुंच बढ़ाती हैं और उनके आईटी सैल जनता की भावनाओं को अपने पक्ष में करने की पूरी कोशिश करते हैं। सोशल मीडिया की एल्गोरिदम के कारण आपका हल्का सा भी झुकाव फेक न्यूज के जंजाल में फंसा देता है और जनता इको चैम्बर से बाहर ही नहीं निकल पाती। वो अभेद्य चक्रव्यूह बन जाता है जिसमें जनता बिना कुछ सोचे-समझे बस फंसती ही चली जाती है और रही-सही कसर डीपफेक वीडियो ने पूरी कर दी है जहां प्रसिद्ध व्यक्तियों को ढाल बनाकर कुछ गलत तत्व अपने उद्देश्यों को पूरा करने में लगे हुए हैं। इसका ताजा उदाहरण रणवीर सिंह एवं आमिर खान के साथ हुई घटना से पता लगता है। इन दुविधाओं का समाधान जनता की तार्किक सावधानी ही है, क्योंकि कोई सूचना जब अत्यधिक वेग, हिंसा व उत्तेजना पैदा करे तो शंकित होना लाजिमी है। कुछ देर ठहरिए और मन को शांत कर सोचिए। क्योंकि जनता के जुड़ाव के लिए असंख्य सूचना का ऐसा समुद्र खड़ा कर दिया गया है जिसमें तैरना स्वयं सीखना पड़ेगा।

कुछ अलग

नेता जी के पांव में छाले हैं...

कमाल करते हो भई आप। नेताजी के पांव में छाले हैं! जनता जनार्दन के दरवाजों तक पहुंचने के लिए वह कई दिनों से पैदल खाक छान रहे हैं। पांव में छाले पड़े हैं। और आप कह रहे हैं कि नेताजी छाए हुए हैं। छाले पडने को छा जाना कहते हैं क्या? नेताजी की पीड़ा को न तो हाईकमान समझ रहा है और न ही नेताजी के चेले चांटे। नेताजी को ऐसे हल्के से चुनाव मैदान में उतार दिया गया है, जिस हल्के की उन्होंने जिंदगी में शक्ल नहीं देखी थी। राजधानी में बैठकर सियासत के मजे लिए थे। इनडायरेक्ट जीतकर आते रहे थे। जुम्मा जुम्मा एक बार डायरेक्ट तौर पर चुनाव लड़ा था और उसी में लंका डूब गई थी। फिर इनडायरेक्ट तरीके से दूसरे सदन में पहुंचकर मंत्री बन गए। सत्ता के खूब मजे लिए। अपने राजनीतिक विरोधियों को डंडा देकर रखा। विरोधियों के खिलाफ साजिश रखने वालों को सर आंखों पर बैठाया। पाला पोसा। किचन कैबिनेट में बैठकर अपने राजनीतिक विरोधियों की चुगली की। लेकिन कभी सोचा नहीं था कि ग्रह नक्षत्र ऐसा रंग भी दिखाएंगे कि डायरेक्ट जनता के बीच जाकर अपनी लोकप्रियता साबित करनी पड़ जाएगी। अब नेताजी चूंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर का रसूख रखते हैं, इसलिए हाईकमान ने नेताजी की अंतरराष्ट्रीय इमेज का फायदा उठाने के लिए उन्हें चुनाव में उतार दिया है। नेताजी ने कभी जिंदगी में वोटों के लिए चरण वंदना नहीं की। आम आदमी की पीड़ा की कभी टोह नहीं ली। आम आदमी की आवाज कभी सदन में बुलंद नहीं की। पार्टी की रीढ़ कहे जाने वाले कार्यकर्ताओं से कभी संवाद नहीं किया। तो अब हाईकमान ने उन पर दाव खेल दिया है। नेताजी पर्वत पर्वत, घाटी घाटी, नगरी नगरी पैदल घूम रहे हैं। पांव में छाले पड़ गए हैं। जनता को अपना परिचय देना पड़ रहा है। जनता पूछ रही है कि आप कहां से आए हो और कब तक यहां रहोगे। इलाके में नेताजी का कोई घर नहीं है। होटल ही उनका घर है। होटल में आम आदमी जाता ही कहां है। यानी मुसीबत ही मुसीबत है। हाईकमान के सामने अपनी पीड़ा भी जाहिर नहीं कर सकते। अपने पांव के छालों की तस्वीर खींचकर सोशल मीडिया पर भी नहीं डाल सकते। पब्लिक क्या समझेगी कि कितना नाजुक मिजाज नेता है। अपने छाले दिखा रहा है, लेकिन हमारे दिल के छाले नहीं देखे। जनता के सामने बड़ा दिल दिखाना पड़ता है और दिल धक धक कर रहा है। जब से पता चला है कि कोरोना का टीका खून में थक्के पैदा कर रहा है, तब से तो चुनाव प्रचार के बीच में जान गले में फंस गई है। हाईकमान के साथ-साथ उस टीके को भी कोस रहे हैं जो उन्होंने बाएं बाजू में लगवाया था। नेताजी की परेशानी यह भी है कि किसकी उपलब्धियों के नाम पर वोट मांगे जाएं। अपनी कौनसी उपलब्धि का बखान किया जाए। हाईकमान को तो कोई बलि का बकरा चाहिए था, सो चुनाव मैदान में उन्हें धकेल दिया गया। लेकिन अब बकरे की मां कब तक खैर मनाएगी और जनता की बेरुखी कब तक रुलाएगी। आगे कुआं पीछे खाई है। नेताजी की इमेज पर बन आई है। हाईकमान मुस्कुरा रहा है। विरोधी तरस खा रहे हैं। पार्टी का कैडर जम्हाइयां ले रहा है। नेताजी पब्लिक को अपनी पहचान देते फिर रहे हैं। कुछ बहुत भावुक हो रही महिलाएं यह कह रही हैं कि नेताजी बहुत भोले हैं। खुद को पूरी तरह नहीं तोले हैं। अति विश्वास का शिकार हैं या शिकार बना दिए गए हैं। नेताजी के पांव में छाले हैं। और आप कह रहे हैं कि नेताजी छाए हुए हैं। राजनीति में कई बार भ्रम भी अपना जलवा दिखा देता है।

देश दुनिया से

अब मतदान के अंतिम आंकड़े जारी करने में देरी पर सियासी घमासान

> विपक्ष को शक है कि चुनाव आयोग ने ये आंकड़े जानबूझकर देरी से जारी किए। खासकर 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान के 11 दिन बाद। इसके पीछे कहीं कोई 'खेला' तो नहीं है? जबकि चुनाव आयोग का कहना है कि समूचे आंकड़े कंपाइल करने में वक्त लगता है, इसलिए अंतिम आंकड़े जारी करने में कुछ देरी हुई। यहां बात केवल अंतिम आंकड़ों की नहीं है। जो आंकड़े सामने आए हैं, वो चुनाव के दो चरणों के दौरान कम मतदान के नरेटिव को झटका देने वाले हैं। शुरूआती आंकड़ों में यह संदेश छुपा था कि दोनो चरणों में 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में 3 से 7 फीसदी की गिरावट आई है। लेकिन चुनाव आयोग ने पहले चरण के डेढ़ हफ्ते बाद जो आंकड़े बताए, उससे पहले चरण में 102 संसदीय सीटों पर 66.14 प्रतिशत और दूसरे चरण में 88 सीटों पर 66.71 प्रतिशत वोट पड़े।

अगर कण-कण में भगवान है तो मानिए कि इस देश के जर्रे-जर्रे में सियासत समा गई है। अब चुनाव कार्यक्रम, चुनाव प्रक्रिया, चुनाव नतीजे के साथ-साथ चरणवार मतदान के अंतिम आंकड़े जारी करने पर भी सियासी घमासान मचा है। गोया यह पूरा चुनाव ही शक शुबहों की सुरंग से होकर गुजर रहा है। विपक्ष को हर बात में खोट दिख रही है तो सत्ता पक्ष सब कुछ स्वाभाविक मानकर मुग्ध है। विपक्ष को शक है कि चुनाव आयोग ने ये आंकड़े जानबूझकर देरी से जारी किए। खासकर 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान के 11 दिन बाद। इसके पीछे कहीं कोई 'खेला' तो नहीं है? जबकि चुनाव आयोग का कहना है कि समूचे आंकड़े कंपाइल करने में वक्त लगता है, इसलिए अंतिम आंकड़े जारी करने में कुछ देरी हुई। यहां बात केवल अंतिम आंकड़ों की नहीं है। जो आंकड़े सामने आए हैं, वो चुनाव के दो चरणों के दौरान कम मतदान के नरेटिव को झटका देने वाले हैं। शुरूआती आंकड़ों में यह संदेश छुपा था कि दोनो चरणों में 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में 3 से 7 फीसदी की गिरावट आई है। लेकिन चुनाव आयोग ने पहले चरण के डेढ़ हफ्ते बाद जो आंकड़े बताए, उससे पहले चरण में 102 संसदीय सीटों पर 66.14 प्रतिशत और दूसरे चरण में 88 सीटों पर 66.71 प्रतिशत वोट पड़े। जबकि चुनाव आयोग ने पहले चरण के मतदान के आरंभिक आंकड़े औसतन 60 प्रतिशत तथा दूसरे चरण में 60.96 प्रतिशत बताए थे। अगर इसकी तुलना 2019 के लोकसभा चुनाव के प्रथम व द्वितीय चरण के मतदान प्रतिशत से की जाए तो वोटिंग में यह कमी क्रमशः 4 और 3 फीसदी की होती है। अगर पिछले लोस चुनाव के कुल औसत मतदान 67 फीसदी से इसकी तुलना करें तो कुल मतदान में घटत उतनी ज्यादा नहीं है, जितनी कि मानी जा रही थी। फिर भी मतदान घटा तो है, जिससे चुनाव नतीजे काफी बदल सकते हैं और कई जगह हार- जीत का अंतर भी बहुत कम रह सकता है। मतदान के आरंभिक आंकड़ों ने राजनीतिक दलों की चिंता बढ़ा दी थी। माना जा रहा था कि तमाम कोशिशों के बाद भी वोटर घर से नहीं निकल रहा है। राजनीतिक विश्लेषक इस बात का गुणा-भाग लगा रहे थे कि कम मतदान किसको जीत की ट्रॉफी दिलाएगा। इसके लिए तरह-तरह के आंकड़े और डाटा एनालिसिस पेश किया जा रहा था। मोटे तौर पर संदेश यही था कि कम मतदान सत्तारूढ़ भाजपा और एनडीए के लिए जोखिम भरा है। यह बताने की भी कोशिश हुई कि चुनाव में खासकर भाजपा का वोटर अपेक्षित संख्या में नहीं निकल रहा। ऐसे में देश में 2004 के लोकसभा चुनाव जैसी स्थिति बन सकती है, जब मतदान अपने पूर्ववर्ती 1999 के लोस चुनाव की तुलना में 1.9 फीसदी कम रहा था और सत्तारूढ़ अटलजी की सरकार सत्ता से बेदखल हो गई थी तथा नेतृत्व विहीन यूपीए गठबंधन सत्ता में आ गया था। 2009 के लोस चुनाव में भी औसत मतदान 58.21 प्रतिशत रहा और यूपीए 2 फिर सत्ता में लौटा। लेकिन 2014 ने वोटिंग ट्रेंड ने गीयर बदला। अगले दो लोकसभा चुनाव में यह 8 से 10 फीसदी तक बढ़ा और मोदी के नेतृत्व में भाजपा सत्ता में रही है। विपक्ष के लिए झटका यह है कि पहले चरण के जो आंकड़े शुरू में बताए गए थे, उनमें 6 फीसदी से ज्यादा का अंतर है। यानी

इतना मतदान बढ़ा है। ये आंकड़े 2019 के लोस चुनाव के पहले दो चरणों के औसत आंकड़ों के आसपास ही हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि मतदान कम जरूर हुआ है, लेकिन इतना कम भी नहीं हुआ है कि विपक्ष की बांछें खिल जाएं। अगर यही ट्रेंड अगले पांच चरणों में भी रहता है तो तय मानिए कि चुनाव नतीजे कमोबेश 2019 के जैसे ही हो सकते हैं। पहले दो चरणों के मतदान के अंतिम आंकड़ों से भाजपा ने कुछ राहत की सांस ली है, जबकि विपक्ष के मन में शक का कीड़ा और गहरा गया है। उसने चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवालिया निशान लगाते हुए दो प्रश्न उठाए हैं। पहला यह कि दोनों चरणों के अंतिम आंकड़े जारी करने में इतनी देरी के पीछे मंशा या मजबूरी क्या है? दूसरे, कम बताया जा रहा मतदान अचानक 6 फीसदी तक कैसे बढ़ गया? यह सचमुच आंकड़ों के संग्रहण में देरी है या कुछ और? तीसरा यह कि आयोग केवल मतदान का प्रतिशत क्यों बता रहा है, कुल मतदान के आंकड़े बताने में उसे क्या परेशानी है? पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी ने तो आरोप लगाना शुरू भी कर दिया है कि चुनाव आयोग नतीजों में गड़बड़ी कर सकता है। आंकड़े जारी करने में यकीनन देरी हुई है।

आप का नजरिया

होटल इकाइयों के किरदार बदलो

हिमाचल में पर्यटन का ताज ओढ़े एचपीटीडीसी तथा एचआरटीसी के घाटों को समझें, तो यह राज्य किस क्षेत्र में आत्मनिर्भर होगा। आश्चर्य यह कि 55 होटलों का संचालन कर रहा हिमाचल पर्यटन निगम 31 इकाइयों की वित्तीय लाज नहीं बचा पा रहा। ताज्जुब यह कि चिंतपूर्णी, ज्वालाजी, चंबा, बिलासपुर, कुल्लू-मनाली, शिमला, धर्मशाला-मकलोडगंज व औद्योगिक क्षेत्र परवाणू तक के होटल घाटा पैदा कर रहे हैं। बावजूद इसके हमारे पास एशियन विकास बैंक से इतना ऋण तो मिल ही जाएगा कि आने वाले वर्षों में कुछ और राजनीतिक इकाइयां खोल लेंगे। इससे क्या फर्क पड़ता कि हिमाचल में करीब पौने दो करोड़ सैलानी आ रहे हैं या आगामी लक्ष्य पांच करोड़ का है। आश्चर्य यह कि बढ़ते सैलानी निजी वोल्वो बसों में बैठकर प्राइवेट होटलों को अधिमान दे रहे हैं, जबकि एचपीटीडीसी व एचआरटीसी के पास बेहतरीन स्टाफ तथा उच्च काबिलीयत के अधिकारियों के अलावा बेहतरीन साइट्स व संपत्तियां हैं। मुख्य तौर पर न योजनाओं में व्यावसायिक दृष्टि है और न ही प्रबंधन में इस तरह के सरोकार हैं, जो पल-पल बदलते उद्योग की जरूरतें समझ सकें। उदाहरण के लिए धर्मशाला की पांच इकाइयों में से तीन घाटे पर हैं, तो यह करामात निठल्लेपन और उबाऊ ठहराव की है। महामहिम दलाईलामा के प्रवास, प्रवासी तिब्बती सरकार के मुख्यालय के अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम ने धर्मशाला में हर बड़ी होटल शृंखला को अपनी इकाई चलाने का मौका दिया, लेकिन हिमाचल पर्यटन निगम अपनी बूढ़ी लीलन, क्रॉकरी और थकी हुई अधोसंरचना से निजात नहीं पाना चाहता, नतीजतन जब सारे निजी होटल बुक हो जाएं तो सरकारी इकाइयों में स्थान ढूंढा जा सकता है। कब तक सरकारी होटलों को कुल्लू-मनाली, शिमला या मकलोडगंज में भी घाटे की माला पहननी पड़ेगी। घाटे के होटलों की शृंखला बनाने के बजाय इनकी उपयोगिता बढ़ाने का सोचना होगा। मसलन परवाणू या बीबीएन में पर्यटन निगम की इकाइयां वो कमाल कर सकती हैं, जिसके लिए ये औद्योगिक शहर चंडीगढ़ या पंचकूला का रुख करते हैं। प्रदेश के हर शहर और कस्बे में पर्यटन निगम वेडिंग जोन, कान्फ्रेंस एरिया, शॉपिंग परिसर तथा वे साइड फूड मार्ट स्थापित करे, तो हंगामा हो सकता है। पर्यटन निगम को हाईवे पर्यटन की अधोसंरचना स्थापित करके प्रदेश के एचपीएमसी, मिल्क फेडरेशन व हथकरघा निगम के साथ उपहार तथा खानपान के केंद्रों की लाभकारी उपस्थिति दर्ज कर सकता है। हैरानी यह कि धार्मिक स्थलों की इकाइयां या यात्री निवास जैसे बजट होटल भी घाटे में हैं। कारण यही कि इन परिसरों को कमजोर प्रदर्शन के लिए छोड़ दिया गया है। हिमाचल प्रदेश परिवहन निगम की अंतरराज्यीय बसों की बुकिंग के साथ एचपीटीडीसी के होटलों की बुकिंग जोड़ दी जाए, तो नित नए रूट शुरू करने के साथ सरकारी होटलों की आक्यूपेंसी भी बढ़ सकती है। जिस दिन एचआरटीसी व पर्यटन निगम का एमडी एक ही अधिकारी होगा, हिमाचल आने वाले यात्री पर्यटक बन जाएंगे।

प्याज निर्यात से प्रतिबंध हटाने से पहले ईसी से ली गई अनुमति, केंद्र ने कहा- कीमतें स्थिर रहेंगी

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां) ।

केंद्र सरकार ने हाल ही में प्याज निर्यात से प्रतिबंध हटाने का एलान किया। सरकारी सूत्रों ने बताया कि देश में लोकसभा चुनाव को लेकर आदर्श आचार संहिता लागू है। ऐसे में सरकार ने प्याज निर्यात से प्रतिबंध हटाने से पहले निर्वाचन आयोग की अनुमति ली। बता दें, इस फैसले का सीधा असर प्याज की खेती करने वाले करोड़ों किसानों के साथ ही उपभोक्ताओं पर भी पड़ेगा।

प्रतिबंध हटाने के लिए निर्वाचन आयोग से अनुमति ली - एक समाचार एजेंसी ने सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया कि वित्त मंत्रालय के तहत राजस्व विभाग ने 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क और 550 डॉलर प्रति टन के न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) की शर्तों के तहत प्याज निर्यात से प्रतिबंध हटाने के लिए निर्वाचन आयोग से अनुमति ली है।

किसानों को मदद मिलेगी - सरकार ने प्याज निर्यात से प्रतिबंध हटा दिया था। इससे बड़ी संख्या में किसानों को मदद मिलेगी। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है जब महाराष्ट्र सहित कई प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान होने वाला है।

40 प्रतिशत का निर्यात शुल्क लगाया - सरकार 550 डॉलर प्रति टन के न्यूनतम निर्यात मूल्य (लगभग 46 रुपये प्रति किलोग्राम) के साथ ही 40 प्रतिशत का निर्यात शुल्क लगाया है। इस शुल्क को देखते हुए 770 डॉलर प्रति टन या 64 रुपये प्रति किलोग्राम से कम भाव पर प्याज निर्यात की अनुमति नहीं दी जाएगी।

प्याज के निर्यात से प्रतिबंध हटाने का निर्णय उपभोक्ता मामलों के विभाग की सिफारिश पर लिया गया है। विभाग देश में प्याज की उपलब्धता और कीमत की स्थिति पर नजर रखता है।

इतने टन प्याज का निर्यात हुआ - पिछले साल आठ दिसंबर को केंद्र ने उत्पादन में संभावित गिरावट की चिंताओं के बीच खुदरा कीमतों को नियंत्रित करने के लिए प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। पिछले चार-पांच साल के दौरान देश से सालाना 17 लाख से 25 लाख टन प्याज का निर्यात हुआ है।

कीमतें स्थिर रहेंगी - उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि प्रतिबंध हटने से खुदरा बाजार में कीमतों में कोई वृद्धि नहीं होगी। उन्होंने कहा कि कीमतें स्थिर रहेंगी। अगर कोई बढ़ोतरी होती है, तो यह बहुत मामूली होनी चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

दो साल में देश में सेमीकंडक्टरों की मांग 100 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद

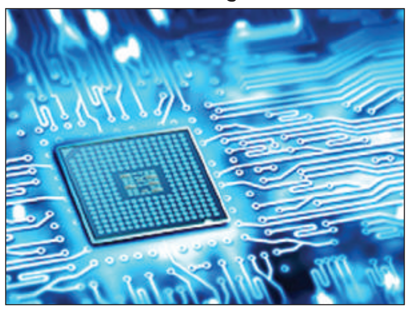

नई दिल्ली। भारत ने इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन के क्षेत्र में वित्त वर्ष 2025-26 तक 300 अरब डॉलर पर पहुंचने का लक्ष्य रखा है। इससे सेमीकंडक्टरों की मांग बढ़कर 90-100 अरब डॉलर पर पहुंच जायेगी, जिसमें घरेलू मोबाइल विनिर्माण का सबसे ज्यादा योगदान होगा - एक ऐसा अवसर जिसे हाथ से जाने नहीं देना चाहिये। इंडिया सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) ने एक रिपोर्ट में बताया कि आम तौर पर किसी इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद की लागत का 25 से 30 प्रतिशत चिप के मद में खर्च होता है। वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग का आकार 103 अरब डॉलर का है जिसके लिए करीब 26-31 अरब डॉलर के सेमीकंडक्टर की जरूरत होती है। रिपोर्ट के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन में संभावित बढ़ोतरी (वित्त वर्ष 2025-26 तक 300 अरब डॉलर) के मद्देनजर यह आंकड़ा बढ़कर 90-100 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है। पिछले सात साल में देश के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में मोबाइल फोन की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत बढ़कर 44 प्रतिशत पर पहुंच गई है। वित्त वर्ष 2022-23 में इंटीग्रेटेड सर्किट (आईसी) का आयात 16.14 अरब डॉलर रहा था जिसमें 12 अरब डॉलर के आईसी का आयात मोबाइल फोन विनिर्माण के लिए किया गया था। आईसीईए ने बताया कि हाई एंड फोनों में इस्तेमाल होने वाले प्रोसेसर चिप के प्रतिस्पर्द्धी स्तर पर देश में विनिर्माण के लिए अभी कुछ और इंतजार करना पड़ सकता है। उसने कहा, हालांकि कम कीमत वाले स्मार्टफोनों के लिए देश में प्रोसेसर चिप के विनिर्माण में काफी संभावनाएं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सेमीकंडक्टर का घरेलू विनिर्माण बढ़ाकर आयात पर निर्भरता कम करने की जरूरत है।

एफएसएसएआई का दावा- मसालों में 10 गुना ज्यादा कीटनाशक को मंजूरी वाली खबरें निराधार

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां) ।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने 10 गुना ज्यादा पेस्टीसाइड को मंजूरी देने वाली खबरों पर सफाई जारी की है। उसने उन सभी मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन किया है जिसमें यह दावा किया जा रहा था कि भारतीय फूड कंट्रोलर ने जड़ी-बूटियों और मसालों में तय मानक से 10 गुना ज्यादा कीटनाशक मिलाने की मंजूरी दी है। एफएसएसएआई ने कहा कि ऐसी खबरें झूठी और बेबुनियाद हैं।

कीटनाशक मिलाने की सीमा दुनियाभर में सबसे कड़े मानकों में से एक

एक प्रेस जारी कर भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने कहा कि यह स्पष्ट किया जाता है कि भारत में अधिकतम अवशेष सीमा यानी कीटनाशक मिलाने की सीमा दुनियाभर में सबसे कड़े मानकों में से एक है। वहीं कीटनाशकों के एमआरएल उनके खतरे के आकलन के आधार पर खाने की अलग-अलग चीजों के लिए अलग-अलग तय किए जाते है।

एफएसएसएआई का कहना है कि भारत में कीटनाशकों को कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की तरफ से कीटनाशक अधिनियम, 1968 के तहत बनाई गई केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और पंजीकरण समिति (सीआईबी और आरसी) के माध्यम से विनियमित किया जाता है। सीआईबी और आरसी कीटनाशकों की मैन्युफैक्चरिंग, आयात, निर्यात, ट्रांसपोर्ट, स्टोरेज आदि को विनियमित करते हैं।

आईबी और आरसी से मिले आंकड़ों की करता है जांच

एफएसएसएआई का कीटनाशक अवशेषों की जांच के लिए बनाया गया साइंटिफिक पैनल सीआईबी और आरसी से मिले आंकड़ों को जांचता है। इसके बाद सभी खतरे से जुड़े आंकड़ों की जांच के बाद एमआरएल तय किए जाते हैं। इस दौरान भारत के लोगों की डाइट और सभी उम्र के लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ी चिंताओं को भी ध्यान में रखा जाता है।

केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और रजिस्ट्रेशन कमेटी से रजिस्टर्ड कुछ कीटनाशक है। उदाहरण के लिए, विभिन्न एमआरएल वाली कई फसलों पर मोनोक्रोटोफॉस के उपयोग की अनुमति है जैसे चावल 0.03 मिलीग्राम/किग्रा, खट्टे फल 0.2 मिलीग्राम/किग्रा, कॉफी बीन्स 0.1 मिलीग्राम/किग्रा और इलायची 0.5 मिलीग्राम/किग्रा, मिर्च 0.2 मिलीग्राम /किलोग्राम।

केवल एक कीटनाशक के लिए बढ़ाई थी लिमिट

हालांकि एफएसएसएआई ने माना कि कुछ कीटनाशक जो भारत में केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और रजिस्ट्रेशन कमेटी से रजिस्टर्ड नहीं हैं। उनके लिए यह लिमिट 0.01 से 10 गुना बढ़ाकर 0.1 की गई थी। यह वैज्ञानिक पैनल की सलाह पर ही किया गया था। एफएसएसएआई ने कहा कि वैज्ञानिक आंकड़ों के आधार पर एमआरएल नियमित रूप से संशोधित होते रहते हैं। यह प्रक्रिया वैश्विक मानकों के अनुरूप है और यह सुनिश्चित करता है कि एमआरएल संशोधन वैज्ञानिक रूप से मान्य आधार पर किए जाते हैं, जो नवीनतम निष्कर्षों और अंतरराष्ट्रीय मानदंडों को दर्शाते हैं।

ट्रेडमार्क पर विवाद को लेकर टेस्ला गुरुग्राम की कंपनी के खिलाफ कोर्ट पहुंची

नई दिल्ली । इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने वाली अमेरिकी कंपनी टेस्ला इंक ने दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। एलन मस्क की कंपनी ने गुरुग्राम बेस्ड कंपनी के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। यह मामला ट्रेडमार्क के उल्लंघन से जुड़ा हुआ है जिस कंपनी के खिलाफ टेस्ला इंक हाई कोर्ट पहुंची है, उसका नाम टेस्ला पावर इंडिया है। टेस्ला इंक ने हाई कोर्ट से मांग की है कि वह टेस्ला पावर इंडिया को ट्रेडमार्क टेस्ला का इस्तेमाल करने से रोके। टेस्ला इंक की ओर से कोर्ट में पेश हुए एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि ट्रेडमार्क के गलत इस्तेमाल से अमेरिकी कंपनी की प्रतिष्ठा पर आंच आ रही है और उसके व्यावसायिक हित प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि नाम के इस्तेमाल से ग्राहकों को भी भ्रम हो रहा है। टेस्ला पावर की बैटरी के खिलाफ आने वाली शिकायतें अमेरिकी कंपनी ईवी मेकर टेस्ला इंक को रिडाइरेक्ट कर दी जा रही हैं, क्योंकि ग्राहक उसे एलन मस्क की कंपनी से जुड़ा हुआ मान ले रहे हैं। अधिवक्ता का आरोप है कि गुरुग्राम बेस्ड कंपनी टेस्ला पावर अपनी बैटरियों का अखबारों में विज्ञापन दे रही है, जिनमें वह खुद को एक इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी के रूप में दिखा रही है। इतना ही नहीं, बल्कि गुरुग्राम स्थित कंपनी टेस्ला पावर अमेरिकी कंपनी के लोगो का भी इस्तेमाल कर रही है। अमेरिकी कंपनी की याचिका के बाद कोर्ट ने गुरुग्राम स्थित कंपनी टेस्ला पावर को नोटिस जारी किया।

पेटीएम की मूल कंपनी के अध्यक्ष भावेश गुप्ता ने दिया इस्तीफा

कहा- निजी कारणों से छोड़ा पद

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां) ।

पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के अध्यक्ष और सीओओ भावेश गुप्ता ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। जारी किए गए आधिकारिक बयान में इस बात की जानकारी दी गई है। बता दें कि भावेश गुप्ता कंपनी में ऑनलाइन और ऑफलाइन भुगतान और ऋण व्यवसाय समेत अन्य कार्यों का संचालन कर रहे थे। बयान में कहा गया है कि गुप्ता ने निजी कारणों से पद से इस्तीफा दिया है। वह 31 मई को कंपनी की सेवाओं से मुक्त हो जाएंगे। हालांकि, वह इस साल के आखिर तक कंपनी के साथ सलाहकार की भूमिका में बने रहेंगे। भावेश गुप्ता पेटीएम के साथ अगस्त 2020 में जुड़े थे।

वन97 कम्युनिकेशंस का बयान

वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड का कहना है कि कंपनी अपनी नेतृत्व टीम का विस्तार कर रही है। कंपनी ने पेटीएम के सीईओ और वरिष्ठ प्रबंधन के साथ सीधे काम करने के लिए अपनी नेतृत्व टीम का विस्तार किया है। कंपनी ने कहा है कि पेटीएम के भुगतान और क्रेडिट व्यवसायों का नेतृत्व जिन अधिकारियों द्वारा किया जाता है, उनमें से हर किसी के पास पेटीएम में पांच साल से अधिक का अनुभव है। यह अनुभवी नेतृत्व टीम अब सीधे पेटीएम के सीईओ के साथ काम करेगी। आगे कहा गया है कि कंपनी के अध्यक्ष और मुख्य परिचालन अधिकारी भावेश गुप्ता ने व्यक्तिगत कारणों से करियर से ब्रेक लेने का फैसला किया है। हालांकि, वह एक सलाहकार की भूमिका में बने रहेंगे।

टीम में हुए हैं ये बदलाव

हाल ही में राकेश सिंह को पेटीएम मनी लिमिटेड (पीएमएल) के नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। इससे पहले राकेश सिंह फिस्डोम में स्टॉक ब्रोकिंग व्यवसाय के सीईओ थे। वह आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक में प्रमुख प्रबंधन पदों पर रहे हैं। इसके अलावा कंपनी ने बताया कि पेटीएम मनी लिमिटेड के पूर्व प्रमुख वरुण श्रीधर अब पीएसपीएल में सीईओ के रूप में नेतृत्व कर रहे हैं। पेटीएम के संस्थापक और सीईओ विजय शेखर शर्मा का कहना है कि भुगतान और उधार पर कंपनी का फोकस पहले से कहीं ज्यादा मजबूत है।

रिजर्व बैंक ने मार्च में खरीदा पांच टन सोना दुनियाभर के केंद्रीय बैंक बढ़ा रहे स्वर्ण भंडार

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां) ।

मार्च में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने करीब 5 टन सोना खरीदा। भारत ही नहीं दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने सोने की खरीद बढ़ाई है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक मार्च में तुर्किये के केंद्रीय बैंक ने सबसे ज्यादा 14 सोना खरीदा है। इसके अलावा चीन के केंद्रीय बैंक ने भी 5 टन सोना खरीदा है। अन्य बड़े खरीदारों में कजाकिस्तान और सिंगापुर हैं, जिन्होंने 4-4 टन सोना खरीदी है। इसके अलावा रूस ने भी मार्च में 3 टन सोना खरीदा है।

युद्ध व वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चिता की वजह से केंद्रीय बैंकों का भरोसा सोने में बढ़ रहा है। खासतौर पर बाजार की अस्थिर और मुद्रास्फीति के दबाव को सहने के लिए स्वर्ण भंडार अहम होता है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स रिपोर्ट के मुताबिक 2024 की पहली तिमाही में दुनियाभर में सोने की मांग सालाना आधार पर 3 फीसदी तक बढ़ी है।

शीर्ष पर आरबीआई का स्वर्ण भंडार

आरबीआई का स्वर्ण भंडार 800 टन से ऊपर अब तक के शीर्ष स्तर पर है। इस साल आरबीआई ने कुल 18.5 टन सोना खरीदा है। अप्रैल की शुरुआत में रिजर्व बैंक के पास करीब 822.1 टन स्वर्ण भंडार था।

सिंगापुर और भारत के बीच फलते-फूलते रहेंगे संबंध वांग के पीएम बनने को लेकर एसआईसीसीआई

सिंगापुर, 05 मई (एजेंसियां) ।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग जल्द ही अपने पद से इस्तीफा देंगे। लूंग की जगह उप प्रधानमंत्री (डिप्टी) लॉरेंस वोंग लेंगे। इसी को लेकर सिंगापुर इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसआईसीसीआई) का कहना है कि भारत के साथ सिंगापुर के संबंध नए प्रधानमंत्री वोंग के नेतृत्व में फलते-फूलते रहेंगे। बता दें, लॉरेंस वोंग 15 मई को शपथ लेंगे।

वोंग को नेतृत्व सौंपने की तैयारी

एसआईसीसीआई के अध्यक्ष नील पारेख ने चैंबर के शताब्दी समारोह में कहा, पीएम लूंग उप प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग को नेतृत्व सौंपने की तैयारी कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि सिंगापुर और भारत के बीच के संबंध आगे बढ़ते रहेंगे।

दोनों देशों के बीच संबंध सुधरे

उन्होंने एसआईसीसीआई शताब्दी समारोह के मौके पर हुए रात्रिभोज में कहा, दोनों देशों के बीच संबंध तब और सुधर गए, जब वोंग ने भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की। इसने दोनों देशों के बीच लंबे समय के संबंधों के लिए मंच तैयार किया है।

सीईसीए को लेकर काम करने की सलाह

एसआईसीसीआई भारत और उसके नेताओं के साथ द्विपक्षीय संबंधों को विकसित करने में सिंगापुर सरकार का एक महत्वपूर्ण भागीदार भी है। एसआईसीसीआई के प्रबंधन ने जून 2005 में दोनों देशों द्वारा समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) को ठीक करने की सलाह दी।

कई व्यावसायिक मिशनों का आयोजन किया

पारेख ने कहा, सिंगापुर इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसआईसीसीआई) के काम का एक महत्वपूर्ण पहलू सिंगापुर के व्यवसायों, साथी व्यापार संघों और वाणिज्य मंडलों को भारत के साथ अपने संबंधों को सुधारने में मदद करना है। चैंबर ने भारत के विभिन्न राज्यों में कई व्यावसायिक मिशनों का आयोजन किया है। हमने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) और फेडरेशन ऑफ चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) जैसे भारत के प्रमुख व्यापारिक संघों के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया है।

पिछले दो वर्षों में, एसआईसीसीआई अपने वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन से पहले तमिलनाडु और गुजरात की राज्य सरकारों के लिए संयुक्त रूप से निवेश रोड शो आयोजित करने की तैयारी में रहा है, जिसमें चैंबर ने भाग लिया था।

देश के कई राज्यों में बढ़े पेट्रोल-डीजल के भाव

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कामकाज नहीं होने से कच्चे तेल की कीमतें स्थिर हैं। भारत में हर दिन की

तरह ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की नई कीमत जारी कर दी गई है। हर रोज सुबह 6 बजे सरकारी तेल कंपनियां ईंधन के नए भाव जारी करती हैं। देश के कुछ राज्यों व शहरों में पेट्रोल और डीजल के भाव बढ़े हैं जबकि कुछ प्रदेशों में कीमतें घटी हैं। बिहार, छत्तीसगढ़, केरल, कर्नाटक और महाराष्ट्र समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें मामूली रूप से बढ़ी हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, हरियाणा और झारखंड समेत कुछ प्रदेशों में भाव घटे हैं। राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 95.01 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.94 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 94.90 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.03 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.38 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.03 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर है।

मारुति सुजुकी अर्टिगा सबसे ज्यादा बिकने वाली 7 सीटर कार, 30 किलोमीटर का माइलेज

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी अर्टिगा देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली 7 सीटर कार बन गई है। यह 7 सीटर बेहतरीन इंजन और माइलेज के साथ आती है। कंपनी कार को सीएनजी वेरिएंट में भी ऑफर करती है। आइए आपको बताते हैं इसमें क्या खास है और क्यों ये कार लोगों की पसंद लगातार बनी हुई है। अर्टिगा की कीमत की बात की जाए तो इसका बेस वेरिएंट 8.69 लाख रुपये की एक्स शोरूम में उपलब्ध है। वहीं कार का टॉप वेरिएंट 13.03 लाख रुपये (एक्स शोरूम) कीमत पर मिल रहा है। कार के अलग-अलग वैरिएंट में आपको 7-इंच स्मार्टप्ले प्रो टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले सपोर्ट, कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी (टेलीमेटिक्स), क्रूज कंट्रोल, ऑटो हेडलैंप्स, क्लाइमेट कंट्रोल एसी, पैडल शिफ्टर्स, 4 एयरबैग्स, एबीएस के साथ ईबीडी, ब्रेक असिस्ट, रियर पार्किंग सेंसर्स, आईएसोफिक्स चाइल्ड सीट एंकरेज, ईएसपी के साथ हिल होल्ड कंट्रोल जैसे फीचर्स देखने को मिलते हैं। कार में मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का ऑप्शन भी मिलता है। वहीं नेक्सॉन की बात की जाए तो 1.2 लीटर इंजन के साथ आती है।

दुनिया के दिग्गज निवेशक बफे ने भारत में दिखाई दिलचस्पी, कहा- वहां अवसरों की भरमार

वॉशिंगटन, 05 मई (एजेंसियां) ।

दुनिया के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे आजकल काफी चर्चा में हैं। उनकी कंपनी ने इस तिमाही में जबरदस्त कमाई की है। करीब 92,719 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है। इस बीच, बर्कशायर हैथवे के चेयरमैन और सीईओ वॉरेन भारत को लेकर काफी उत्साहित दिखे। उन्होंने कंपनी के शेयरधारकों के साथ सालाना बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत में काफी अवसर हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या उनकी कंपनी बर्कशायर भारत में अवसरों की तलाश कर रही है। इस पर बफे ने कहा कि भारत में ऐसे अवसर और क्षेत्र हैं, जिन पर ध्यान नहीं दिया गया है।

भारत के बारे में कही यह बात

वॉरेन बफे ने भारत में निवेश को लेकर भी अपनी बात रखी। उनसे पूछा गया कि क्या उनकी भविष्य में भारत में भी निवेश करने की संभावना है इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि भारत जैसे देश में अवसरों की भरमार है। सवाल यह है कि क्या हमें उन कारोबारों या संपर्कों के बारे में जानकारी मिलने से कोई फायदा है जिससे कुछ ऐसे लेनदेन संभव हो सकें जिनमें भारत के प्रतिभागी विशेष रूप से हमारी भागीदारी चाहते हों।

उन्होंने कहा, मैं कहूंगा कि यह कुछ ऐसा है जिससे कंपनी को और अधिक ऊर्जावान बनाएगा। अब हमें दुनियाभर में जाना जाता है।हमारा जापान के साथ भी अनुभव काफी आकर्षक रहा है। इसी तरह भारत में कुछ ऐसे क्षेत्र और अवसर हो सकते हैं, जिनके बारे में जानकारी न हो।

जापान में निवेश को लेकर संतुष्ट

बफे से जब पूछा गया कि उन्होंने जापान की कंपनियों में जो निवेश किया है, वे उसे अब कैसे देखते हैं इस बारे में बफे ने कहा कि वह जापान में निवेश को लेकर संतुष्ट हैं। बफे ने पिछले साल जापान की चार कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई थी। इनमें मारुबेनी, मित्सुई, मित्सुबिशी और सुमितोमो प्रमुख हैं। बफे चीन की कंपनियों में भी निवेश कर चुके हैं। साल 2008 में उन्होंने चीन की ऑटोमोबाइल कंपनी बीवाईडी में निवेश किया था। बफे ने अब इस कंपनी में अपनी हिस्सेदारी कम कर दी है।

अवसरों को पता लगाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा

भारत में प्रवेश करने का संकेत देते हुए उन्होंने कहा कि वहां मौजूद अवसरों को पता लगाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। उन्होंने कहा कि बर्कशायर का नया प्रबंधन भारत में निवेश पर फैसला करेगा। उन्होंने कहा की देखना होगा कि आने वाले समय में कंपनी कैसा काम करती है। अच्छी बात यह है कि अब इंतजार करने के लिए ज्यादा समय नहीं है।

जीडीपी में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि

चालू वित्त वर्ष 2023-24 की अक्तूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान भारत की जीडीपी में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के नवीनतम विश्व आर्थिक आउटलुक के अनुसार, भारत 2024 में प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहेगा। आईएमएफ ने 2024 के लिए भारत के विकास अनुमानों को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया।

मैक्कुलम ने न्यूजीलैंड के क्रिकेट को ऊंचाई पर पहुंचाया, टेस्ट क्रिकेट को सहवाग, अफरीदी, गेल, मैक्कुलम ने बनाया रोमांचक

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां) ।

टेस्ट क्रिकेट को पेशेंस का खेल कहा जाता हो लेकिन वीरेंद्र सहवाग, शाहिद अफरीदी, क्रिस गेल और ब्रेंडन मैक्कुलम जैसे बल्लेबाजें को इसे रोमांचक बनाने श्रेय जाता है। इन्होंने बोरिंग कहे जाने वाले टेस्ट मैंचों में आतिशी बल्लेबाजी करके रोमांच बनाया और टेस्ट मैचों से दूरी बना रहे लाखों दर्शकों को स्टेडियम में वापस लाने का काम भी इन्हीं बल्लेबाजों ने किया है। चौकों-छक्कों से सजी इनकी पारियां क्रिकेट प्रेमियों के लिए इंटरटेनमेंट का 'फुल डोज' साबित होती थीं। टेस्ट, वनडे और टी20, तीनों ही फॉर्मेट में इन महान बल्लेबाजों ने जबर्दस्त स्ट्राइक रेट से रन बनाए और सामने वाली टीमे गेंदबाजों के लिए खौफ का पर्याय बने। इन चारों बैटरों में मैक्कुलम विकेटकीपर बेस्टमैन की हैसियत से मैच खेले। भले ही वीरेंद्र सहवाग, शाहिदी अफरीदी और क्रिस गेल की तरह लोकप्रियता उन्हें नहीं मिली लेकिन मैक्कुलम ने अपनी बल्लेबाजी और कप्तानी से न्यूजीलैंड के क्रिकेट को ऊंचाई पर पहुंचाया। बेज नाम से मशहूर मैक्कुलम ने टेस्ट में 64.60, वनडे में 96.37 और टी20 में 136.21 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। गेंदों के लिहाज से टेस्ट क्रिकेट का सबसे तेज शतक मैक्कुलम के नाम पर ही है। क्रिकेट करियर के आखिरी दौर में ज्यादातर बल्लेबाज के प्रदर्शन में गिरावट आने लगती है लेकिन मैक्कुलम आखिरी इंटरनेशनल मैच में भी टेस्ट क्रिकेट का सबसे तेज रन बानो वाले बल्लेबाज बने। फरवरी 2016 में अपने आखिरी टेस्ट में उन्होंने महज 54 गेंदों पर 100 रन ठोके और 56 गेंदों पर शतक के वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज विव रिचर्ड्स (1985-86) और पाकिस्तान के मिस्बाह उल हक (2014-15) के रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया था। मैक्कुलम ने टेस्ट करियर का आखिरी मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेला था। हालांकि इस टेस्ट में न्यूजीलैंड को 7 विकेट की हार का सामना करना पड़ा लेकिन मैक्कुलम ने सिर ऊंचा रखते हुए शान के साथ इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहा था। मैक्कुलम तीनों फॉर्मेट के क्रिकेट में सफल रहे। 101 टेस्ट में 38.64 के औसत से 6453 रन (12 शतक), 260 वनडे में 30.41 के औसत से 6083 रन (5 शतक) और 71 टी20 में 35.66 के औसत से 2140 रन (2 शतक) उनके नाम दर्ज हैं. । टेस्ट क्रिकेट में 107, वनडे में 200 और टी20 में 91 छक्के उन्होंने लगाए जो गेंजबाज के खिलाफ उनके बेखौफ रवैये को दर्शाते हैं। टेस्ट क्रिकेट में तो छक्कों के मामले में इंग्लैंड के बेन स्टोक्स के बाद मैक्कुलम दूसरे नंबर पर हैं। मैक्कुलम 2008 से 2018 तक इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएम का न सिर्फ हिस्सा रहे बल्कि टी20 लीग का पहला शतक उनके ही नाम पर है। आईपीएल के पहले सीजन के पहले ही मैच में उन्होंने कोलकाता नाइटराइडर्स की ओर से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ 73 गेंदों पर 10 चौकों और 13 छक्कों की मदद से नाबाद 158 रनों की पारी खेली थी ।

न्यूज ब्रीफ

बजरंग की उम्मीदों को लगा तगड़ा झटका, नाडा ने अस्थायी रूप से किया निलंबित

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष पहलवान बजरंग पूनिया को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। इस कारण बजरंग के पेरिस ओलंपिक में शामिल होने को लेकर तगड़ा झटका लगा है। नाडा के अनुसार, बजरंग ने 10 मार्च को सोनीपत में हुए चयन ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए सैंपल देने से मना कर दिया था जिस कारण उन पर यह कार्रवाई की गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अगर बजरंग पर से समय रहते निलंबन नहीं हटाया गया तो वह अगले महीने होने वाले चयन ट्रायल सहित किसी भी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। मालूम हो कि बजरंग ने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। अब तक किसी भी भारतीय ने 65 किग्रा वर्ग में ओलंपिक कोटा हासिल नहीं किया है। सुजीत कलकल नौ मई से इस्तांबुल में होने वाले विश्व क्वालीफायर्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। नाडा ने बजरंग से सैंपल देने कहा था बजरंग ने सोनीपत में हुए ट्रायल के दौरान अपने यूरीन का सैंपल देने से इनकार कर दिया था जिसके बाद नाडा ने उनसे सैंपल देने के लिए कहा था। नाडा ने इस बारे में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) को सूचित किया जिसके बाद वाडा ने नाडा को सुझाव दिया कि वे बजरंग को नोटिस भेजकर जवाब मांगे कि उन्होंने टेस्ट से इनकार क्यों किया। नाडा ने 23 अप्रैल को बजरंग को नोटिस जारी कर सात मई तक जवाब देने कहा है। बजरंग को पेरिस ओलंपिक क्वालिफायर्स के लिए आयोजित राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में हार का सामना करना पड़ा था। बजरंग ने किट के एक्सपायर होने का आरोप लगाया था बजरंग ने कुछ महीने पहले एक वीडियो जारी कर डोप कलेक्शन किट के एक्पायर होने का आरोप लगाया था। नाडा ने बयान में कहा, बजरंग को मामले की सुनवाई के दौरान अंतिम निर्णय लेने से पहले किसी प्रतियोगिता या ट्रायल में भाग लेने से अस्थायी रूप से निलंबित किया जाता है।

फिंच और स्मिथ बोले , हताश दिखे मुम्बई के कप्तान पंड्या

मुम्बई । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर एरोन फिंच ने कहा है कि आईपीएल में मुंबई इंडियंस के कप्तान

हार्दिक पंड्या थके हुए और नराश नजर आये। टूर्नामेंट में उनके चेहरे पर उदासी का भाव दिखा। इसके साथ ही उन्हें इस सत्र में हूटिंग का भी सामना करना पड़ा जिससे भी उनका मनोबल गिरा है। फिंच के अलावा दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ का भी यही मानना है। फिंच के अनुसार कप्तान के दबाव में होने के कारण टीम भी संघर्ष करती दिखी। टीम को यहां अपने घरेलू मैदान पर भी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के हाथों 24 रनों से हार का सामना करना पड़ा। फिंच ने कहा, ' पंड्या इस सत्र में काफी निराश और थे हुए दिखे। ऐसा लग रहा था जैसे वह काफी दबाव में हों। साथ ही कहा कि मैंने भी इस प्रकार के हालातों का सामना किया है। इन हालातों में आप निजी तौर पर कुछ भी कोशिश करो पर लाभ नहीं होता। साथ कहा कि जब टीम अच्छा नहीं कर रही होती तो ऐसी स्थिति में रहना बहुत कठिन होता है क्योंकि आप पर टीम के प्रदर्शन की पूरी जिम्मेदारी होती है।

चहल, जडेजा, अश्विन, मिश्रा की गेंदों पर पड़े सबसे ज्यादा छक्के, आईपीएल लीग के 17वें सीजन में बल्लेबाजों का दबदबा

नई दिल्ली। भारत में आईपीएल प्रीमियम लीग की शुरुआत 2008 में हुई थी। इस लीग का 17वां सीजन अभी खेला जा रहा है। इस आईपीएल में बल्लेबाजों का दबदबा ज्यादा है। पिच भी वैसी होती है जहां आसानी से छक्के चौके लग जाते हैं। गेंदबाज मैच के दौरान बैकफुट पर ही रहते हैं। बल्लेबाज जब चाहता है छक्के लगा देता है। इस आईपीएल में ऐसे गेंदबाज हैं जिनकी गेंदों पर सबसे ज्यादा छक्के लगे हैं। युजवेंद्र चहल आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। अब छक्का के मामले में भी वह जल्द ही टॉप पर पहुंच सकते हैं। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर अपने आईपीएल करियर के आधे से ज्यादा मैच खेलने वाले चहल की 3401 गेंदों पर 213 छक्के लगे हैं। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के रविंद्र जडेजा जिन्होंने आईपीएल लीग में राजस्थान रॉयल्स के लिए 2008 में डेब्यू किया था। जडेजा लीग के सबसे सफल बाएं हाथ के गेंदबाज हैं। लेकिन इस आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के बाएं हाथ के गेंदबाज रविंद्र जडेजा के नाम ही है। उनकी 3751 गेंदों पर 201 छक्के लगे हैं। ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे सफल ऑफ स्पिनर हैं। टेस्ट में उनके नाम 500 से ज्यादा विकेट हैं। आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन दमदार रहा है। अभी तक इस आईपीएल लीग में उन्होंने 4404 गेंदें फेंकी हैं और इसपर 196 छक्के लगाए गए हैं। वहीं बात करें अमित मिश्रा की तो एक समय वह आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे।

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से कोलकाता ने लखनऊ को 98 रनों से हराया

लखनऊ, 05 मई (एजेंसियां)।

सुनील नारायण की (81) रनों की पारी और हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती की बेहतरीन गेंदबाजी बदौलत कोलकाता नाइट राइडर्स ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 54वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को 98 रनों से हरा दिया है। इस आठवीं जीत के साथ ही कोलकाता अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है।

236 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में अर्शीन कुलकर्णी (9) रन का विकेट गवां दिया। इसके बाद कप्तान के एल राहुल और मार्कस स्टॉयनिस ने दूसरे विकेट के लिये 50 रनों की साझेदारी की। आठवें ओवर में केरल राहुल 21 गेंदों मे 25 रन बनाकर आउट हुये। अगले ही ओवर में दीपक हुड्डा (5) उसके बाद मार्कस स्टॉयनिस 21 गेंदों में 36 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। इसके बाद लखनऊ के लगातार विकेट गिरते रहे। निकोलस पूरन (10), आयुष बदोनी (15), एशटन टर्नर (16), क्रुणाल पंड्या (5), युद्धवीर सिंह चरक (7) और रवि बिश्नोई (2) रन बनाकर आउट हुये। कोलकाता ने लखनऊ की पारी को 16.1 ओवर में 137 रन पर समेटते हुये मुकाबला 98 रनों से जीत लिया।

कोलकाता की ओर से वरुण चक्रवर्ती और हर्षित राणा तीन- तीन विकेट लिये। आंद्रे रसल को दो विकेट मिले। मिचेल स्टार्क और सुनील नारायण ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले कोलकाता ने बेहतरीन बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए लखनऊ को जीत के लिए 236 रनों का लक्ष्य दिया था।

आज यहां लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता की फिल सॉल्ट और सुनील नारायण की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिये 61 रन जोडे। पांचवें ओवर में नवीन उल हक ने फिल सॉल्ट को आउट कर लखनऊ को पहली सफलता दिलाई। सॉल्ट ने 14 गेंदों में पांच चौके और एक छक्के की मदद से (32) रन बनाये। इसके बाद 12वें ओवर में रवि बिश्नोई ने सुनील नारायण को आउट किया। सुनील नारायण ने 39 गेंदों में छह चौके और सात छक्के लगाते हुए तूफानी अंदाज में (81) रनों की पारी खेली। अंगकृष रघुवंशी (32), आंद्रे रसल (12), रिंकू सिंह (16) और कप्तान श्रेयस अय्यर (23) रन बनाकर आउट हुये।

रमनदीप सिंह 25 और वेंकटेश अय्यर (1) रन बनाकर नाबाद रहे। कोलकाता ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 235 रनों का स्कोर खड़ा किया। लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से नवीन उल हक ने तीन विकेट लिये। यश ठाकुर, रवि बिश्नोई और युद्धवीर सिंह चरक ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

पंजाब से लगातार 5 हार के बाद जीती चेन्नई

पिछले मैच का हिसाब बराबर किया जडेजा ने 43 रन बनाए, 3 विकेट भी लिए

धर्मशाला, 05 मई (एजेंसियां)।

चेन्नई सुपर किंग्स ने खझङ-2024 के प्लेऑफ की उम्मीदें मजबूत कर ली है। टीम ने मौजूदा सीजन के 53वें मुकाबले में पंजाब किंग्स को 28 रन से हराया। चेन्नई की पंजाब के खिलाफ लगातार पांच हार के बाद यह पहली जीत है। इस जीत से चेन्नई सुपर किंग्स पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर आ गई है। चेन्नई के पास 11 मैचों के बाद 12 अंक हैं।

धर्मशाला मैदान पर रविवार को पंजाब ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। चेन्नई ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 167 रन बनाए। जवाब में पंजाब 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 139 रन बना सकी। रवींद्र जडेजा ने दोहरा प्रदर्शन किया। उन्होंने 26 बॉल पर 43 रन की पारी खेली। इतना ही नहीं, 3 विकेट भी हासिल किए। जडेजा को इस प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

चेन्नई की तरफ से सबसे ज्यादा 43 रन रवींद्र जडेजा ने बनाए। चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान एमएस धोनी पहली ही बॉल पर बोल्ड हो गए। उन्हें हर्षल पटेल ने आउट किया। ऋतुराज गायकवाड ने 32 और डेरिल मिचेल ने 30 रन की पारी खेली। मोईन अली और शार्दूल ठाकुर ने 17-17 रन का योगदान दिया। पंजाब की ओर से राहुल चाहर और हर्षल पटेल ने 3-3 विकेट लिए।

वहीं टारगेट का पीछा कर रही पंजाब की तरफ से ओपनर प्रभसिमरन सिंह ने सबसे ज्यादा 30 रन बनाए। उनके अलावा शशांक सिंह ने 27 रन की पारी खेली। चेन्नई की ओर से रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट झटके। तुषार देशपांडे और सिमरजीत सिंह ने 2-2 विकेट लिए। शार्दूल ठाकुर और मिचेल सैंटनर को 1-1 विकेट मिला।

पंजाब को हराकर चेन्नई पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर पहुंचा गई है। टीम एक 11 मैचों में 6 जीत और 5 हार से 12 पॉइंट्स हो गए हैं। दूसरी ओर पंजाब हार के बावजूद आठवें नंबर पर है। टीम के 11 मैचों में 4 जीत और 7 हार से 8 पॉइंट्स हैं।

महिला हॉकी लीग में हरियाणा ने बंगाल और मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र को हराया

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां) ।

राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग 2024 (चरण 1) में हरियाणा ने बंगाल और मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र को हराया। हरियाणा की टीम ने रोमांचक मुकाबले में बंगाल को 4-3 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। वहीं मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र को 2-1 से हरा दिया।

दिन के शुरुआती मैच में, बंगाल की टीम कुछ ही समय में बढ़त हासिल करने में सफल रही और सिलबिया नाग (दूसरे मिनट) ने खेल की शुरुआत में ही पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया। इसके बाद सेलेस्टिना होरो (19वें) ने दूसरे क्वार्टर में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। हरियाणा की कप्तान नीलम (20वें) ने तुरंत जवाबी कार्रवाई करते हुए पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला जिससे घाटा कम हुआ क्योंकि मध्यांतर तक बंगाल 2-1 से आगे था। नंदनी (41वें) ने हरियाणा के लिए एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर स्कोर बराबर कर दिया, इससे पहले शशि खासा (43वें) ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर हरियाणा को बढ़त दिलाने में मदद की। अंतिम क्वार्टर की शुरुआत में पिंकी (46वें मिनट) ने फील्ड गोल करके हरियाणा को 4-2 की बढ़त दिला दी। शांति होरो (51वें मिनट) ने बंगाल के लिए फील्ड गोल करके वापसी की संभावना पैदा की, लेकिन हरियाणा ने अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए विजेता बना। दिन के दूसरे मुकाबले में मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र को 2-1 से हराया। पहला हाफ बिना किसी गोल के शांत रहने के बाद, मध्य प्रदेश ने तीसरे क्वार्टर में आंचल साहू (45वें) के फील्ड गोल से गतिरोध को तोड़ते हुए बढ़त बना ली। महाराष्ट्र की कप्तान अश्विनी कोलेकर (50वें मिनट) ने अंतिम क्वार्टर में सिर्फ पांच मिनट से कम समय में फील्ड गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। हालांकि, स्वाति (54वें मिनट) ने मैदानी गोल करके मध्य प्रदेश को फिर से बढ़त दिला दी। इसके बाद, मध्य प्रदेश ने अपनी एक गोल की बढ़त बरकरार रखने के लिए कड़ा बचाव खेल खेला। बाद में मिजोरम का मुकाबला मणिपुर से होगा, जबकि झारखंड का मुकाबला ओडिशा से होगा।

भारतीय बॉक्सिंग के लिए ऐतिहासिक दिन,-22 एशियाई यूथ बॉक्सिंग में 43 मेडल पक्के हुए

नई दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां) ।

आकाश गोरखा, विश्वनाथ सुरेश, निखिल और प्रीत मलिक एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अंडर-22 पुरुषों के फाइनल में पहुंच गए। इसी के साथ भारतीय मुक्केबाजों ने सभी श्रेणियों में 43 पदक पक्के कर लिए हैं। सीनियर राष्ट्रीय चैंपियन आकाश ने 60 किग्रा वर्ग में अपना दबदबा कायम रखते हुए सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान के इलियासोव सयात को 5-0 से हराया। मुकाबले की समीक्षा के बाद मौजूदा युवा विश्व चैंपियन विश्वनाथ (48 किग्रा) ने फिलीपींस के बारिकुआत्रो ब्रायन के खिलाफ 5-2 से जीत दर्ज की। अन्य दो सेमीफाइनलिस्ट, निखिल (57 किग्रा) और प्रीत (67 किग्रा) ने भी क्रमशः मंगोलिया के दोर्जन्याम्बु गनबोल्ड और किर्गिस्तान के अल्माज़ ओरोजबेकोव के खिलाफ समीक्षा के बाद समान 5-2 स्कोर के साथ अपने मुकाबले जीते। इस बीच, एम जदुमणि सिंह (51 किग्रा), अजय कुमार (63.5 किग्रा), अंकुश (71 किग्रा), ध्रुव सिंह (80 किग्रा), जुगनू (86 किग्रा) और युवराज (92 किग्रा) के लिए यह निराशाजनक था क्योंकि उन्होंने कांस्य पदक के साथ अपना अभियान समाप्त किया। अंडर-22 सेमीफाइनल में उनकी हार। ओलंपिक के लिए

क्वालीफाई कर चुकी प्रीति (54 किग्रा) सहित नौ महिला मुक्केबाज अंडर-22 सेमीफाइनल में भाग लेंगी। अंडर-22 का फाइनल मंगलवार को खेला जाएगा। शुक्रवार रात खेले गए युवा महिला सेमी में मौजूदा जूनियर विश्व चैंपियन निशा (52 किग्रा) और एशियाई युवा चैंपियन निकिता चंद (60 किग्रा) के साथ पांच अन्य मुक्केबाजों ने फाइनल में प्रवेश किया। युवा वर्ग में लक्ष्य राठी (92 किग्रा), अन्नू (48 किग्रा), यात्री पटेल (57 किग्रा), पार्थवी ग्रेवाल (66 किग्रा), आकांशा फलसवाल (70 किग्रा) और निर्झरा बाना (+81 किग्रा) को हार का सामना करना पड़ा और उन्होंने कांस्य पदक के साथ अपना अभियान समाप्त किया। यूथ फाइनल में अब 14 भारतीय मुक्केबाज होंगे जिनमें पुरुष और महिला दोनों वर्गों में सात-सात स्वर्ण के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। यूथ वर्ग का फाइनल खेला जाएगा। भारतीय मुक्केबाजों ने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 43 पदक हासिल किए हैं, जिसमें चीन, भारत, कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान जैसे मजबूत मुक्केबाजी देशों सहित 24 से अधिक देशों के 390 से अधिक मुक्केबाजों की उपस्थिति के साथ हाई-वोल्टेज प्रतियोगिता देखी जा रही है।

सिराज का 'कभी न हार मानने वाला रवैया' उनकी असली ताकत है : सुनील गावस्कर

बेंगलुरू, 05 मई (एजेंसियां) ।

भारतीय बल्लेबाजी के दिग्गज सुनील गावस्कर ने गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत में मोहम्मद सिराज के योगदान के बारे में चर्चा में दाएं हाथ के तेज गेंदबाज के आत्मविश्वास को कभी न हार मानने वाला रवैया बताया और कहा कि मैदान पर उनका यही रवैया एक खिलाड़ी के रूप में उनकी असली ताकत है।

जीटी के खिलाफ मैच में, सिराज ने पावरप्ले के दौरान गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराकर अपने कौशल का प्रदर्शन किया, जिससे रिद्धिमान साहा आउट हो गए। उन्होंने आगे चलकर शुभमन गिल को एक शॉट खेलने के लिए ललचाया जिसके परिणामस्वरूप लीडिंग एज से डीप पॉइंट पर कैच हो गए।

सिराज का प्रभावशाली प्रदर्शन 2-29 के आंकड़े के साथ समाप्त हुआ, जिससे उन्हें आरसीबी की चार विकेट की जीत के बाद प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

हर बार जब आप मोहम्मद सिराज को देखते हैं, तो आप जानते हैं कि वह अपना दिल दे देंगे। उस समय को याद करें जब उनके पिता का निधन हो गया था जब वह ऑस्ट्रेलिया में थे। वह आगे बढ़े। बहुत से लोग वापस जाना चाहेंगे क्योंकि आपके माता-पिता हैं । गाव स्कर ने कहा,
आप बहुत प्रिय हैं। उन्होंने आपका पालन-पोषण किया है और उन्होंने आपको सब कुछ दिया है। लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें एहसास हुआ कि भारत के लिए खेलना महत्वपूर्ण है।

इसके अलावा, वह उस स्तर पर स्थापित नहीं था। एक स्थापित खिलाड़ी 100 फ़ीसदी वापस चला गया होता। जब आप स्थापित नहीं होते हैं, और आप टीम में अपनी जगह पाने की कोशिश कर रहे हैं, तो आप वहीं टिके रहते हैं। और यही उन्होंने किया। उन्होंने कहा, और याद रखें कि गाबा टेस्ट मैच में उन्होंने कितनी शानदार गेंदबाजी की थी। स्टीव स्मिथ जैसे खिलाड़ी को तब आउट करना जब वह 55 रन पर थे, क्योंकि स्टीव स्मिथ को तब आउट करना जब वह बल्लेबाजी करने आ रहे हों, एक बात है, लेकिन जब वह सेट हो जाएं और फिर उन्हें आउट करना है एक और बात। तो, यह मोहम्मद सिराज की असली ताकत है, आत्म-विश्वास और मैदान पर कभी न हार मानने वाला रवैया। तेज गेंदबाजों के प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद जीटी को 147 रन के स्कोर पर आउट करने के बाद, विराट कोहली (42), फाफ डु प्लेसिस (64) ने आरसीबी को केवल 35 गेंदों में 92 रन की शुरुआती साझेदारी के साथ धमाकेदार शुरुआत दी। हालाँकि रन-चेज़ के दौरान कुछ घबराहट हुई, लेकिन आरसीबी सहज थी क्योंकि उन्होंने 6.2 ओवर शेष रहते लक्ष्य का पीछा कर लिया। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर पॉल कॉलिंगवुड ने कल रात आरसीबी के प्रदर्शन पर चर्चा की, विशेष रूप से विराट कोहली के योगदान पर प्रकाश डाला, मेरा मानना है कि प्रदर्शन उतना प्रभावशाली था जितना कि कोई भी आरसीबी प्रशंसक उम्मीद कर सकता था। आरसीबी ने गेंद के साथ जो तीव्रता दिखाई, वह सराहनीय थी। मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए भी कुल मिलाकर, विराट कोहली को अपनी क्रीज से बाहर निकलते हुए और आसानी से दूसरी गेंद पर छह रन के लिए फ्लिक करते हुए देखना उनके आक्रामक इरादे का संकेत देता है।

फेमस ब्यूटी क्वीन की रेस्तरां में गोली मारकर हत्या, इंस्टाग्राम पोस्ट से बदमाशों को मिली लोकेशन

इक्काडोर, 05 मई (एजेंसियां)। इक्काडोर की ब्यूटी क्वीन और सोशल मीडिया इन्फ्लएंसर लैंडी परेजा गोयबूरो की रेस्तरां में ही हत्या हो गई। जानकारी के मुताबिक वह सी फूड इंजॉय करने एक रेस्तरां में पहुंची थीं। खाने के दौरान वह अपने तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करने लगीं। इसमें उन्होंने अपनी लोकेशन भी शेयर की थी। इसके बाद बदमाशों को लोकेशन पता चल गई और दो बंदूकधारी रेस्तरां पहुंच गए। मौके पर ही उन्होंने ब्यूटी क्वीन की गोली मारकर हत्या कर दी।23 साल की परेजा गोयबूरो ने 2022 के मिस इक्काडोर कॉन्टेस्ट में भी हिस्सा लिया था। 28 अप्रैल को उनकी क्वेवेदो सिटी के रेस्तरां में हत्या कर दी गई। वह किसी शादी समारोह में शामिल होने वहां पहुंची थीं। रिपोर्ट के मुताबिक गोयबूरो का एक ड्रग तस्कर लियांद्रो नोरेरो के साथ अफेयर था। ड्रग ट्रैफिकर की एक साल पहले ही जेल में हुए दंगे के दौरान मौत हो गई थी।

पुलिस का कहना है कि संभव है कि नोरेरो की विधवा पत्नी ने ही गोयबूरो की हत्या की सुपारी दी हो। मौत से पहले ही ब्यूटी क्वीन ने अपनी तस्वीरें शेयर की थीं। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई। जानकारी के मुताबिक जब वह गेट के पास किसी से बात कर रही थीं तभी दो बंदूकधारी पहुंचे। एक बंदूकधारी ने गोयबूरो पर गोलियां चली दी और मौके से फरार हो गया।

जानकारी के मुताबिक गोयबूरो को तीन गोलियां लगी थीं। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। ड्रग ट्रैफिकर नोरेरो गोयबूरो को महंगे गिफ्ट दिया करता था। इसके अलावा नोरेरो के फोन में भी ब्यूटी क्वीन की तस्वीरें पाई गई थीं। एक रिपोर्ट के मुताबिक दिसंबर 2023 में ब्यूटी क्वीन तब चर्चा में आ गई थी जब नोरेरो के अकाउंटेंट और गोयबूरो के बीच चैट सार्वजनिक हो गए थे। ट्रायल कोर्ट में वकील ने खुलासा किया था तो नोरेरो नहीं चाहता था कि गोयबूरो के साथ उसका अफेयर उसकी पत्नी को पता चले। उसे डर था कि उसकी पत्नी कोई भी खतरनाक कदम उठा सकती है।

न्यूज ब्रीफ

नर्क का दरवाजा बना प्रसिद्ध टूरिस्ट डेस्टिनेशन, बिखरे हैं कंकाल, जहाजों के मलबे

नामिब । अफ्रीका के दक्षिणी हिस्से में स्थित नामीबिया देश में एक रेगिस्तान है नामिब। पुराने वक्त में पुर्तगाली नाविकों ने इस रेगिस्तान के पास स्थित समुद्री तट को 'नर्क का दरवाजा' बताया था। इस वजह से यहां कोई नहीं जाना चाहता। पर आपको जानकर हैरानी होगी, कि ये जगह एक प्रसिद्ध टूरिस्ट डेस्टिनेशन बन चुकी है। जानकारी के अनुसार नामीबिया का स्केलिटन कोस्ट बेहद खौफनाक अनुभव देने वाली जगह है। 'नर्क का दरवाजा', 'धरती का अंत', जैसे उपनामों से इस जगह को जाना जाता है। लोगों का मानना है कि इस इलाके को भगवान ने बेहद गुस्से में बनाया होगा। ये वो जगह है जहां पर समुद्र और रेगिस्तान एक दूसरे से मिलते हैं। यहां लंबी दूरी तक रेत के टीले फैले हैं, जंगली जानवर रहते हैं और उसके साथ-साथ चारों ओर कंकाल, जहाजों के मलबे आदि भी फैले रहते हैं।जब भी समुद्र में लो टाइड आती है, और पानी पीछे जाता है, तो कई कंकाल तट पर पड़े दिख जाते हैं। इस इलाके के पास बहुत लोग नहीं रहते हैं। यहां काफी हाथी पाए जाते हैं जो रेत में गड्ढा खोदकर अंदर से पानी निकालते हैं। इसके अलावा जिराफ, शेर, हायना, और बबून जैसे जीव भी यहां पाए जाते हैं। सीएनएन के अनुसार इस इलाके में हिंबा जनजाति के लोग भी रहते हैं। इस जनजाति के लोग नहाते ही नहीं हैं।इस इलाके में चूंकि आबादी बेहद कम है, इस वजह से यहां पर प्रदूषण भी नहीं है। इस वजह से आसमान बेहद साफ नजर आते हैं। यहां पर लोग ड्यून ट्रेकिंग करने आते हैं। गाड़ियों पर वो इस रेगिस्तान के टीलों की यात्रा करते हैं।

नाइट आउट पर निकलीं सांसद के साथ यौन उत्पीड़न, इंस्टाग्राम पर खुद बताई पूरी घटना, पुलिस कर रही जांच

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड की सांसद ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि एक नाइट आउट के दौरान उन्हें नशीला पदार्थ खिलाकर, उनके साथ यौन शोषण किया गया था। सहायक स्वास्थ्य मंत्री ब्रिटनी लौगा ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट पर बताया कि उनके निर्वाचन क्षेत्र येप्पून में शाम के समय उनके ऊपर हमला किया गया था। उन्होंने कहा, ऐसा किसी के साथ भी हो सकता है। दुखद बात यह है कि यह हममें से कई लोगों के साथ होता है। 37 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई सांसद 28 अप्रैल को पहले पुलिस के पास गई और फिर वहां से अस्पताल पहुंचीं। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। ऑस्ट्रेलियाई सांसद ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर किया घटना का जिक्र ऑस्ट्रेलियाई सांसद ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा, अस्पताल में कराए गए टेस्ट में पता चला कि मुझे ड्रग्स दिया गया था। उन्होंने आगे बताया कि इस ड्रग्स ने उनके शरीर को प्रभावित किया था। इतना ही नहीं, जो भी महिलाएं उनके संपर्क में आईं, उन सभी को ड्रग्स दिया गया। ऑस्ट्रेलियाई सांसद ने कहा, यह ठीक नहीं है। हम ड्रग्स दिए जाने और हमले के डर के बिना अपने शहर में मेलजोल बढ़ाने का साहस रख सकें। पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर येप्पून में मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने आगे बताया कि फिलहाल इस मामले में और कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई है। पुलिस ने लोगों से अनुरोध किया कि इस मामले को लेकर किसी के पास भी कोई जानकारी होने पर वे अधिकारियों से संपर्क करें। क्वींसलैंड की आवास मंत्री मेगन स्कैनलॉन ने इस घटना को चौंकाने वाला और भयानक बताया।

मुख्य न्यायाधीश ईसा पर भड़के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, पीटीआई से पक्षपात करने का लगाया आरोप

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान लंबे समय से जेल में बंद है। इस बीच, उन्होंने पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश पर निशाना साधा। सीजेपी काजी फैज ईसा पर उन्होंने पीटीआई के प्रति पक्षपाती होने का आरोप लगाया। उन्होंने न्यायपालिका से आग्रह किया है कि उनके मामलों की सुनवाई में तेजी लाई जाए। इमरान खान ने सीजेपी पर साधा निशाना अदियाला जेल में पत्रकारों को दिए एक संदेश में खान ने न्यायमूर्ति ईसा को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार की 'बी टीम' बताया। उन्होंने कहा, 'मैं अपने मामलों की सुनवाई कर रहे सभी न्यायाधीशों से आग्रह करता हूं कि वे सुनवाई में तेजी लाएं और मुकदमे में हो रही देरी से बचें। फैसलों में देरी करना अन्यायपूर्ण है। इमरान ने सीजेपी की आलोचना करते हुए कहा, 'आपने पीटीआई से चुनाव चिन्ह छीन लिया। समान अवसर देने से इनकार कर दिया।

यूएस के बाद अब इन देशों में भड़का गुस्सा, कहीं नारेबाजी तो कहीं पुलिस की कार्रवाई के बीच विरोध

वॉशिंगटन, 05 मई (एजेंसियां) । हमास और इजराइल बीते सात महीने से जंग लड़ रहे हैं। इजराइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर अमेरिका के बाद कई और देशों में गुस्सा भड़क गया है। दुनियाभर के छात्र इजराइल के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। आइए जानते हैं कि फलस्तीनियों के समर्थन में किन-किन देशों में प्रदर्शन हो रहे हैं।

अमेरिका में सबसे पहले हुआ विरोध-प्रदर्शन - गाजा के लोगों की हालत को लेकर सबसे पहले अमेरिका के छात्रों ने आवाज उठाई। उन्होंने इजराइल के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया। 17 अप्रैल से लेकर अबतक कम से कम यहां के 40 विश्वविद्यालय परिसरों में प्रदर्शनकारी एकत्र हो चुके हैं। इन लोगों ने गाजा पट्टी में बढ़ती मौतों की संख्या के विरोध में विश्वविद्यालय परिसरों में तंबू लगाए। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, विरोध प्रदर्शनों को लेकर करीब दो हजार लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। हाल के दिनों में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प देखी गई। विश्वविद्यालय के प्रशासन के अनुरोध पर पुलिस ने कार्रवाई की। न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय में धरने पर बैठे कई छात्रों को जबरदस्ती हटाया गया। इतना ही नहीं, कोलंबिया विश्वविद्यालय में जिस जगह पर प्रदर्शन हो रहे थे वहां बैरिकेड लगाए गए। वहीं, कुछ छात्रों ने पुलिस द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने की शिकायत दी। लॉस एंजिल्स के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में सैकड़ों पुलिस ने प्रदर्शनकारियों द्वारा लगाए गए टेंटों को तोड़ा। इसके अलावा 200 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्जीनिया विश्वविद्यालय में फलस्तीनी समर्थक शिविर को तोड़ने के लिए पुलिस ने रासायनिक स्प्रे का इस्तेमाल किया। इसके अलावा, रोड आइलैंड में ब्राउन विश्वविद्यालय के छात्रों ने अपने टेंट हटाने का फैसला तब लिया, जब उन्हें आश्वासन दिया गया कि उनकी मांग पर विचार किया जाएगा। हालांकि, देशभर में बढ़ते विरोध-प्रदर्शनों को लेकर राष्ट्रपति जो बाइडन ने जोर देकर कहा कि कानून बनाए रखें।

फ्रांस के इन कॉलेजों तक भड़की आग - पुलिस ने देश के शीर्ष पॉलिटिकल साइंस स्कूल साइंस पो में फलस्तीनियों के समर्थन में उतरे प्रदर्शनकारियों को जबरदस्ती हटाया। इतना ही नहीं, पुलिस ने यहां करीब 91 लोगों को गिरफ्तार भी किया। साइंस पो स्कूल के अंतरिम प्रशासक जीन बेसेरेस ने इस्राइली विश्वविद्यालयों के साथ संस्थान के संबंधों की जांच करने की एक छात्र की मांग को खारिज कर दिया। फ्रांस में सोरबोन विश्वविद्यालय के बाहर यहूदी छात्रों के संघ ने बातचीत के लिए एक बैठक की। अतिथि वक्ता के रूप में कॉमिक-बुक कलाकार जोआन सफार इस बैठक में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि लोगों को समझना चाहिए कि आखिर छात्र विरोध- प्रदर्शन क्यों कर रहे हैं। इसके अलावा पेरिस-डॉफिन विश्वविद्यालय में भी हालात बिगड़ते दिखे। अंतरराष्ट्रीय कानून में एक फ्रेंको-फलस्तीनी विशेषज्ञ रीमा हसन से जुड़े एक सम्मेलन पर प्रशासकों ने प्रतिबंध लगा दिया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने साइंस पो और अन्य फ्रांसीसी विश्वविद्यालयों में लगाए गए नाकेबंदी की निंदा की।

जर्मनी में फलस्तीनियों का समर्थन - यहां भी इजराइल के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। मध्य बर्लिन में हम्बोल्ट विश्वविद्यालय के बाहर प्रदर्शन कर लोगों को वहां से हटाने के लिए पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। पुलिस ने बताया कि पहले इन लोगों को चेतावनी दी गई, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने हटने से मना कर दिया, तब जबरदस्ती इन लोगों को हटाया गया। बर्लिन के मेयर काई वेगनर ने विरोध की आलोचना की। उन्होंने कहा कि देश में संयुक्त राज्य अमेरिका या फ्रांस जैसी घटनाओं को होते नहीं देखना चाहते थे।

कनाडा में भी विरोध-प्रदर्शन - छात्रों ने मॉन्ट्रियल, ओटावा, टोरंटो और वैंकूवर सहित कई शहरों में गाजा में हो रहे युद्ध के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है। पुलिस की चेतावनी के बाद भी मॉन्ट्रियल के मैकगिल विश्वविद्यालय में हो रहे विरोध-प्रदर्शन में सैकड़ों लोग शामिल हुए। उन्होंने तब तक यहां रहने की कसम खाई है जब तक मैकगिल इजराइल के साथ सभी वित्तीय और शैक्षणिक संबंधों को खत्म नहीं कर देता। विश्वविद्यालय प्रशासकों ने आरोप लगाया कि कुछ प्रदर्शनकारी छात्र निकाय के सदस्य नहीं हैं। प्रशासन का कहना है कि वह टेंटों को तुरंत हटाना चाहते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में समर्थकों ने लहराए झंडे - सैकड़ों समर्थकों ने सिडनी विश्वविद्यालय में नारेबाजी की और झंडे लहराए। यहां थोड़ी बहुत बहस के बीच विरोध शांतिपूर्ण ढंग से किया गया। संघर्ष विराम समर्थक प्रदर्शनकारी विश्वविद्यालय के सामने एक हरे लॉन में 10 दिनों से डेरा डाले हुए हैं। वे चाहते हैं कि यह इजराइल संस्थानों के साथ संबंधों को खत्म करे और हथियार कंपनियों से धन को दे।

आयरलैंड में भी विरोध-प्रदर्शन - कॉलेज डबलिन विश्वविद्यालय में छात्रों ने फलस्तीनी समर्थक विरोध-प्रदर्शन किया।

मैक्सिको में लगे फ्री फलस्तीन के नारे - देश के सबसे बड़े विश्वविद्यालय यूएनएएम के दर्जनों छात्रों ने राजधानी में एक शिविर लगाया। प्रदर्शनकारियों ने फ्री फलस्तीन के नारे लगाए। स्विट्जरलैंड में सैकड़ों लोग कर रहे विरोध लुसाने विश्वविद्यालय के प्रवेश द्वार पर सैकड़ों छात्रों ने विरोध किया। धरने पर बैठे करीब 100 लोगों ने गाजा में तत्काल संघर्ष विराम का आह्वान किया।

चीन के राष्ट्रपति शी पहुंच सकते हैं फ्रांस, मैक्रों ने आर्थिक संबंधों में बदलाव लाने का किया आह्वान

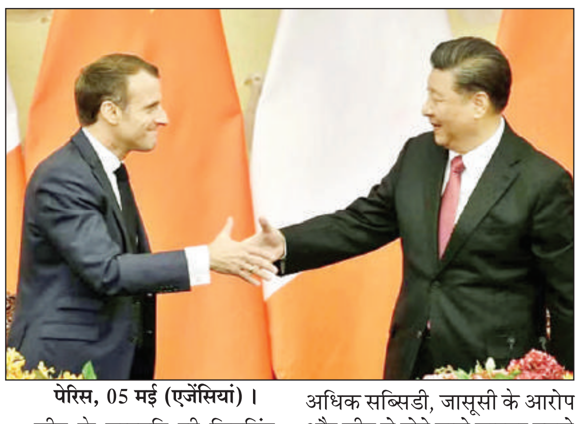

पेरिस, 05 मई (एजेंसियां) । चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग जल्द ही फ्रांस की यात्रा पर जा सकते हैं। इस बीच, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ड्रैगन के साथ देश के आर्थिक संबंधों में बदलाव लाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यूरोप चीन के साथ अपने आर्थिक संबंधों में अधिक पारस्परिकता चाहता है, ताकि आर्थिक सुरक्षा बेहतर हो सके।

चीन कई क्षेत्रों में अधिक ताकतवर

मैक्रों ने अपडेट को लेकर इटालियन शब्द एगिओर्नामेंटो का इस्तेमाल करते हुए कहा, मैं संबंधों में बदलाव लाने का आह्वान कर रहा हूं क्योंकि चीन कई क्षेत्रों में अधिक ताकतवर है और यूरोप को बड़े पैमाने पर निर्यात करता है।

दोनों देशों के बीच बिगड़ रहे संबंध

एक रिपोर्ट के अनुसार, शी जिनपिंग फ्रांस पहुंच सकते हैं। बताया जा रहा है कि यूरोप में पांच दिवसीय दौरे का यह पहला पड़ाव होगा। यह यात्रा ऐसे समय में की जा रही है, जब यूरोपीय संघ द्वारा अधिक सब्सिडी, जासूसी के आरोप और चीन से होने वाले साइबर हमले को लेकर दोनों देशों के बीच संबंध बिगड़ते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि मैक्रों ने पिछले साल के अंत में चीनी ईवीएस में एक प्रमुख यूरोपीय संघ की जांच का समर्थन किया था।

एलिसी पैलेस में एक रात्रिभोज होगा

बताया जा रहा है कि सबसे पहले फ्रांसीसी राष्ट्रपति पेरिस के एलिसी पैलेस में एक रात्रिभोज में शी की मेजबानी करेंगे। इसके बाद वह अपने चीनी मेहमान को अपनी दादी के घर ले जाएंगे, जहां उन्होंने अपना बचपन बिताया था। शी ने पिछले साल मैक्रों को ग्वांगदोंग के गवर्नर के आवास पर चाय पर आमंत्रित किया था।

हमें चीन के लोगों की आवश्यकता

आर्थिक मुद्दों पर सख्त रुख अपनाते हुए मैक्रों ने कहा, मैं स्पष्ट कर दूं कि मैं चीन से दूरी बनाने का प्रस्ताव नहीं कर रहा हूं। चाहे वह जलवायु के बारे में हो या सुरक्षा के बारे में, हमें चीनियों की आवश्यकता है।

अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा चीन, ताइवान की सीमा के पास फिर भेजे सैन्य विमान

टाइपे, 05 मई (एजेंसियां) । ताइवान की सीमा के करीब दो दिन सुबह-सुबह सात चीनी सैन्य विमान और पांच नौसैनिक जहाजों को देखा गया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। सात चीनी सैन्य विमानों में से एक ने ताइवान जलडमरूमध्य को पार किया और ताइवान के दक्षिण पश्चिम वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश किया। चीन की तरफ से इस कार्रवाई के जवाब में ताइवान के सशस्त्र बलों ने स्थिति की निगरानी करते हुए क्षेत्र में लड़ाकू विमान, नौसैनिक जहाजों और तटीय मिसाइल प्रणालियों को तैनात किया। सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा, पीएलए विमान और पांच पीएलएएन जहाजों को ताइवान की सीमा पर देखा गया। उनमें से एक विमान ताइवान जलडमरूमध्य को पार करते हुए ताइवान के दक्षिण पश्चिम वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में घुस गया। आरओसी सशस्त्र बलों ने स्थिति की निगरानी करते हुए इस कार्रवाई का जवाब दिया।

ताइवान की सीमा पर देखे गए चीन के विमान ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया था कि शुक्रवार और शनिवार को छह बजे नौ चीनी सैन्य विमान और पांच नौसैनिक जहाजों को देश की सीमा के पास देखा गया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के अनुसार, चीन की इस हरकत पर जवाबी कार्रवाई करते हुए ताइवान ने लड़ाकू विमान, नौसैनिक जहाजों और तटीय मिसाइल प्रणालियों को काम पर लगा दिया है। मई में अबतक 39 बार चीनी सैन्य विमान और 21 बार नौसैनिक जहाजों को ताइवान की सीमा पर देखा ज चुका है। अप्रैल में ताइवान की हवाई सीमा में चीन के 164 विमानों को ट्रैक किया है। सितंबर 2020 से चीन ने ताइवान के आसपास परिचालन करने वाले सैन्य विमानों और नौसैनिक जहाजों की संख्या में वृद्धि की है। बता दें कि अगस्त 2022 में संयुक्त राज्य अमेरिका की पूर्व हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने ताइवान का दौरा किया था।

कनाडा कानून के शासन वाला देश, निज्जर हत्या मामले में तीन भारतीयों की गिरफ्तारी पर बोले पीएम ट्रूडो

ओटावा, 05 मई (एजेंसियां) । खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा के बीच तनातनी बनी हुई है। कनाडा ने हाल ही में इस मामले में तीन भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इसी को लेकर प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि कनाडा कानून के शासन वाला देश है, जहां मजबूत एवं स्वतंत्र न्याय प्रणाली है।

इन लोगों को किया गिरफ्तार - बता दें, 18 जून 2023 में कनाडा के सरी शहर में एक गुरुद्वारा साहिब के निकट गोली मारकर खालिस्तानी समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में कनाडा पुलिस ने तीन आरोपियों करनप्रीत सिंह, कमलप्रीत सिंह और करण बराड़ को गिरफ्तार किया है। इन लोगों पर प्रथम डिग्री हत्या और हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है।

कानून के शासन वाला देश - ट्रूडो टोरंटो में सिख विरासत का जश्न मनाने वाले एक समारोह में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने गिरफ्तारियों के

बारे में कहा, यह महत्वपूर्ण है क्योंकि कनाडा एक मजबूत और स्वतंत्र न्याय प्रणाली के साथ-साथ अपने सभी नागरिकों की रक्षा के लिए एक मौलिक प्रतिबद्धता वाला कानून के शासन वाला देश है।

जांच तीन लोगों की संलिप्तता तक सीमित नहीं - एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ट्रूडो ने कहा कि जैसा कि आरसीएमपी का कहना है कि जांच चल रही है। आगे भी जारी रहेगी। साथ ही जांच कल गिरफ्तार किए गए तीन लोगों की संलिप्तता तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि निज्जर की हत्या के बाद सिख समुदाय के कई लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। हर कनाडाई को सुरक्षित रूप से रहने और कनाडा में भेदभाव और हिंसा के खतरों से मुक्त रहने का मौलिक अधिकार है।

भारत और कनाडा के बीच संबंध तनावपूर्ण - पिछले साल सितंबर में खालिस्तान अलगाववादी 45 वर्षीय निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के ट्रूडो के आरोपों के बाद भारत और कनाडा के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए थे। हालांकि, भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका और प्रेरित बताते हुए खारिज कर दिया था। कहा था कि ये टिप्पणियां कनाडा में अलगाववाद, चरमपंथ और हिंसा को दी गई राजनीतिक जगह को दिखाती है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग से है संबंध - कनाडा पुलिस के अनुसार इन तीनों का संबंध गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के ग्रुप से है। करण बराड़ लगभग साढ़े चार साल पहले 12वीं की पढ़ाई करने के बाद स्टडी वीजा पर कनाडा गया था। वह अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र है। 18 अप्रैल को ही उसके पिता मनदीप सिंह बराड़ की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी।

20 साल की उम्र से ही शुरु कीजिए ब्रिस्क एक्सरसाइज, जिम जाने की जरूरत नहीं, रोज करें तेज वॉकिंग

हार्वर्ड, 05 मई (एजेंसियां) ।

कई रिसर्च में यह बात साबित हो चुकी है कि जिनका वजन ज्यादा होता है वह कई बीमारियों से परेशान रहते हैं और उनकी आयु भी ज्यादा लंबी नहीं होती। इसलिए शरीर पर कभी चर्बी न बढ़े, इसके लिए क्या करना चाहिए, इस बात पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। अगर आप भी चाहते हैं कि आपके शरीर की चर्बी कभी न बढ़ें तो हार्वर्ड मेडिकल स्कूल द्वारा बताए गए इस टिप्स का पालन कीजिए। इन टिप्स को अपनाएं यदि आप चाहते हैं कि शरीर पर वजन ज्यादा न हो तो इसके लिए 20 साल की उम्र से ही नियमित रूप से ब्रिस्क एक्सरसाइज शुरू कर दीजिए।

इसके लिए जिम जाने की जरूरत नहीं है बल्कि आप जो वॉक करते हैं या पैदल चलते हैं उसकी गति बढ़ा दीजिए। रोज आधे से पौन घंटा वॉकिंग, साइक्लिंग, स्विमिंग, रनिंग आदि कीजिए। इससे वजन बढ़ने का चांस ही नहीं होगा। नियमित एक्सरसाइज के बाद आपको हेल्दी फूड की जरूरत है। 20 साल की उम्र से ही हेल्दी खाना खाने की आदत बना लीजिए। रोज साबुत अनाज, हरी पत्तीदार सब्जियों और ताजे फल का सेवन करें। थाली का दो तिहाई हिस्सा सब्जियों और फलों से भरा होना चाहिए। इसके साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए। ज्यादा साबुत या मोटा अनाज को शामिल करें। अंकुरित अनाज कई बीमारियों से दूर रखेगा। इसके अलावा फ्रूट और सीजनल सब्जियों का सेवन बढ़ाएं। हेल्दी फैट्स का सेवन करें। घर में बनाया हुए शेक या पेय पदार्थ ही बेहतर होता है।

हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के मुताबिक सिगरेट, शराब, ड्रग्स आदि को छोड़ना मोटापा पर लगाम लगाने की सबसे बड़ी कोशिशों में से एक है। 20-25 साल के बाद से कोशिश कीजिए कि सिगरेट, शराब न पीएं।

इसके साथ ही बाहर की चीजों से परहेज करना भी जरूरी है। 25 साल के बाद आप फास्ट फूड यानी पिज्जा, बर्गर, चाऊमिन आदि ज्यादा फैट वाली चीजों का सेवन बंद कर दीजिए। क फूड, रिफाइंड से बनी हुई चीजें, मीठी चीजें, रेड मीट, प्रोसेस्ड मीट, कोल्ड ड्रिंक, सोडा, शराब, सिगरेट से परहेज करें।

शरीर पर चर्बी न चढ़ें, इसके लिए यह भी जरूरी है कि आप रोज पर्याप्त नींद लें। रोज सवेरे सोएं और सवेरे उठ जाएं। कोशिश करें कि रोज 7 से 8 घंटे की नींद लें। नींद की गुणवत्ता को बढ़ाएं। पर्याप्त नींद लेना मोटापे से बचने के लिए बहुत जरूरी है।

नींद में भी सुकून भरी नींद जरूरी है। आज के जेनरेशन में रात को सोते समय अमूमन लोग मोबाइल स्क्रीन को देखते हुए सोते हैं। लेकिन यह तरीका बहुत गलत है।

रात में स्क्रीन को देखने से एक तो नींद जल्दी नहीं आएगी, दूसरी ओर इससे तनाव बढ़ेगा। तनाव बढ़ने से कई बीमारियां होंगी। इसलिए रात में सोते समय मोबाइल देखते हुए न सोएं। बता दें कि दुनिया भर में करीब 2 अरब लोग मोटापे के शिकार हैं।

यहां तक कि बचपन से ही लोग मोटे हो रहे हैं। वजन में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। लेकिन सवाल यह है कि मोटा होना ही क्यों है। मोटापा कई बीमारियों की वजह है। इसलिए हम यह कोशिश क्यों न करें कि शरीर पर वजन बढ़े ही न। आखिर बहुत सारे लोग कभी मोटा नहीं होते, वे कैसे बिना वजन बढ़ाए रह लेते हैं।

मासिक शिवरात्रि पर करें इन मंत्रों का जाप

सभी कष्टों से मिलेगी मुक्ति

वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मासिक शिवरात्रि का पर्व बेहद उत्साह के साथ मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मासिक शिवरात्रि पर भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा और व्रत करने से महादेव प्रसन्न होते हैं और साधक के जीवन में खुशियों का आगमन होता है। इस बार मासिक शिवरात्रि 06 मई को है। अगर आप इस खास अवसर पर प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहते हैं, तो पूजा के दौरान भगवान शिव के मंत्रों का जाप करें । इससे साधक को सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है। आइए, मंत्र जाप करते हैं।

शिव नमस्कार मंत्र

शम्भवाय च मयोभवाय च नमः शंकराय च मयस्कराय च नमः शिवाय च शिवतराय च।।

ईशानः सर्वविध्यानामीश्वरः सर्वभूतानां ब्रम्हाधिपतिमहिर्बम्हणोधपतिर्बम्हा शिवो मे अस्तु सदाशिवोम।।

शिव नामावली मंत्र

श्री शिवाय नम:
श्री शंकराय नम:
श्री महेश्वराय नम:
श्री सांबसदाशिवाय नम:
श्री रुद्राय नम:
ॐ पार्वतीपतये नम:
ॐ नमो नीलकण्ठाय नम:

शिव आवाहन मंत्र

ॐ मृत्युंजय परेशान जगदाभयनाशन ।
तव ध्यानेन देवेश मृत्युप्राप्नोति जीवती ।।
वन्दे ईशान देवाय नमस्तस्मै पिनाकिने ।
नमस्तस्मै भगवते कैलासाचल वासिने ।
आदिमध्यांत रूपाय मृत्युनाशं करोतु मे ।।
त्र्यंबकाय नमस्तुभ्यं पंचस्याय नमोनमः ।
नमोब्रह्मेन्द्र रूपाय मृत्युनाशं करोतु मे ।।
नमो दोर्दण्डचापाय मम मृत्युम् विनाशय ।।
देवं मृत्युविनाशनं भयहरं साम्राज्य मुक्ति प्रदम्।
नमोर्धेन्दु स्वरूपाय नमो दिग्वसनाय च ।
नमो भक्तार्ति हन्त्रे च मम मृत्युं विनाशय ।।
अज्ञानान्धकनाशनं शुभकरं विध्यासु सौख्य प्रदम्।
नाना भूतगणान्वितं दिवि पदैः देवैः सदा सेवितम्।
सर्व सर्वपति महेश्वर हरं मृत्युंजय भावये ।।

शिव स्तुति मंत्र

ॐ नमो हिरण्यबाहवे हिरण्यवर्णाय हिरण्यरूपाय हिरण्यपतए
अंबिका पतए उमा पतए पशूपतए नमो नमः
ईशान सर्वविद्यानाम् ईश्वर सर्व भूतानाम्
ब्रह्मादीपते ब्रह्मनोदिपते ब्रह्मा शिवो अस्तु सदा शिवोहम
तत्पुरुषाय विद्महे वागविशुद्धाय धिमहे तन्नो शिव प्रचोदयात्
महादेवाय विद्महे रुद्रमूर्तये धिमहे तन्नों शिव प्रचोदयात्
नमस्ते अस्तु भगवान विश्वेश्वराय महादेवाय त्र्यंबकाय त्रिपुरान्तकाय त्रिकाग्नी कालाय कालाग्नी
रुद्राय नीलकंठाय मृत्युंजयाय सर्वेश्वराय सदशिवाय श्रीमान महादेवाय नमः

हर मायने में खास होने वाली हैं मोहिनी एकादशी

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का बड़ा महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली एकादशी तिथि को मोहिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। ऐसा कहा जाता है, जो साधक इस उपवास का पालन करते हैं उन्हें सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

साथ ही घर में बरकत बनी रहती है। इस साल यह एकादशी 19 मई, 2024 को मनाई जाएगी। वहीं, इस बार इस तिथि पर तीन महायोग का निर्माण हो रहा है, जिन्हें ज्योतिष की दृष्टि से बेहद शुभ माना जाता है।

3 शुभ योगों का हो रहा निर्माण

मोहिनी एकादशी पर बन रहे हैं ये 3 शुभ योग

18 मई शाम 7 बजकर 21 मिनट से लेकर 8 बजकर 25 मिनट तक अमृत योग रहेगा। वहीं, सिद्धि योग सुबह 12 बजकर 25 मिनट से शाम 6 बजकर 16 मिनट तक रहेगा। इसके अलावा साध्य योग सुबह 6 बजकर 16 मिनट से 7 बजकर 8 मिनट तक रहेगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, ये तीनों योग ही अपने आप में बेहद शुभ और कल्याणकारी माने जाते हैं।

मोहिनी एकादशी की डेट और शुभ मुहूर्त

मोहिनी एकादशी 18 मई, 2024 सुबह 11 बजकर 23 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन अगले दिन 19 मई, 2024 दोपहर 1 बजकर 50 मिनट पर होगा। पंचांग को देखते हुए मोहिनी एकादशी का व्रत 19 मई, 2024 को रखा जाएगा।

मोहिनी एकादशी के दौरान करें इन वैदिक मंत्रों को जाप

1. ॐ नारायणाय नम:

2. ॐ भूरिदा भूरि देहिनो, मा दभ्रं भूर्या भर। भूरि घेदिन्द्र दित्ससि।

ॐ भूरिदा त्यसि श्रुत: पुरूत्रा शूर वृत्रहन्। आ नो भजस्व राधसि।

3. ॐ ह्रीं कार्तविर्यार्जुनो नाम राजा बाहु सहस्त्रवान। यस्य स्मरेण मात्रेण ह्रतं नष्टं च लभ्यते।।

8 या 9 मई, कब है वैशाख अमावस्या?

सनातन धर्म में अमावस्या तिथि का बेहद खास महत्व है। इस तिथि पर पितरों की पूजा करने के विधान है। साथ ही पितरों का तर्पण और श्राद्ध भी किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, ऐसा करने से पितर सुख- समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करते हैं। इस बार वैशाख अमावस्या की डेट को लेकर लोग अधिक कन्फ्यूज हो रहे हैं। कुछ लोग वैशाख अमावस्या 08 मई की बता रहे हैं, तो वहीं कुछ लोग वैशाख अमावस्या 09 मई को मनाने की बात कह रहे हैं। आइए इस लेख में हम आपको हिंदू पंचांग के अनुसार बताएंगे कि वैशाख अमावस्या किस तारीख को मनाई जाएगी?

वैशाख अमावस्या 2024 डेट और शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, वैशाख के माह कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि का प्रारंभ 07 मई को सुबह 11 बजकर 40 मिनट से होगी और इसका समापन 08 मई को सुबह 08 बजकर 51 मिनट पर होगा। ऐसे में वैशाख अमावस्या 08 मई को मनाई जाएगी।

अमावस्या की पूजा विधि

वैशाख अमावस्या पर ब्रह्म मुहूर्त में उठें और दिन की शुरुआत देवी-देवता के ध्यान से करें। इसके बाद पवित्र नदी या फिर घर में स्नान करें। इसके बाद सूर्य देव को जल अर्पित करें। पितरों का तर्पण करें। इसके अलावा पितरों की आत्मा की शांति के लिए व्रत भी रखें और मंत्रो का जाप करें। अंत में अपनी श्रद्धा अनुसार विशेष चीजों का गरीबों को दान करें।

इन मंत्रों का करें जाप

1. ॐ पितृ देवतायै नम:

2. ॐ पितृ गणाय विद्महे जगतधारिणे धीमहि तन्नो पित्रो प्रचोदयात्।

3. ॐ देवताभ्य: पितृभ्यश्च महायोगिभ्य एव च नम: स्वाहायै स्वधायै नित्यमेव नमो नम:

4. गोत्रे अस्मतपिता (पितरों का नाम) शर्मा वसुरूपत् तृप्यतमिदं तिलोदकम

गंगा जलं वा तस्मै स्वधा नमः, तस्मै स्वधा नमः , तस्मै स्वधा नमः।

तुलसी के इन उपायों से जॉब और बिजनेस में प्राप्त होगी सफलता, मिलेंगे कई लाभ

सनातन धर्म में तुलसी को बेहद महत्वपूर्ण पौधा माना गया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस पौधे में धन की देवी मां लक्ष्मी का वास होता है। तुलसी के कुछ उपाय को करने से आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है और घर में सुख-शांति का आगमन होता है। साथ ही इंसान पर मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। ऐसे में आइए जानते हैं तुलसी के इन चमत्कारी उपाय के बारे में।

आर्थिक तंगी होगी दूर

अगर आप जीवन में आर्थिक समस्या की परेशानी का सामना रहे हैं, तो ऐसे में तुलसी के पत्ते को किसी कपड़े में बांधकर तिजोरी या पर्स में रख दें। मान्यता है कि इस उपाय को करने से इंसान को आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है और धन लाभ के योग बनते हैं।

जॉब और बिजनेस में मिलेगी सफलता

जॉब और बिजनेस में सफलता प्राप्ति के लिए रोजाना घर के मुख्य दरवाजे के दोनों तरफ घी का दीपक जलाएं। कहा जाता है कि ऐसा करने से जॉब और बिजनेस में अच्छी उन्नति होती है। साथ ही घर में सुख-समृद्धि का आगमन होता है।

वैवाहिक जीवन होगा सुखमय

सुखी वैवाहिक जीवन और विवाह में आ रही बाधा को दूर करने के लिए तुलसी की मंजरी का उपाय बेहद लाभकारी माना जाता है। पूजा के दौरान तुलसी की मंजरी को शिवलिंग पर अर्पित करें। मान्यता है कि यह उपाय करने से विवाह में आ रही परेशानियों से छुटकारा मिलता है और जल्द विवाह के योग बनते हैं।

शनि दोष होगा दूर

शनि दोष को दूर करने के लिए मंदिर में तुलसी की जड़ रखकर इसकी रोजाना पूजा करें। यह उपाय कई दोषों से छुटकारा पाने के लिए लाभकारी है और घर में सुख-समृद्धि का वास होता है।

मनचाहा वर पाने के लिए सोमवार के दिन करें ये उपाय, सुख और सौभाग्य में भी होगी वृद्धि

सनातन धर्म में सोमवार के दिन भगवान शिव की पूजा-उपासना की जाती है। साथ ही मनोवांछित फल की प्राप्ति हेतु सोमवार का व्रत रखा जाता है। इस व्रत के पुण्य-प्रताप से विवाहित जातकों के सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। वहीं, अविवाहित जातकों की शीघ्र शादी के योग बनते हैं। अतः साधक श्रद्धा भाव से सोमवार के दिन भगवान शिव की पूजा करते हैं। ज्योतिष शास्त्र में सोमवार के दिन विशेष उपाय करने का विधान है। इन उपायों को करने से साधक के सकल मनोरथ सिद्ध हो जाते हैं। अगर आप भी मनचाहा वर पाना चाहते हैं, तो सोमवार के दिन स्नान-ध्यान के बाद विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय ये उपाय करें। इन उपायों को करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

उपाय –अगर आप मनचाहा वर पाना चाहते हैं, तो सोमवार के दिन गंगाजल युक्त पानी से स्नान करें। इसके बाद गाय के कच्चे दूध से भगवान शिव का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से जातक को मनचाहा वर मिलता है।

अगर कुंडली में अशुभ ग्रहों के प्रभाव के चलते आपके विवाह में बाधा आ रही है, तो सोमवार के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठें। इसके बाद नित्य कर्मों से निवृत्त होकर स्नान-ध्यान करें। इस समय आचमन कर गंगाजल में काले तिल मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से विवाह में आ रही बाधा दूर हो जाती है।

ज्योतिषियों की मानें तो कुंडली में शुक्र ग्रह कमजोर होने से सुखों में कमी होने लगती है। साथ ही शुभ कार्यों में भी सिद्धि नहीं प्राप्त होती है। अतः कुंडली में शुक्र ग्रह मजबूत होना अनिवार्य है। अगर आपकी कुंडली में शुक्र ग्रह कमजोर है, तो सोमवार के दिन भगवान शिव की पूजा करें। इस समय पंचामृत से भगवान शिव का अभिषेक करें और शिव पंचाक्षरी मंत्र का जप करें।

सनातन धर्म में सोमवार के दिन दान करने का विशेष विधान है। इस दिन दान-पुण्य करने से कुंडली में चंद्रमा और शुक्र दोनों ग्रह मजबूत होते हैं। अतः सोमवार को पूजा करने के बाद चावल, चीनी, सफेद रंग के वस्त्र आदि चीजों का दान करें।

सुबह उठते ही न करें ये काम वरना घर में छाने लगेगा दुर्भाग्य

सुबह का समय सबसे महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इसी से आपके दिन की शुरुआत होती है। कई मान्यताओं के अनुसार, कहा जाता है कि जैसे आपके दिन की शुरुआत होती है, फिर वैसा ही पूरा दिन आपका बीतता है। कुछ लोगों को सुबह उठते ही खुद को आईने में देखने की आदत होती है। ज्योतिष शास्त्र में इस आदत को सही नहीं माना जाता है

शीशे में देखना

कुछ लोगों को सुबह उठते ही अपना चेहरा शीशे में देखने की आदत होती है। वास्तु शास्त्र का मानना है कि ऐसा करना बिल्कुल भी शुभ नहीं होता है। आपकी इस आदत से आपका पूरा दिन प्रभावित होता है। वहीं, सुबह उठते ही अपनी परछाई देखना भी अच्छा शगुन नहीं माना जाता है। इससे तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो सकती है। इसके बजाय आपको सुबह सबसे पहले अपने इष्ट देव के दर्शन करने चाहिए।

बंद घड़ी देखना

वास्तु शास्त्र में माना जाता है कि सुबह उठते समय बंद घड़ी नहीं देखनी चाहिए। कहा जाता है कि बंद घड़ी देखने से नकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। इसलिए जल्द से जल्द अपने घर से टूटी या क्षतिग्रस्त घड़ी को हटा दें। सुबह उठते ही हिंसक जानवरों की तस्वीरें देखना भी अपशकुन माना जाता है। इसका मतलब यह हो सकता है कि आपका किसी से विवाद हो सकता है।

गंदे बर्तन देखना

अगर आप सुबह-सुबह गंदे बर्तन देखते हैं, तो आपको दिन भर कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए कोशिश करें कि रात के समय रसोई में गंदे बर्तन भी न छोड़ें। गंदगी देख मां लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं और उनकी कृपा हमेशा जातक पर बनी रहती है। जिसके कारण आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

ऐसे हुआ था देवी रुक्मिणी और श्री कृष्ण का विवाह, पढ़िए पौराणिक कथा

जब भी प्रेम का नाम लिया जाता है, तो श्री कृष्ण को सबसे पहले याद किया जाता है। कान्हा ने प्रेम को कई तरह से परिभाषित किया। कभी एक दोस्त के रूप में, कभी एक सखा, प्रेमी और पति के रूप में। उनका प्रेम हर तरह से अनोखा था।

ऐसे में आज हम उनकी पत्नी देवी रुक्मिणी के प्रति उनके प्रेम के बारे में बताने जा रहे हैं। क्या आप जानते हैं कि कैसे देवी रुक्मिणी और श्री कृष्ण का विवाह हुआ था।

श्री कृष्ण को पति के रूप में किया स्वीकार

देवी रुक्मिणी, विदर्भ देश के राजा भीष्मक की पुत्री थीं। वह बहुत सुंदर और बुद्धिमान थीं। एक समय था जब पिता भीष्मक अपनी पुत्री के लिए योग्य वर की तलाश में थे। उस दौरान यदि कोई उनसे मिलने आता था, तो वह श्रीकृष्ण के साहस और निर्भीकता की प्रशंसा करता, यह सुनकर देवी रुक्मिणी ने मन ही मन उन्हें अपने पति के रूप में स्वीकार कर लिया था।

ऐसे हुआ था विवाह

देवी रुक्मिणी के भाई रुक्म का परम मित्र चेदिराज शिशुपाल उनसे विवाह करना चाहता था। अपने पुत्र के अनुरोध पर राजा भीष्मक ने अपनी प्रिय पुत्री का विवाह शिशुपाल के साथ तय कर दिया था, लेकिन रुक्मिणी जी इस विवाह से खुश नहीं थीं, इसलिए उन्होंने संदेश के माध्यम से श्रीकृष्ण तक अपनी बात पहुंचाई। जैसे ही यह समाचार श्रीकृष्ण तक पहुंचा, तुरंत वे विदर्भ राज्य में पहुंच गया।

शिशुपाल से विवाह से पहले ही श्री कृष्ण ने रुक्मिणी का अपहरण कर लिया था। इसके बाद भगवान श्रीकृष्ण, शिशुपाल और रुक्म के बीच भयंकर युद्ध हुआ, जिसमें द्वारकाधीश की जीत हुई। फिर वे देवी रुक्मिणी को द्वारका ले गए और भव्य तरीके से विवाह किया।

अगर आप भी कर रहे हैं सूर्यास्त के समय ये काम, तो हो जाएं सावधान

धर्म शास्त्रों में ऐसे काम बताए गए हैं, जिन्हें शाम यानी सूर्यास्त के समय बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। सूर्यास्त के समय ये काम करने से घर से सुख-समृद्धि चली जाती है।

हिंदू धर्म में लोग घर में सुख-समृद्धि बनाए रखने के लिए कई तरह के कार्य करते हैं। लेकिन कुछ काम ऐसे भी हैं, जो हम जाने-अनजाने में कर जाते हैं, लेकिन इन कार्यों को करने से अशुभ परिणाम प्राप्त होते हैं। माना जाता है कि सूर्यास्त के समय कुछ काम बिल्कुल भी नहीं करने चाहिए। अगर कोई ऐसा करना है, तो उसकी खुशहाल जिंदगी में कई तरह के संकट आने लगते हैं।

धर्म शास्त्रों में ऐसे काम बताए गए हैं, जिन्हें शाम यानी सूर्यास्त के समय बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। सूर्यास्त के समय ये काम करने से घर से सुख-समृद्धि चली जाती है। साथ ही व्यक्ति की तरक्की में बाधा आती है और उसे आर्थिक तंगी का भी सामना करना पड़ता है।

सूर्यास्त के समय न करें ये कार्य

धर्म शास्त्रों के अनुसार, सूर्यास्त के समय भोजन नहीं करना चाहिए। इस समय भोजन करने से व्यक्ति अगले जन्म में पशु के रूप में जन्म लेता है।

किसी भी स्वस्थ व्यक्ति को सूर्यास्त के समय सोना या लेटना नहीं चाहिए। ऐसे में घर की बरकत चली जाती है। साथ ही धन से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

सूर्यास्त के समय भगवान की आराधना करने से सकारात्मकता आती है। सूर्यास्त के समय यौन इच्छा पर नियंत्रण रखना चाहिए। इस समय पुरुषों और महिलाओं को ऐसी भावनाओं से दूर रहना चाहिए।

शाम के समय जन्म लेने वाले बच्चे को जीवन में कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। बताया गया है कि शाम के समय वेदों और शास्त्रों का अध्ययन नहीं करना चाहिए। इस समय ध्यान और साधना करना ही उत्तम माना जाता है।

सूर्यास्त के समय पैसों का लेन देन करने से बचना चाहिए। ऐसे में घर में पैसों की कमी हो जाती है और खर्चे ज्यादा होने लगते हैं।

सूर्यास्त के समय नाखून नहीं काटने चाहिए और ना ही कभी बाल काटने चाहिए। ऐसा करने से जीवन में मुश्किलें बढ़ने लगती हैं।

पवन कल्याण की फिल्म हरि हर वीर मल्लू का टीजर जारी

पावर स्टार पवन कल्याण की आने वाली फिल्म हरि हर वीर मल्लू का टीजर रिलीज हो गया है। यह उनकी पैन इंडिया फिल्म है, जिसका दर्शक लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। टीजर के साथ फिल्म का नया पोस्टर भी जारी किया गया है। फिल्म को इसी साल रिलीज किया जाएगा। हालांकि, इसकी तारीख को लेकर निर्माताओं की ओर से कोई खुलासा नहीं किया गया है।फिल्म निर्माताओं की ओर से 30 अप्रैल को घोषणा की गई थी कि हरि हर वीर मल्लू का टीजर रिलीज कर दिया जाएगा। पवन के फैंस तभी से उनकी झलक देखने के लिए बेताब हो रहे थे। आज निर्माताओं ने अपने वादे के मुताबिक टीजर जारी कर दिया है। हरि हर वीर मल्लू एक पीरियड एक्शन एडवेंचर फिल्म है। इसका निर्देशन कृष जगरलामुडी ने किया हैं। खास बात यह है कि इसे दो भाग में रिलीज किया जाएगा।पवन कल्याण के अलावा निधि अग्रवाल भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। दर्शकों को सबसे ज्यादा दिलचस्पी बॉबी देओल को देखने में थी, क्योंकि वह इस फिल्म में मुगल बादशाह औरंगजेब का किरदार अदा कर रहे हैं। टीजर में उनके किरदार की हल्की सी झलक देखने को भी मिली है, जिसने फैंस की उत्सुकता को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है।

शिवांगी जोशी संग सगाई की खबरों पर कुशाल टंडन ने तोड़ी चुप्पी, मीडिया पर निकाला गुस्सा

टीवी एक्ट्रेस शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से काफी सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में जोशी और कुशाल टंडन को एक रिपोर्ट सामने आई थी, जिसमें ये बताया गया था कि दोनों जल्द ही सगाई करने वाले हैं। इस खबर के सामने आने के बाद से ही लोग इंटरनेट पर बस इन दोनों के बारे में चर्चा कर रहे हैं। इस बीच अब टीवी पॉपुलर एक्टर कुशाल टंडन ने काफी समय बाद इस मामले में अपनी चुप्पी तोड़ी है। आइए इस रिपोर्ट में जानते हैं कुशाल टंडन ने शिवांगी जोशी संग सगाई की खबरों पर क्या कहा है।

कुशाल टंडन ने किया रिएक्ट

टीवी न्यूज में इन दिनों बस कुशाल टंडन और शिवांगी ही छाए हुए हैं। अब कुशाल टंडन ने सगाई वाली खबर पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। कुशाल टंडन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर स्टोरी लगाते हुए लिखा, 'यार मीडिया वालों, एक बात बताओ, मेरी सगाई हो रही है और मुझे ही पता नहीं। मैं थाईलैंड में मार्शल आर्ट का रहा हूं। इसमें कुशाल ने मीडिया पर भी सवाल खड़े किए हैं।' बीते दिनों ने शिवांगी जोशी ने इन बातों पर रिएक्ट करते हुए कहा था, 'मुझे अफवाहें पसंद हैं, मुझे हमेशा अपने बारे में कुछ ऐसा पता चलता है जो मैं कभी नहीं जानती थी।

नेहा मलिक की दिलकश अदाओं पर लट्टू हुए फैंस

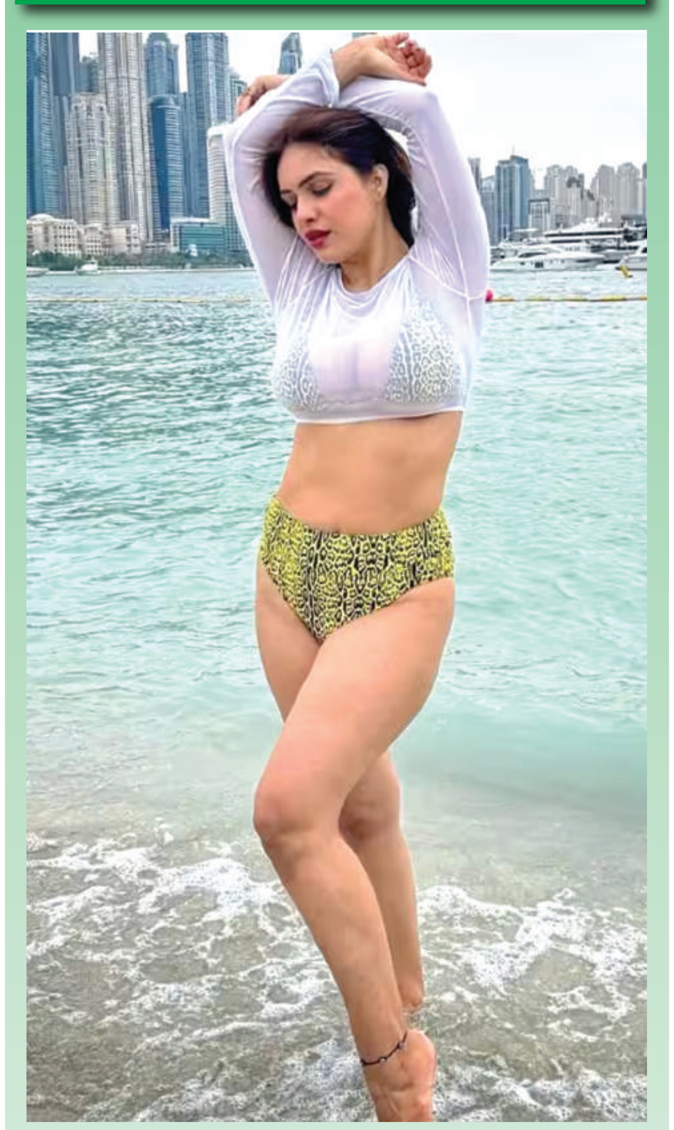

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फोटोज शेयर करती रहती हैं। नेहा मलिक ने एक बार फिर बोल्ड फोटोशूट करवाया है और इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। नेहा मलिक ने बिकिनी पहन समंदर किनारे अठखेलियां की हैं। नेहा मलिक का दिलकश अंदाज देखकर फैंस उन पर लट्टू हो रहे हैं। नेहा मलिक की लेटेस्ट फोटोज वायरल होते ही फैंस जमकर प्यारे रिएक्शन दे रहे हैं।नेहा मलिक ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में नेहा मलिक समंदर किनारे अठखेलियां करती नजर आ रही हैं।नेहा मलिक ने समंदर के किनारे एक से बढ़कर एक पोज दिए। नेहा मलिक की दिलकश अदाएं देखकर फैंस लट्टू हो जा रहे हैं।नेहा मलिक ने बिकिनी पहनकर अपना कर्वी फिगर जमकर फ्लॉन्ट किया है। नेहा मलिक की बोल्ड तस्वीरें वायरल हो रही हैं।नेहा मलिक की तस्वीरें देखकर आहें भर रहे हैं। इसके साथ ही अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस को लेकर प्यारे कमेंट भी कर रहे हैं।नेहा मलिक के लिए ये पहला मौका नहीं जब उन्होंने इतना बोल्ड अंदाज दिखाया है। नेहा मलिक की बोल्ड फोटोज से सोशल मीडिया भरा पड़ा है।नेहा मलिक की तस्वीरें आते ही वायरल होती हैं क्योंकि उनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग हैं। नेहा मलिक को इंस्टाग्राम पर 4 मिलियन से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं।नेहा मलिक को उनके तमाम चाहने वाले फैंस जमकर प्यार करते हैं। वहीं, नेहा मलिक को उनकी हद से ज्यादा बोल्डनेस के लिए ट्रोल भी किया जाता है।

करियर से संतुष्ट हूं, लेकिन मुझे अभी एक लंबा रास्ता तय करना है: अलाया एफ

2020 में अपने करियर शुरुआत के बाद से, अलाया एफ ने कई बड़े बजट की फिल्मों में अलग-अलग किरदार निभाए हैं।अभिनेत्री ने बताया कि कैसे कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जो उन्हें कड़ी मेहनत के बाद मिलती है और कुछ उनके भाग्य से मिलती हैं।अलाया ने कहा, हां, मैं अलग-अलग चीजें करने की कोशिश करती हूं, लेकिन मुझे लगता है कि मुझे हर तरह की फिल्में ऑफर होती हैं। उसमें कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जिनके लिए मैं बहुत मेहनत करती हूं और कुछ फिल्में पूरी तरह से भाग्य पर निर्भर होती हैं। यह हर चीज का मिश्रण है।एक्ट्रेस ने कहा, मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे अलग-अलग भूमिकाएं मिलीं और मुझे उम्मीद है कि यह जारी रहेगी।एक्ट्रेस पूजा बेदी की बेटी अलाया ने सैफ अली खान स्टारर फिल्म जवानी जानेमन से डेब्यू किया था। इसके बाद उन्हें साइकोलॉजिकल थ्रिलर फ्रेडी, ऑलमोस्ट प्यार विद डीजे मोहब्बत और बड़े मियां, छोटे मियां में देखा गया। वह जल्द ही श्री में नजर आएंगी।जब उनसे पूछा गया कि बड़ी फिल्में उनके पास आ रही हैं, क्या उन्हें लगता है कि उन्होंने अपने करियर में खास मुकाम हासिल कर लिया है?एक्ट्रेस ने जवाब देते हुए कहा, मुझे नहीं लगता कि कोई भी एक्टर यह कहेगा, हां, मैंने इसे बनाया है। मैं अपने करियर से संतुष्ट हूं, लेकिन मुझे अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है। मैं आगे बढ़ रही हूं और मुझे नहीं लगता कि यह कभी खत्म होगा। मुझे लगता है कि मैं हर दिन अपना बेस्ट दे रही हूं और उम्मीद करती हूं कि लोगों को यह पसंद आएगा।

कोरोना वैक्सीन के कारण श्रेयस तलपड़े को आया था हार्ट अटैक? एक्टर ने किया चौंकाने वाला खुलासा

बॉलीवुड एक्टर श्रेयस तलपड़े जल्द कॉमेडी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आने वाले हैं। इस मूवी का अच्छा खासा बज बना हुआ है। इस फिल्म में अक्षय कुमार समेत बॉलीवुड के कई बड़े एक्टर्स और एक्ट्रेसेस कॉमेडी का तड़का लगाने वाले हैं। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बीते साल श्रेयस तलपड़े को दिल का दौरा पड़ा था, जिससे उनके फैंस के पैरों तले जमीन खिसक गई थीं। अब श्रेयस तलपड़े पूरी तरह से ठीक है। इस बीच श्रेयस तलपड़े ने कोरोना वैक्सीन को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने ऐसी बात कह दी है कि सभी लोग दंग रह गए हैं।

कोरोना वैक्सीन को लेकर श्रेयस तलपड़े ने कही ये बात

एंटरटेनमेंट वर्ल्ड के जाने माने एक्टर श्रेयस तलपड़े इन दिनों चर्चा में हैं। उन्होंने कोरोना वैक्सीन को लेकर बड़ा दावा किया है। श्रेयस तलपड़े ने अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में कोविशील्ड वैक्सीन पर सवाल खड़े किए हैं। श्रेयस तलपड़े ने कहा, 'शराब मैं शायद महीने में एक बार पीता हूं। तम्बाकू कभी नहीं, हां, मेरा कोलेस्ट्रॉल थोड़ा बढ़ा हुआ था, जो मुझे बताया गया कि इन

दिनों सामान्य है। इस चीज के लिए मैं दवा ले रहा था, जिसका काफी अच्छा असर देखने को मिला। मैं अपने खान-पान का ध्यान रखता हूं। मुझे कोई परेशान नहीं है। तो हार्ट अटैक का कारण क्या हो सकता है। इतना परहेज करने के बाद भी ऐसा होता है तो इसका कोई कारण तो होगा।'

बताते चलें कि श्रेयस तलपड़े ने कोरोना वैक्सीन को लेकर बड़ी बात कह दी है। उन्होंने कहा, '

मैं इस चीज को गलत नहीं मानता हूं। कोविड वैक्सीन के बाद मुझे कुछ थकान और थकावट का अनुभव होने लगा। इसमें सच हो सकता है और हम सिद्धांत को नकार नहीं सकते। हो सकता है कि यह कोविड या वैक्सीन हो, लेकिन यह जुड़ा हुआ तो है।' मालूम हो कि इन दिनों एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें ये दावा किया जा रहा है कि कोविड वैक्सीन लगाने के बाद लोगों को हार्ट अटैक आया था।

10 साल छोटे एक्टर संग डेटिंग की खबरों के बीच श्वेता तिवारी की इन फोटोज ने लगाई आग

पानी में बैठ दिखाए खूब नखरे

टीवी की खूबसूरत एक्ट्रेस श्वेता तिवारी अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से आए दिन सुर्खियों में रहती हैं। श्वेता तिवारी का नाम कई एक्टर्स संग जुड़ा है और इन दिनों उनका नाम खुद से 10 साल छोटे एक्टर फहमान खान संग लिया जा रहा है। दावा है कि दोनों एक समय पर डेटिंग लाइफ एन्जॉय कर चुके हैं। इन सबके बीच श्वेता की हर एक फोटो आग की तरह इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस की पल पल की खबर फैंस रख रहे हैं। श्वेता का लेटेस्ट पोस्ट भी फैंस के बीच वायरल हो गया है। श्वेता तिवारी इन दिनों वेकेशन पर हैं। एक्ट्रेस लगातार अपने वेकेशन की फोटोज शेयर कर रही हैं। लेटेस्ट फोटोज में वह अपने बेटे संग मस्ती करती दिख रही हैं।इन फोटोज में श्वेता तिवारी किसी जंगल वाले इलाके के बीच में पानी में बैठी हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस के चेहरे पर स्माइल देखने लायक है।श्वेता तिवारी ने इन फोटोज में व्हाइट कलर का आउटफिट पहना है, जो पानी की वजह से काफी ट्रांसपेरेंट हो गया। श्वेता ने अपना लुक काले चश्मे से पूरा किया है। श्वेता तिवारी इस तस्वीर में अपना साइड पोज दिखा रही हैं। नो मेकअप लुक में श्वेता इस फोटो काफी सुंदर लग रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने बालों को बन बनाया हुआ है।श्वेता तिवारी की ये फोटोज फैंस को काफी पसंद आई है।

इन फोटोज के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन में हार्ट इमोजी लगाया है, जिसके बाद फैंस ने खूब प्यार लुटाया है।बता दें कि श्वेता तिवारी और फहमान खान की डेटिंग की खबरें सामने आई हैं। दावा है कि श्वेता 10 साल छोटे फहमान खान को डेट कर चुकी हैं। हालांकि, एक्टर ने इन खबरों को मजाक बताया है।श्वेता तिवारी ने फहमान खान संग रिश्ते की खबरों पर अब तक चुप्पी नहीं तोड़ी है। ऐसे में फैंस श्वेता के रिएक्शन का इंतजार कर रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें, क्योंकि क़िस्मत ख़ुद बहुत आलसी होती है। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे। आपकी भागदौड़ भरी दिनचर्या के कारण आपका जीवनसाथी ख़ुद असहज महसूस करेगा

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। प्रेमी एक–दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। बड़े व्यापारिक लेन–देन करते वक़्त अपनी भावनाओं पर क़ाबू रखें। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। यह इस बात को समझने का सही वक़्त है कि चिंता की आदत ने आपके सोचने की क्षमता को ख़त्म कर दिया है। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीज़ें सुधर रही हैं। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। नाते–रिश्तेदार तरक़्क़ी और समृद्धि के लिए नयी योजनाएँ लाएंगे। जीवनसाथी से बहुत ज़्यादा उम्मीदें रखना आपको वैवाहिक जीवन में उदासी की तरफ़ ले जा सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप काम को अलग रखकर थोड़ा आराम करें और कुछ ऐसा करें जिसमें आपकी दिलचस्पी हो। आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुक़सान तक़रीबन पक्का है। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। अपना बायोडाटा भेजने या किसी इंटरव्यू में जाने के लिए अच्छा समय है। आज रात को जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

तली–भुनी खाने की चीज़ों से किनारा करें। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। ज़ाहिर तौर पर रोमांस के लिए पर्याप्त मौक़े हैं– लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है। सेमिनार और गोष्ठियों में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना–देना नहीं है। आपका जीवनसाथी आपको ज़्यादा ख़ास वक़्त देने वाला है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। दीर्घावधि मुनाफ़े के नज़रिए से स्टॉक और म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करना फ़ायदेमंद रहेगा। अपने घर के वातावरण में कुछ बदलाव करने से पहले आपको सभी की राय जानने की कोशिश करनी चाहिए। आज के दिन कार्यक्षेत्र में चीज़ें वाक़ई बेहतरी की ओर बढ़ सकेंगी । आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। इसके बाद घर के लोगों को मनाने में आपका काफी समय जा सकता है। रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

घर और दफ़्तर में कुछ दबाव आपको गुस्सैल बना सकता है। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। शादी लायक युव–ाओं का रिश्ता तय हो सकता है। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। व्यस्त दि–नचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। आज के इस ख़ूबसूरत दिन प्रेम–संबंध में आपकी सभी शिकायतें ग़ायब हो जाएंगी। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, क्योंकि आपके प्रिय का मूड बहुत अनिश्चित होगा। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। अपने काम से आराम लेकर आज आप कुछ समय अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दाँत का दर्द या पेट की तक़लीफ़ आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। तुरंत आराम पाने के लिए अच्छे चिकित्सक की सलाह लेने में कोताही न बरतें। आज आपको समझ आ सकता है कि धन को बिना सोच विचारे खर्च करना आपको कितना नुक्सान पहुंचा सकता है. घर में साफ़–सफ़ाई की ज़रूरत तुरंत है। हमेशा की तरह इस काम को अगली बार के लिए न टालें और कमर कस कर जुट जाएँ। अगर आपको एक दिन की छुट्टी पर जाना है तो चिंता न करें, आपकी ग़ैरहाज़िरी में सभी काम ठीक से चलते रहेंगे। और अगर किसी ख़ास वजह से कोई परेशानी खड़ी भी हो जाए, तो आप लौटने पर उसे आसानी से हल कर लेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। आपको ऐसी गतिविधियों में संलग्न होने की ज़रूरत है, जहाँ आपको अपने समान रुचियों के लोगों से मिलने का मौक़ा मिले। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

गर्भवती महिलाओं को चलते–फिरते समय ख़ास ख़याल रखने की ज़रूरत है। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। घर में कुछ बदलाव लाने के लिए पहले बाक़ी लोगों की राय भली–भांति जान लें। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। किसी नये काम के आगाज के लिए आपको पहले उसके बारे में अनुभवी लोगों से बात करनी चाहिए। अगर आज आपके पास समय है तो उस क्षेत्र के अनुभवी लोगों से मिल लें जो काम आप शुरु करने वाले हैं।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 06 मई 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी दोपहर 02:42 तक
नक्षत्र : रेवती सायं 05:43 तक
योग : प्रीति रात्रि 12:28 तक
करण : वणिज दोपहर 02:42 तक
चन्द्रराशि : मीन सायं 05:43 तक
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:37 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:35 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:48, सूर्यास्त 06:29 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:40 , सूर्यास्त 06:28 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– मासिक शिवरात्रि व्रत , भद्रा दोपहर 02:41 से रात्रि 01:10 तक , पंचक समाप्त सायं 05:43 से , गण्डमूल चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान में पिछले सत्रह लोकसभा चुनावों में केवल 31 महिला पहुंच पाई संसद

जयपुर, 05 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में लोकसभा चुनावों में अब तक आधी आबादी का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है और पिछले सत्रह लोकसभा चुनावों में केवल 31 महिलाएं ही संसद पहुंच पाई हैं जो आजादी के बाद करीब 72 सालों में उनकी संसद में राज्य से केवल 7.52 प्रतिशत भागीदारी रही है।

राजस्थान में हाल में दो चरणों में हुए 18वीं लोकसभा चुनाव सहित अब तक हुए अठारह लोकसभा चुनावों में 222 महिलाओं ने चुनाव लड़ा। उल्लेखनीय है कि हाल में हुए लोकसभा चुनाव का परिणाम आगामी चार जून को आयेगा।

प्रदेश में इससे पहले हुए सत्रह लोकसभा चुनावों में 203 महिला उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा जिनमें केवल 31 महिला ही चुनाव जीत पाई। इन चुनावों में कुल 4156 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा जिनमें 412 प्रत्याशी सांसद बनकर संसद पहुंचे जिनमें 481 पुरुष उम्मीदवार शामिल हैं। इस दौरान प्रदेश से महिलाओं की संसद में भागीदारी भले ही कम रही हो लेकिन इनमें पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित अन्य ऐसी कई महिलाएं जो एक से अधिक बार चुनाव जीतकर संसद पहुंची। इनमें श्रीमती राजे सर्वाधिक पांच बार संसद पहुंचकर अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। इन 18 चुनावों में कुल प्रत्याशियों में महिलाओं को केवल 5.02 प्रतिशत ही उम्मीदवारी मिली जबकि इनमें पिछले सत्रह चुनावों में 4.88 प्रतिशत महिला प्रत्याशी थी। अब तक हुए अठारह लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने पिछले 72 सालों में करीब 38 महिलाओं को टिकट दिया जबकि भाजपा ने पिछले लगभग 45 वर्षों में करीब 28 महिलाओं को चुनाव मैदान में उतारा। इस दौरान अन्य दलों ने भी महिलाओं को चुनाव मैदान में उतारा।

पिछले सत्रह लोकसभा चुनावों में भाजपा की सर्वाधिक 15 भाजपा महिला प्रत्याशी संसद पहुंची जबकि कांग्रेस की 12 एवं तीन स्वतंत्र पार्टी एवं एक निर्दलीय महिला उम्मीदवार ने चुनाव जीता। इस दौरान श्रीमती राजे ने झालावाड़ लोकसभा क्षेत्र से सर्वाधिक पांच बार वर्ष 1989, 1991, 1996, 1998 एवं 1999 में भाजपा प्रत्याशी के रुप में चुनाव जीता जबकि कांग्रेस प्रत्याशी डा गिरिजा व्यास चार बार लोकसभा चुनाव जीता। डा व्यास ने वर्ष 1991, 1996 एवं 1999 में उदयपुर एवं वर्ष 2009 में चित्तौड़गढ़ लोकसभा क्षेत्र का संसद में प्रतिनिधित्व किया। डा व्यास ने सात बार लोकसभा का चुनाव लड़ा जिनमें तीन बार उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा। इस दौरान पूर्व जयपुर राजघराने की राजमाता गायत्री देवी स्वतंत्र पार्टी के प्रत्याशी के रुप में वर्ष 1962, 1967 एवं 1971 के लोकसभा चुनाव में जयपुर लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधत्व किया। उन्होंने राजस्थान से पहली महिला सांसद निर्वाचित होने का गौरव भी हासिल किया। इसी तरह इस दौरान प्रदेश से लोकसभा चुनाव जीतने वाली महिलाओं में निर्मला कुमारी, उषा एवं जसकौर मीणा दो बार चुनाव जीतकर संसद पहुंची।

पूर्व जोधपुर राजघराने की राजमाता कृष्णा कुमारी लोकसभा चुनावों में प्रदेश में एक मात्र निर्दलीय महिला प्रत्याशी के रुप में जोधपुर से चुनाव जीतकर सांसद पहुंची। उन्होंने वर्ष 1971 का लोकसभा चुनाव जीता। इन चुनावों में पूर्व मुख्यमंत्री मोहन लाल सुखाड़ियां की पत्नी इंदुबाला सुखाड़िया ने भी उदयपुर से वर्ष 1984 में लोकसभा चुनाव जीता। इसी तरह पूर्व जोधपुर राजघराने की बेटी चन्द्रेश कुमारी कटोच ने जोधपुर में कांग्रेस प्रत्याशी के रुप में वर्ष 2009, पूर्व जयपुर राजघराने की राजकुमारी दिया कुमारी ने वर्ष 2019 में राजसमंद से भाजपा प्रत्याशी तथा पूर्व भरतपुर राजघराने की महारानी दिव्या सिंह ने भरतपुर से वर्ष 1996 में भाजपा प्रत्याशी के रुप में लोकसभा चुनाव जीता। इसी प्रकार भरतपुर से ही भाजपा प्रत्याशी के रुप में कृष्णेन्द्र कौर (दीपा) ने वर्ष 1991, अजमेर से प्रभा ठाकुर ने वर्ष 1998 में कांग्रेस, वर्ष 2004 में उदयपुर से भाजपा की किरण माहेश्वरी एवं इसी चुनाव में जालोर से भाजपा की सुशीला, वर्ष 2014 में झुंझुनूं से भाजपा की संतोष अहलावत एवं वर्ष 2019 में भरतपुर से भाजपा की रंजीता कोली चुनाव जीतकर संसद पहुंची जबकि वर्ष 2009 में नागौर से ज्योति मिर्धा कांग्रेस उममीदवार के रुप में लोकसभा चुनाव जीता। वर्ष 1952 पहली लोकसभा में जनसंघ की उम्मीदवार रानी देवी भार्गव एवं निर्दलीय उम्मीदवर शारदा बाई ने चुनाव लड़ा लेकिन चुनाव हार गई। वर्ष 1957 दूसरे एवं वर्ष 1977 के छठे लोकसभा चुनाव में प्रदेश में एक भी महिला उम्मीदवार ने चुनाव नहीं लड़ा जबकि तीसरे आम चुनाव में छह महिलाएं मैदान में उतरीं और उनमें केवल गायत्री देवी ने चुनाव जीता। इसी तरह 1971 के लोकसभा चुनाव में चार महिलाओं ने चुनाव लड़ा, जिनमें दो महिला सांसद पहुंची। वर्ष 1980 के चुनाव में पांच महिलाओं में एक चुनाव जीत पाई। वर्ष 1984 में छह में से दो, वर्ष 1989 में फिर छह महिला चुनाव मैदान में उतरी लेकिन एक ही जीत पाई। वर्ष 1991 के चुनाव में 14 महिला चुनाव मैदान में उतरी और चार ने चुनाव जीतकर अपना कुछ दबदबा दिखाया। इसके बाद वर्ष 1996 के चुनाव में 25 महिला उम्मीदवारों में से चार संसद पहुंची। वर्ष 1998 में बीस में से तीन, 1999 में 15 में से तीन, 2004 में 17 में से दो, 2009 में 31 में से तीन, 2014 में 27 में से केवल एक तथा वर्ष 2019 में 23 महिला प्रत्याशियों में से तीन महिला उम्मीदवार चुनाव जीतकर संसद पहुंची। इस दौरान वर्ष 2009 में सर्वाधिक 31 महिलाओं ने चुनाव लड़ा।

अक्षय ने पुष्कर में ब्रह्मा जी के किए दर्शन

अजमेर, 05 मई (एजेंसियां)। बालीवुड के जानेमाने फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार ने रविवार को राजस्थान के अजमेर से जुड़े तीर्थराज पुष्कर में सृष्टि के रचयिता जगतपिता ब्रह्मा जी के दर्शन किये। अजमेर के रेलमंडल मुख्यालय की लोकेशन पर निर्माणाधीन फिल्म जोली एलएलबी–3 की शूटिंग के लिये अक्षय यहाँ आये हुए हैं। वह पुष्कर की एक रिसार्ट में ठहरे हैं। पहले वह दो दिन पहले ब्रह्मा मंदिर दर्शन के लिए जानेवाले थे। लेकिन प्रशंसकों की भारी भीड़ को देखते हुए उन्हें दर्शन निरस्त करना पड़ा।

रविवार सुबह अक्षय कड़ी सुरक्षा में ब्रह्मा मंदिर पहुंचे और भगवान ब्रह्मा जी के दर्शन कर कामयाबी की मनोकामना की। इस दौरान मंदिर में पुजारी परिवार ने उन्हें दर्शन कराये और अगवानी भी की। पुजारी किशन गोपाल वशिष्ट ने आरती में सहयोग किया। अक्षय सादे सफेद पोशाक में दर्शन करने पहुंचे। उल्लेखनीय है कि फिल्म की शूटिंग अजमेर के अलावा मसूदा के देवमाली में होनी है। यह फिल्म जोली एलएलबी का स्वीक्वल है। करीब पन्द्रह दिनों का शिड्यूल चल रहा है, जिसमें अजमेर रेलमंडल मुख्यालय भवन पर जिला एवं सत्र न्यायालय दिल्ली का सैट सजा कर न्यायालय परिसर को जीवंत कर फिल्मांकन किया जा रहा है। फिल्म में अक्षय के प्रतिद्वन्द्वी वकील की भूमिका में अभिनेता अरशद वारसी हैं। साथ ही सह कलाकार सौरभ शुक्ला व अभिनेत्री हुमा कुरैशी भी दिखाई देंगी।

खराड़ी को जान से मारने की धमकी देने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, 05 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने रविवार को बताया कि उदयपुर जिले में कोटड़ा थाना पुलिस टीम ने इस मामले में आरोपी जितेंद्र कुमार अहारी निवासी बंजारिया थाना खेरवाड़ा जिला उदयपुर को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोबाइल जब्त कर लिया गया है।

श्री गोयल ने बताया कि शुक्रवार को श्री खराड़ी के गनमैन भीमा ने थाना कोटडा पर रिपोर्ट दी कि श्री खराड़ी को उनकी इंस्टाग्राम आईडी पर कमेंट कर जान से मारने की धमकी दी गई है। रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। कैबिनेट मंत्री को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी की घटना को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की एक विशेष टीम का गठन किया गया।

टीम ने तकनीकी सहयोग से आरोपी की पहचान कर जितेंद्र कुमार अहारी को हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया। जिसे अदालत में पेश कर पुलिस रिमाण्ड प्राप्त किया गया है।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने मोबाइल में इंस्टाग्राम पर अन्य नाम से आईडी बना रखी है। चुनाव के दौरान विभिन्न प्रचार प्रसार एवं राजनीतिक विचारधाराओं से प्रभावित होकर उसने कमेंट कर दिया।

पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने साधा कांग्रेस पर निशाना, बोले

राहुल गांधी को सिर्फ धोखा देना आता है

करनाल, 05 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं करनाल लोक सभा से भाजपा के उम्मीदवार मनोहर लाल ने पांच मई को अपने जन्मदिन पर परशुराम महोत्सव में शिरकत की और गुरुद्वारे में जाकर मत्था टेका। इस मौके पर उन्होंने बातचीत के दौरान गांधी परिवार के अमेठी छोड़ने के सवाल पर कहा कि छोड़नाथ ऐसे ही होते हैं। मुझे नहीं लगता कि वह कहीं की भी जनता की सेवा कर पाएंगे, उन्होंने सिर्फ धोखा देना सीखा है, वही कर रहे हैं। उनके पूर्वज भी अपने बुने जाल में फंसते जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस लंबे समय से गरीबी हटाने की बात कहकर लोगों को बहकाती रही है लेकिन आज तक गरीबी नहीं हटा पाई। नीति आयोग के आंकड़े बताते हैं कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने पिछले 10 सालों में देश में 20 करोड़ लोगों को गरीबी की रेखा से बाहर निकाला है। पत्रकारों से बातचीत में मनोहर लाल ने कहा कि आज भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के साथ–साथ कुछ लोगों ने मेरा जन्मदिन भी मनाया है। उन्हें आज ब्राह्मणों के साथ संतों, गुरुजनों, देवताओं का भी आशीर्वाद मिला है। वह करनाल सहित हरियाणा की सभी 10 लोक सभा व एक विधान सभा सीट पर 11 कमल खिलाएंगे। इनेलो नेता अभय चौटाला द्वारा पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा से भाजपा की दोस्ती बताने के सवाल को टालते हुए मनोहर लाल ने कहा कि इस बयान से किसी को दिक्कत क्या है। सीमा पर जवानों के शहीद होने पर पूर्व सीएम ने कहा कि देश के दुश्मनों के मंसूबों को कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि छह मई को नामांकन का अंतिम दिन है। वह व मुख्यमंत्री नायब सैनी दोनों नामांकन कराएंगे। 11 स्थानों में से आठ नामांकन हो चुके हैं, सोमवार को दो करनाल में और एक फरीदाबाद के भाजपा प्रत्याशी का नामांकन होगा।

सांस्कृतिक संध्या नृत्याकृति की शास्त्रीय प्रस्तुतियों ने बांधा समां

उदयपुर, 05 मई (एजेंसियां)। दक्षिण राजस्थान में कला–साहित्य और संस्कृति संरक्षण–संवर्धन को समर्पित कश्ती फाऊंडेशन के तत्वावधान में यहां आयोजित सांस्कृतिक संध्या 'नृत्याकृति' में शास्त्रीय प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। विद्या भवन सभागार में शनिवार शाम को आयोजित इस सांस्कृतिक संध्या में कश्ती फाउंडेशन प्रमुख श्रद्धा मुर्डिया ने लेकसिटी की कला प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने की आवश्यकता प्रतिपादित की और नृत्याकृति को कश्ती का उदात्त प्रयास बताया।

कार्यक्रम में नृत्योर्मी स्कूल के गुरु कृष्णेंदु साहा ने अपनी मनोहारी नृत्य प्रस्तुति से लोगों को आकर्षित किया। कृष्णेन्दु ने भारत के पूर्वी तटीय राज्य ओडिशा के हिंदू मंदिरों से शुरू हुए ओडिसी नृत्य में उत्कृष्ट शारीरिक गतिविधियों, भावों, प्रभावशाली इशारों और सांकेतिक भाषाओं के साथ पौराणिक और धार्मिक कहानियों, भक्ति कविताओं और आध्यात्मिक विचारों का एक उदाहरणात्मक उपाख्यान प्रस्तुत कर सम्मोहित कर दिया। कृष्ण लीलाओं पर आधारित उनकी भावमयी प्रस्तुति के साथ दशावतार पर मौजूद दर्शक देर रात तक करतल ध्वनि करते रहे। कार्यक्रम में कृष्णेन्दु के निर्देशन में नृत्योर्मी स्कूल ऑफ़ ओडिसी के विद्यार्थियों ने बट्टू नृत्य, कृष्ण–यशोदा संवाद पर आधारित जगदोधारना, शिव तांडव स्त्रोत आदि की प्रस्तुति दी।

सैलजा ने रतिया के गांवों का दौरा कर मांगे वोट

चंडीगढ़/रतिया, 05 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के सिरसा लोकसभा सीट से कांग्रेस (इंडिया समूह) की उम्मीदवार कुमारी सैलजा ने रविवार को रतिया विधानसभा क्षेत्र के अनेक गांवों का दौरा कर वोट की अपील की। सुश्री सैलजा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) सरकार ने गलत नीतियों को लागू कर पूरे देश के लोगों को ठगा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने हर वर्ग को लोगों को रोने के लिए विवश कर दिया है। मगर अब समय बदल रहा है, देश में लोग भी बदलाव चाहते हैं, लोकतंत्र में मतदाता बड़ी शक्ति होती है। पूरे देश में कांग्रेस की जबरदस्त लहर चल रही है और लोग वोट की चोट से मोदी सरकार को बाहर का रास्ता दिखाने का मन बना चुके हैं।

उन्होंने गांव भिरडाना में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र में कोई भी आदमी छोटा नहीं होता, सबकी आवाज बराबर होती है। उन्होंने कहा कि भाजपा के 10 साल के शासन ने देश को काफी पीछे धकेल दिया है। किसान, बेरोजगार, सरपंच, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, कर्मचारी, सभी हकों के लिए सड़को पर आकर लड़ाई लड़ रहे हैं। पर अहंकार में डूबी इस सरकार को कुछ भी दिखाई नहीं देता है। उन्होंने कहा कि उनके पिता चौ. दलबीर सिंह की चिट्ठियों को जिस प्रकार लोगों ने इतने प्यार से संभालकर रखा है मेरा वचन है कि मैं उतने ही समर्पण से आपके हर सपने को संवारूंगी। ये वक्त कांग्रेस का हाथ मजबूत करने का और देश को मजबूत करने का है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने देश की जनता के साथ सबसे बड़ा धोखा किया है। उन्होंने कहा कि आज सिरसा ही नहीं देश बदलाव के लिए तैयार है और बदलाव आएगा। सुश्री सैलजा ने कहा कि मतदाता केवल और केवल मतदान की प्रतीक्षा कर रहा है ताकि इस जनविरोधी सरकार को अलविदा कहा जा सके। पूरे देश में कांग्रेस की जबरदस्त लहर चल रही है। देश के किसानों की वर्तमान हालात का जिक्र करते हुए कुमारी सैलजा ने कहा कि आज किसानों पर सबसे ज्यादा अत्याचार हो रहा है वह आवाज उठाना चाहता है पर लाठी डंडों से हर बार उसकी आवाज दबाई जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने किसानों और खेतिहर मजदूरों के संकटकाल की पुकार पर ध्यान दिया है और कांग्रेस उनके दर्द को कम करने और कृषि को एक आकर्षक आजीविका बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कांग्रेस पार्टी को 28 में से कम से कम 20 सीटें जीतने का भरोसा: सीएम

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने राज्य में दूसरे चरण के मतदान से पहले कांग्रेस पार्टी के 28 में से कम से कम 20 सीटें जीतने का भरोसा जताया है। यहां रविवार को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, कर्नाटक के सीएम ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने उन सभी पांच गारंटियों को पूरा किया है, जिन्होंने उन्हें राज्य में सत्ता में पहुंचाया है। कर्नाटक में निचले सदन की 28 सीटों के लिए दो चरणों में मतदान हो रहा है।

14 सीटों के लिए मतदान 26 अप्रैल को हुआ था और शेष सीटों पर तीसरे चरण में 7 मई को मतदान होगा। रविवार शाम प्रचार समाप्त हो गया और 7 मई को मतदान होगा। सीएम ने कहा 26 अप्रैल को पहले चरण के चुनाव में हमारी जानकारी के अनुसार हम 8-9 सीटें जीतेंगे।

इस दूसरे चरण में, हम 10 से अधिक सीटें जीतेंगे। इस प्रकार से कम से कम 20 सीटें हम जीतेंगे। इसको लेकर हम आश्वस्त हैं क्योंकि हमने अपने सभी 5 वादे पूरे कर दिए हैं, बिना किसी बिचौलिए के, गारंटी चेक मेरे और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के माध्यम से हर व्यक्ति तक पहुंचेगा।

सत्ता में आने के बाद से पिछले आठ महीनों में कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों पर उन्होंने प्रकाश डाला। पिछले आठ महीनों में, हमने सभी वादों को लागू किया है। हमने 20 मई को सत्ता में शपथ ली थी। विधानसभा चुनाव से पहले प्रचार के दौरान चावल की मात्रा बढ़ाकर 10 किलो करने के लिए कई अनुरोध हमारे पास आए थे, जिसे येदियुरप्पा के नेतृत्व वाली सरकार ने 5 किलो तक कर दिया था। उन्होंने कहा हम अपनी कांग्रेस की गारंटी को बरकरार रखेंगे। भाजपा नेता इस बात पर हंगामा कर रहे हैं कि कांग्रेस की गारंटी को किसी भी तरह बंद किया जाना चाहिए। सिद्धरामैया ने केंद्र में दोबारा सत्ता में आने पर संविधान को बदलने का कथित दावा करने के लिए भी भाजपा की आलोचना की। बीजेपी नेता कह रहे हैं कि, अगर वे (बीजेपी) सत्ता में आए तो संविधान बदल देंगे। अगर इस लोकसभा चुनाव में बीजेपी को 400 सीटें मिलीं तो वे संविधान बदल देंगे। मोहन भागवत ने भी धैर्य रखने को कहा कि वे संविधान बदल देंगे। भाजपा पार्टी के मन में संविधान के प्रति कोई सम्मान नहीं है। हम इस लोकसभा चुनाव को दूसरी आजादी कह सकते हैं। सिद्धरामैया ने राज्य के साथ जीएसटी मुआवजे के मुद्दे पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा निर्मला सीतारमण ने गलत बयान दिया कि हताश होकर हम सुप्रीम कोर्ट गए। जब सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई तो उन्होंने मुआवजे की घोषणा की। पिछले 10 वर्षों में कर्नाटक के लिए कुछ भी नहीं किया गया है और जाति और धर्म के आधार पर समाज को विभाजित करने की कोशिश की जा रही है। इसलिए सुनिश्चित करें कि कर्नाटक के लोग हमें वोट दें।

विधायकी गंवाने वाले अनंत सिंह बेउर जेल से बाहर निकले

पैरोल मिलने की वजह भी चौंकाने वाली

पटना (एजेंसियां)।

विधायकी गंवाने वाले बाहुबली और मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह रविवार को पटना के बेउर जेल से बाहर निकल गये हैं। गृह विभाग से हरी झंडी मिलने के बाद अनंत सिंह को जेल से 15 दिनों के लिए पैरोल मिला है। आनंद सिंह के जेल से बाहर निकलने की सूचना के साथ ही उनके समर्थकों में काफी उत्साह का माहौल है। अनंत सिंह लगभग 5 वर्षों से जेल में बंद है। अनंत सिंह पर एके 47 रखने का आरोप है, जिसके तहत कोर्ट ने उन्हें 10 वर्ष की सजा सुनाई थी। तब से मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह पटना के बेउर जेल में सजायाफ्ता बंदी के रूप में सजा काट रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक़ आपसी पारिवारिक बटवारा को लेकर अनंत सिंह ने न्यायालय में कोर्ट से पैरोल पर इसके लिए आदेश मांगा था। पेरोल पर आदेश मिलने के बाद आनंद सिंह को लेकर गृह विभाग ने यह आदेश जारी किया था। रविवार की अहले सुबह जब अनंत सिंह को 15 दिनों के पैरोल पर बेउर जेल से बाहर निकाला जा रहा था, उस समय जेल के बाहरी एवं भीतरी सुरक्षा को चुस्त दुरुस्त कर दिया गया था।

अनंत सिंह की पत्नी नीलम सिंह वर्तमान में राजद के विधायक हैं। बिहार में वर्तमान में लोकसभा का चुनाव चल रहा है। चौथे चरण 13 में को बिहार के मुंगेर में लोकसभा के चुनाव का मतदान होना है। इसे लेकर भी अनंत सिंह के जेल से बाहर आने को लेकर राजनीतिक गलियारे में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है।

बाजार समिति में पानी-बिस्किट के लिए मची लूट

छीनाझपटी करते दिखे चुनावकर्मी, स्थानीयों ने उठाया फायदा

खगड़िया (एजेंसियां)।

बिहार के खगड़िया में लोकसभा चुनाव के दो दिन पहले सामग्री वितरण स्थल पर जिला प्रशासन की अव्यवस्था दिखी। स्थानीय बाजार समिति में इस दौरान रविवार को अफरा-तफरी का माहौल रहा। चुनावकर्मी पानी और बिस्किट के लिए लूट मचाते देखे गए। जबकि सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी आराम फरमाते रहे। आलम यह रहा कि नाश्ता के लिए लोग एक-दूसरे के ऊपर चढ़कर हाहाकार मचाते रहे। इस दौरान वितरण स्थल पर मौजूद नाश्ता वितरण कर्मियों ने अपने हाथ खड़े कर लिए। गौरतलब है कि खगड़िया डीएम ने शनिवार

को ही प्रेस वार्ता के दौरान कहा था कि बाजार समिति में पूरी व्यवस्था रहेगी।

सामग्री वितरण के दौरान खगड़िया के बाजार समिति में चुनाव कर्मियों ने काफी लूटपाट की। नाश्ता लेकर पहुंचे कर्मियों के हाथों से कोई बिस्किट का पैकेट छीन रहा था तो कोई पानी के जार को लेकर भाग खड़ा हुआ। जबकि सभी चुनाव कर्मियों को प्रशासन की तरफ से चुनाव के संबंध में ब्रीफिंग के लिए बुलाया गया था। बावजूद इसके लोग ब्रीफिंग स्थल से हटकर नाश्ता के लिए हाहाकार करते मिले।

एक तरफ जहां बाजार समिति प्रांगण में चुनाव कर्मियों ने नाश्ता के लिए हंगामा कर दिया। वहीं, दूसरी तरफ सड़क पर चलते आम लोगों ने भी इसका फायदा उठाया। लोग आसपास के घरों से बाजार समिति प्रांगण में पहुंचकर बिस्किट से भरे डब्बे और पानी ले जाते दिखे। जबकि प्रवेश द्वार पर पुलिसकर्मी कुर्सियों पर आराम फरमाते देखे गए।

महाबोधि मंदिर के गर्भगृह में चोरी

अपराध के बाद बौद्ध भिक्षु ने किया भगवान बुद्ध को नमन

गया (एजेंसियां)।

भगवान के रखवाले भी अब चोरी करने लगे हैं। कुछ ऐसा ही मामला सामने आया है। हालांकि चोरी करते वीडियो वायरल होने के बाद बीटीएमसी सदस्यों का हाथ पैर फ़ुलने लगा हैं। क्योंकि किसी ने सोचा भी नहीं था कि भगवान बुद्ध के सेवक इस कर्म पर उतर जाएगा। फ़िलहाल बीटीएमसी के पदाधिकारी मामले की छानबीन कर रहे हैं। आरोपी पुजारी पर कार्रवाई की बात कह रहे हैं।

बताया जा रहा है कि बोधगया के महाबोधि मंदिर जहां भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। यहां प्रति वर्ष विभिन्न देशों के

लाखो बौद्ध श्रद्धालु,बौद्ध भिक्षु और विदेशी पर्यटक आते हैं। महाबोधि मंदिर के गर्भगृह में भगवान बुद्ध को नमन कर महाबोधी वृक्ष के नीचे साधना करते हैं। गर्भगृह में भगवान बुद्ध की प्रतिमा के नीचे दानपेटी रखा गया है। जहां आने वाले श्रद्धालु दानपेटी में रुपए डालते हैं। गर्भ गृह में बोधगया मंदिर प्रबंधकारिणी समिति द्वारा बौद्ध भिक्षुओं को देखरेख के लिए रखा गया है। वहीं गर्भ गृह में सुरक्षा के दृष्टिकोण से सीसीटीवी कैमरा भी लगाए गए हैं।

महाबोधि मंदिर के गर्भगृह से बौद्ध भिक्षु के द्वारा दानपेटी से पैसा चोरी करने का वीडियो सामने आया है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि बौद्ध भिक्षु पहले दान में मिले रुपए को उठाता है और फ़िर अपने चीवर के अंदर रख लेता है। रुपए चोरी करने के बाद भगवान बुद्ध के पैर छूकर नमन कर बाहर निकल जाता है। बौद्ध भिक्षु की पहचान भिक्षु धम्मिका के रूप में की गई है। वहीं बीटीएमसी के सचिव डॉ महाश्वेता महारथी ने कहा कि जांच में दोषी पाए जाने पर कार्रवाई होगी। बौद्ध भिक्षु द्वारा चोरी करने के मामले की जांच करवाई जाएगी। उक्त भिक्षु पर दोष सिद्ध होता है, तब बीटीएमसी कार्रवाई करेगी।

पटना में दिनदहाड़े युवक की हत्या

पटना (एजेंसियां)।

पटना में अपराधियों ने दिनदहाड़े युवक की हत्या कर दी गई। अपराधियों ने युवक को बैक टू बैक चार गोली मारी। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। स्थानीय लोगों ने युवक को अस्पताल ले जाने लगे लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और छानबीन में जुट गई। गौरीचक थाना मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गौरीचक थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान गोरख राय के पुत्र विकास कुमार उर्फ़ चोंचो के रूप में हुई है। वह गोपालपुर के श्रीपतपुर का रहने वाला था।

बेगूसराय में दो ट्रकों की भीषण टक्कर

दुर्घटनाग्रस्त वाहन में फंस जाने से चालक की मौत

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बिहार के बेगूसराय में दो ट्रकों की आमने-सामने भीषण टक्कर में एक ट्रक चालक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि उपचालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उपचालक को इलाज के लिए बेगूसराय के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। वहीं, इस घटना के बाद एनएच 31 पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। इस हादसे के बाद एनएच 31 काफी देर तक बाधित रहा। घटना नगर थाना क्षेत्र के एनएच 31 स्थित पोखरिया के पास की है। मृतक ट्रक चालक की पहचान उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद निवासी अशोक कुमार के रूप में की गई है, जबकि उपचालक की पहचान मोहम्मद असलम के रूप में हुई है।

घायल उपचालक मोहम्मद असलम ने बताया कि बीती रात पूर्णिया से ट्रक में मुर्गा चारा लेकर मुजफ्फरपुर जा रहे थे। तभी एनएच 31 के पास तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रक ने जबरदस्त टक्कर मार दी। इस हादसे में ट्रक चालक अशोक कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि उपचालक मोहम्मद असलम गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल अवस्था में उपचालक का इलाज बेगूसराय के सदर अस्पताल में चल रहा है।

वहीं, स्थानीय लोगों ने बताया कि बीती रात दो ट्रकों की आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई। इस भीषण टक्कर में एक ट्रक चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि उपचालक गंभीर रूप से घायल हो गया है। उन्होंने बताया कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। इससे ट्रक चालक वाहन में ही फ़ंस गया और उसकी मौत हो गई। उसके बाद हादसे की सूचना स्थानीय लोगों ने नगर थाना पुलिस को दी। मौके पर नगर थाना पुलिस ने पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया और आगे की कार्रवाई में जुट गई।

बाबा गरीब नाथ मंदिर में आपस में भिड़े दो श्रद्धालु

मारपीट रोकने पर एक ने सिर पटककर फोड़ी नाक, गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार के मुजफ्फरपुर के एक मंदिर में पूजा करने को लेकर दो श्रद्धालु आपस में भिड़ गए। उसके बाद दोनों में जमकर मारपीट हुई। वहीं, बीच-बचाव करने पहुंचे पुजारी से भी नोकझोंक हो गई। जब विवाद बढ़ा तो सनकी शख्स ने सिर पटककर अपनी नाक फ़ोड़ ली। यह मामला शहर के चर्चित बाबा गरीब नाथ मंदिर का है। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

जानकारी के मुताबिक, यह घटना बाबा गरीब नाथ मंदिर में सुबह घटी। जहां उस समय स्थिति अजीबोगरीब बन गई जब मंदिर के प्रांगण में पूजा करने पहुंचे श्रद्धालुओं में से दो लोगों के बीच मारपीट हो गई।

लोगों ने देखा कि दो लोग आपस में भिड़े हुए हैं और मंदिर में बाबा के जलाभिषेक के इस्तेमाल के लिए बने कुएं के पास मारपीट हो रही है। उसके बाद मौके पर भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं, मारपीट का सिलसिला गेट तक चलता रहा। उसके बाद मौके पर मौजूद पुजारियों में से कुछ ने युवक को पकड़ा, लेकिन वह फ़िर से मारपीट करने पर उतारू

था। उसके बाद नहीं मानने पर भी मारपीट करने लगा और बाहर आकर अपने सिर को मंदिर के ग्रिल के पास पटककर अपनी नाक को फ़ोड़ ली। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी युवक को फ़ौरन पकड़ा और थाने ले गई। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

वहीं, आरोपी युवक ने बताया कि पूजा करने को लेकर विवाद हुआ था। एक युवक से मंदिर के कुछ पूजारी द्वारा दूसरे को पकड़ने की जगह मुझे ही पकड़ा गया। पूरी घटना की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

इधर, घटना को लेकर बाबा गरीब नाथ मंदिर के प्रशासक सह प्रधान पुजारी पंडित विनय पाठक ने बताया कि एक युवक द्वारा मंदिर में आपसी विवाद को लेकर मारपीट की गई है। मंदिर में इस प्रकार की कोई भी हरकत करने से रोका जाता है।

पुजारी के बीच-बचाव करने पर आरोपी ने बदसलूकी करने का काम किया है। वह मंदिर के गेट के पास के ग्रिल पर अपनी सिर पटकने लगा था, जिसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई है। पुजारी ने आरोप लगाया कि इसके पूर्व भी उक्त युवक द्वारा मंदिर में आकर मारपीट की गई थी, जिसकी फुटेज मंदिर प्रशासन के पास है। इस तरह की कोई भी हरकत मंदिर में स्वीकार नहीं की जाएगी। अगर कोई भी कठिनाई थी तो इसकी शिकायत न्यायालय को की जानी चाहिए थी।

पूरे मामले में नगर पुलिस ने बताया कि मंदिर परिसर में मारपीट मामले में एक को पकड़ा गया है, हिरासत में है। वहीं, मंदिर के पुजारी द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com